नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 13

अंक : 12

सोमवार, 24 से 30 अप्रैल 2023

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

पहलवानों को किसानों और खाप पंचायतों का साथ मिला 03

किस एक बात से परेशान हैं बीजेपी-कांग्रेस 08

लखनऊ के नवाबों ने किया पंजाब में भागड़ा 10

बच्चों की लंबाई बढ़ाने के लिए समान्य टिप्स 11

NCR समाचार

BY C.R.O. TEAM

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

आलिया ने बताया अपनी फिटनेस का राज... 12

कर्नाटक विधानसभा चुनाव

बदजुबानियों का दौर चरम की ओर

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव 10 मई के नजदीक आने के पहले गर्मी पकड़ रहे हैं और नए युग की राजनीति के तौर पर पहचान बनाने वाली राजनीतिक बदजुबानी ने राजनीतिक और विकासपरक नारों की जगह ले ली है। एक तरफ कांग्रेस ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है तो दूसरी ओर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जहरीले साँप की संज्ञा देकर माहौल को बेहद खास तरीके से गरमा दिया है। दरअसल, जैसे जैसे मतदान की तारीख नजदीक आएगी, कर्नाटक में सत्तारूढ़ भाजपा और प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के बीच राजनीतिक बयानबाजी, बल्कि कहना चाहिए कि राजनीतिक बदजुबानी मर्यादाओं की बाड़ खाने के स्तर से भी ऊपर पहुँच जाएगी।

ऐसा नहीं कि मतदाता ऐसी बयानबाजियों से खास प्रभावित होता है। यह राजनीति का बेहद छिछला स्तर है जो 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से अधिक देखने को मिला है। कांग्रेस की निवर्तमान अध्यक्ष सोनिया गाँधी के नरेंद्र मोदी को मौत का सौदागर निरुपित करने से प्रधानमंत्री द्वारा सदन में कांग्रेस नेता रेणुका चौधरी को सूर्पनखा कहने तक के सफ? में कोई भी इससे पीछे नहीं है। इसलिए राजनीति की दूसरी, तीसरी और चौथी लाइन क्यों परहेज करेगी। कांग्रेस नेता राहुल गाँधी तो इसके चलते लोकसभा सदस्यता तक गंवा बैठे है। इसी साल जनवरी में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस वाईवी चंद्रचूड़ ने राजनीतिक दलों से पूछा था कि क्यों न किसी मंत्री की बदजुबानी का दोष सरकार के सिर डाला जाए। सुप्रीम अदालत आजम खां के मामले में एक केस सुन रही थी।

राजनीति में शुचिता और मर्यादा एक पहलू तो है ही, जिसके चलते सभी दलों को इसे रोका जाना चाहिए। सिक्के का एक पहलू और भी है जो कांग्रेस के लिए ऐसी बदजुबानी खतरनाक भी हो सकती है। कर्नाटक चुनाव को लेकर अब तक जो भी सर्वे आए हैं, वे कांग्रेस को यहां राजनीतिक बढ़त प्रदर्शित कर रहे हैं। विभिन्न सर्वेक्षणों का विश्लेषण यही बता रहा कि 224 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस पूर्ण बहुमत प्राप्त कर सकती है, जबकि भाजपा 70-80 सीटों तक सिमट सकती है। प्रधानमंत्री मोदी की रैलियों के बाद मतदाता की मनोस्थिति बदल सकती है, पर फिलहाल कांग्रेस मीडिया रिपोर्ट्स में बढ़त पर है। इसका बड़ा कारण कांग्रेस की विकासपरक घोषणाएं, बताई जा रही हैं, जिन्हें सरकार बनने के बाद कांग्रेस ने लागू करने का वादा किया है।

भाजपा नेताओं के माथे से बहते पसीने से भी लग रहा है कि उन्हें खासी मशक्कत करनी पड़ रही है और चुनावी कमान सीधे प्रधानमंत्री के हाथ में होने के बावजूद भाजपा जीत के प्रति आश्वस्त नहीं है, तो इसका मतलब मान्यता हो सकती है जो उन्हें कुछ लाभों का ... कांग्रेस में शीर्ष स्तर से ऐसी ब्यानबाजी हुई तो शायद कर्नाटक का वोटर इसे पसंद न करे। कांग्रेस के पास अन्य दलों की तुलना में लोकसभा में सीटें बेशक कम हों, किन्तु विपक्षी दलों में कांग्रेस एकमात्र पार्टी है, जिसकी तीन राज्यों में सत्ता होने के साथ राष्ट्रीय स्तर पर संगठन का नेटवर्क है। इससे कांग्रेस की जिम्मेदारी अन्य दलों से कहीं ज्यादा है। सार्वजनिक जीवन में संयमित आचरण और ईमानदारी के मानदंड स्थापित करने की ज्यादा जिम्मेदारी भी कांग्रेस पर है।

सत्ता पक्ष की नीतियों की आलोचना करना स्वस्थ लोकतंत्र की परंपरा और जरूरत है। इसके विपरीत व्यक्तिगत आक्षेपों से आम लोगों से जुड़े मुद्दे हाशिए पर चले जाएंगे, जो कर्नाटक में कांग्रेस को नुकसान देगा।

खड़गे ने मोदी को बताया, –जहरीला नाग

गडग। कांग्रेस अध्यक्ष (एआईसीसी) अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जहरीले नाग की संज्ञा दी है। श्री खड़गे ने यहां गजेंद्रगाड ताल्लुक के नारेगल शहर में आयोजित रैली को सम्बोधित करते हुए कहा, मोदी जहरीला नाग है, और अगर कोई चख कर परखना चाहता है कि वह जहरीला है या नहीं तो ऐसा नहीं करें। अगर चखा तो मारे जाओगे। देश को ऐसे नेताओं से बचाने के बारे में सोचा जाना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री की आलोचना करते हुए कहा कि उनकी भगवा विचारधारा देश को बरबाद कर रही है। उन्होंने कहा, आपकी विचारधारा क्या है? आपका दृष्टिकोण क्या है? यह बहुत बुरा है और यह देश को बरबाद कर रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी कहा कि अगर कांग्रेस कर्नाटक चुनाव जीतती है तो वह पूरे देश को जीतेगी क्योंकि वह बदलाव लाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक में भ्रष्टाचार व्याप्त है और राज्य सरकार द्वारा घोटालेबाजों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है हालांकि, भारतीय जनता पार्टी का दावा है कि उसने अपने ही विधायक मदल विरुपक्षप्पा, चिलुमे, पीएसआई और बिटकॉइन घोटालेबाजों को जेल में डाल दिया है। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने पहले कहा था, गिरफ्तारी के अलावा सरकार और क्या कर सकती है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह सरकार द्वारा दी जा सकने वाली यह सबसे बड़ी सजा है।

लुधियाना में गैस रिसाव से 11 लोगों की मौत

लुधियाना, एजेंसी। पंजाब में लुधियाना के गियासपुरा इलाके में रविवार को एक फैक्ट्री में गैस रिसाव की घटना के कारण 11 लोगों की मौत हो गई जबकि दो लोग गंभीर अवस्था में उपचाराधीन है। मरने वालों में एक ही परिवार के पांच सदस्य, दो बच्चे और छह महिलाएं शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि मरने वालों में से छह लोगों की पहचान सौरव (35), वर्षा (महिला 35), आर्यन (10), अभय (13), कपलेश (40) और चुलु (16 महिला) के तौर पर हुई है जबकि घायलों की पहचान नितिन (40) और गौरव (50) के तौर पर हुई है। घायलों को अस्पताल ले जाया गया। गैस लीक होने की वजह का पता नहीं चला है। बचाव अभियान के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की एक टीम मौके पर पहुंच गयी है।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना का पता सुबह लगभग पौने आठ बजे तब लगा जब इलाके में गश्त कर रही पीसीआर टीम को कुछ लोग सड़क पर बेहोश पड़े मिले। उन्होंने बताया कि पुलिस कर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए लोगों का बचाव करते हुए, उन्हें अस्पताल पहुंचाना शुरू किया। गैस की गंध इतनी तीखी है कि वहां खड़ा हो पाना मुश्किल है। इस दौरान एक पुलिस कर्मचारी भी गैस के प्रभाव से बेसुध हो गया था, जिसका इलाज चल रहा है।

लुधियाना नगर निगम में विपक्ष नेता जसपाल सिंह ग्यासपुरा ने बताया कि ग्यासपुर इलाके में 30 फुट रोड स्थित एक घर में दूध से संबंधित उत्पादों का काम करने वाली एक इकाई से गैस का रिसाव हुआ है। उन्होंने कहा कि यहां लगे हुए बड़े बड़े फ्रिज्रों से गैस का रिसाव हुआ हो सकता है क्योंकि घटना वाले घर में सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं। उन्होंने आशंका जाहिर की है कि मृतकों की संख्या 11 या 12 से अधिक हो सकती है।

लुधियाना पश्चिम की एसडीएम स्वाति ने कहा कि निश्चित रूप से, यह एक गैस रिसाव का मामला है। एनडीआरएफ की टीम लोगों को निकालने के लिए मौके पर मौजूद है और बचाव अभियान चलाएगी। इस घटना में 11 लोगों की मौत हो गई।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गैस रिसाव की घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा, ह्रलुधियाना के गियासपुरा इलाके में फैक्टरी में गैस लीक घटना बेहद दुखदायी है, पुलिस, प्रशासन और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर मौजूद हैं, हर संभव मदद पहुंचाई जा रही है।

सहायक पुलिस उपायुक्त समीर वर्मा, एनडीआरएफ और दमकल विभाग के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और 300 मीटर तक के पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। प्रभावित इलाके में लोगों को आने-जाने से रोक दिया गया है। गैस रिसाव के 300 मीटर के क्षेत्र में जो भी व्यक्ति जा रहा है, उसे सांस लेने में दिक्कत हो रही है। एंबुलेंस भी मौके पर पहुँची हैं और बेहोश हुए लोगों को वहां से ले जाने का प्रयास किया जा रहा है।

अतीक-अशरफ हत्याकांड: सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से मांगे सुरक्षा उपायों के रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने पूर्व सांसद अतीक अहमद और उनके भाई अशरफ की 15 अप्रैल को प्रयागराज में की गई हत्या मामले में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिया कि वह मेडिकल जांच के लिए ले जाते समय पुलिस हिरासत में की गई हत्या की जांच सहित उठाए गए अन्य कदमों से संबंधित रिकॉर्ड पेश करे।

न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह निर्देश दिया।

पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी से पूछा, "उन्हें (गोली मारने वालों को) अतीक और अशर?फ की मेडिकल जांच की योजना के बारे में कैसे पता चला? उन्हें (अतीक और अशर?फ) अस्पताल तक वैन में क्यों नहीं ले जाया गया, क्यों उन्हें चलने और मीडिया के सामने परेड करने के लिए मजबूर किया गया।"

श्री रोहतगी ने कहा कि हत्यारे समाचार फोटोग्राफरों के भेष में आए थे।

उन्होंने यह भी कहा कि अदालत के आदेश के अनुसार दोनों को हर दो दिन में मेडिकल जांच के लिए ले जाना होता था, इसलिए प्रेस को यह पता था।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एक आयोग नियुक्त किया है।

श्री रोहतगी ने अदालत से मामले में नोटिस जारी नहीं करने का अनुरोध करते हुए कहा कि सरकार रिकॉर्ड पेश करेगी।

शीर्ष अदालत अधिवक्ता विशाल तिवारी की जनहित याचिका पर अगली सुनवाई तीन हफ्ते बाद करेगी। पूर्व सांसद और उनके भाई पूर्व विधायक को पत्रकार के भेष आये तीन हमलावरों ने उस समय गोलियां मारकर हत्या कर दी थी, जब उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में पुलिस कर्मियों द्वारा उन्हें चिकित्सकीय जांच के लिए ले जाया जा रहा था। पुलिस ने तीनों शूटरों को मौके से गिरफ्तार कर लिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा- समलैंगिक जोड़ों को सामाजिक लाभ कैसे दें?

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को केंद्र से कहा कि समलैंगिक जोड़ों को उनकी वैवाहिक स्थिति की कानूनी मान्यता के बिना भी संयुक्त बैंक खाते या बीमा पॉलिसियों में भागीदार नामित करने जैसे बुनियादी सामाजिक लाभ देने का तरीका खोजा जाए।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि जब अदालत कहती है कि मान्यता को विवाह के रूप में मान्यता देने की आवश्यकता नहीं है, तो इसका मतलब मान्यता हो सकती है जो उन्हें कुछ लाभों का हकदार बनाती है, और दो लोगों के जुड़ाव को विवाह के बराबर नहीं माना जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने स्वीकार किया कि समलैंगिक विवाह के लिए कानूनी मंजूरी संसद के अधिकार क्षेत्र में है।

पीठ ने केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि एक बार जब आप कहते हैं कि साथ रहने का अधिकार एक मौलिक अधिकार है, तो यह राज्य का दायित्व है कि साथ रहने के सभी सामाजिक प्रभाव को कानूनी मान्यता प्राप्त हो, और अदालत विवाह में बिल्कुल नहीं जा रही है।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अदालत गठजोड़ की व्यापक भावना का कुछ तत्व चाहती है और अदालत इस तथ्य के बारे में भी सचेत है कि देश में प्रतिनिधि लोकतंत्र को भी बहुत कुछ हासिल करना चाहिए। पीठ ने कहा कि बैंकिंग, बीमा, प्रवेश आदि जैसी सामाजिक आवश्यकताएं होंगी जहां केंद्र को कुछ करना होगा।

मेहता ने कहा कि सरकार कुछ मुद्दों से निपटने पर विचार कर सकती है, समलैंगिक जोड़ों को कानूनी मान्यता दिए बिना सामना करना पड़ रहा है। शीर्ष अदालत ने केंद्र से 3 मई को वापस आने के लिए कहा, सामाजिक लाभों पर अपनी प्रतिक्रिया के साथ कि समान-लिंग वाले जोड़ों को उनकी वैवाहिक स्थिति की कानूनी मान्यता के बिना भी अनुमति दी जा सकती है। मुख्य न्यायाधीश ने मेहता से कहा, हम आपकी बात मानते हैं कि अगर हम इस क्षेत्र में प्रवेश करते हैं..आपने बहुत शक्तिशाली तर्क दिया है कि आप कानून बनाएंगे..और यह संसद के लिए है, यह विधायिका का अखाड़ा होगा.. तो, अब क्या?

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की पहल सराहनीय: शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भारतीय डेयरी क्षेत्र में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की पहलों की सराहना करते हुए बोर्ड को उद्योग की संभावनाओं वाले पंचायतों/गांवों में सहकारी समितियां स्थापित कर इस क्षेत्र को और भी मजबूत करने का आह्वान किया है।

शाह ने बहु-पदार्थ (मल्टी-कमोडिटी) सहकारी समितियों, एक ही ब्रांड के तहत उनके पदार्थों (प्रोडक्ट्स) के निर्यात, जैविक पदार्थों के संवर्धन, सहकारी समितियों में सहयोग के माध्यम से दुग्ध प्रसंस्करण सुविधाओं की क्षमता का बेहतर उपयोग और एनडीडीबी की सहायक कंपनी आईडीएमसी लिमिटेड के जरिए डेयरी मशीनरी विनिर्माण में आत्म-निर्भरता एवं घरेलू डेयरी उपकरणों के निर्यात की आवश्यकता को रेखांकित किया।

केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर भी बल दिया कि एनडीडीबी की सहायक कंपनियों को आगे आकर इन उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में अग्रणी भूमिका निभानी होगी।

एनडीडीबी के अध्यक्ष मीनेश शाह ने श्री शाह का स्वागत किया। इस मौके पर सहकारिता सचिव ज्ञानेश कुमार, संयुक्त सचिव पंकज कुमार बंसल और एनडीडीबी निदेशक मंडल की सदस्य सुश्री वर्षा जोशी और अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

सहकारिता मंत्री ने पड़ोसी देशों और अफ्रीकी राष्ट्रों में डेयरी को मजबूत करने के लिए एनडीडीबी की पहलों की सराहना की और कहा कि किसानों की आय को और बढ़ाने के लिए भारत को गुणवत्तायुक्त दूध और दुग्ध उत्पादों के निर्यात के माध्यम से विश्व की डेयरी बनाने की जरूरत है।

इससे भारतमंत्री के वसुधैव कुटुम्बकम के लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलेगी।

एनसीआर समाचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली-62

फोन:
8888883968,
9811111715

डॉ शैली ओबरॉय मेयर और आले मोहम्मद इकबाल डिप्टी मेयर निर्विरोध निर्वाचित

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। भाजपा ने मेयर-डिप्टी मेयर के चुनाव में अंतिम समय पर नामांकन वापस ले लिया। इसके बाद 'आप' उम्मीदवार डॉ शैली ओबरॉय निर्विरोध मेयर और आले मोहम्मद इकबाल डिप्टी मेयर चुने गए।

मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने कहा कि सीएम अरविंद केजरीवाल के विजन को पूरा करने के लिए मिलकर काम करेंगे। हम राजनीति से ऊपर उठकर निष्पक्ष तरीके से सदन को चलाएंगे। डिप्टी मेयर आले मोहम्मद इकबाल ने कहा कि दिल्ली की जनता को भरोसा दिलाते हैं कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की 10 गारंटियों को पूरा किया जाएगा।

नेता सदन मुकेश गोयल ने कहा कि भाजपा के पार्षदों का फर्ज बनता है कि वो राजनीति ना खेलें बल्कि दिल्ली की समस्याओं को दूर करने के लिए साथ दें।

दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी के निर्विरोध मेयर-डिप्टी मेयर बनने के बाद सिविक सेंटर में वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक ने मेयर डॉ शैली ओबरॉय के साथ महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित किया। दुर्गेश पाठक ने कहा कि पहली बार भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी के सामने सरेंडर कर दिया है।

दुर्गेश पाठक ने भाजपा पर कटाक्ष किया कि इनके अंदर मेयर-डिप्टी मेयर का चुनाव लड़ने की क्षमता खत्म हो गई है। हमारे सभी पार्षदों को दस-दस करोड़ रुपए और अमित शाह से मीटिंग का ऑफर दिया गया, ताकि किसी तरह से टूट जाएं। भाजपा ने हमारे पार्षदों को तोड़ने के लिए दिल्ली पुलिस का सहारा भी लिया। जब सारे षड्यंत्र फेल हो गए तो नामांकन वापस ले लिया।

नव-निर्वाचित मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का आभार प्रकट करती हूं जिन्होंने मुझे फिर से मेयर पद का उम्मीदवार बनाया। आम आदमी पार्टी के पार्षद, विधायक, सांसद, कार्यकर्ता और दिल्ली की जनता की भी आभारी हूं, जिन्होंने मुझे मेयर बनाने का फैसला किया। दिल्ली की जनता के जो सपने हैं उन्हें पूरा करने के लिए यह जिम्मेदारी दोबारा मिली है।

सभी को आश्वस्त करती हूं कि जो जिम्मेदारी आज फिर से मिली है, उसे ईमानदारी और साफ नियत से पूरा करूंगी। दिल्ली की जनता को बेहतर स्कूल, अस्पताल, पार्क आदि उम्मीदों को पूरा किया जाएगा। इसके अलावा नगर निगम के कर्मचारियों की तनख्वाह सहित अन्य मुद्दों को पूरा किया जाएगा। सीएम अरविंद केजरीवाल के विजन को पूरा करने के लिए मिलकर काम करेंगे। हम राजनीति से ऊपर उठकर निष्पक्ष तरीके से सदन को चलाएंगे।

डिप्टी मेयर आले मोहम्मद इकबाल ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की जनता का आभार, जिन्होंने दोबारा मुझ पर विश्वास जताया है। दिल्ली की जनता को भरोसा दिलाते हैं कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की 10 गारंटियों को पूरा किया जाएगा। जिस तरह से पूरी दुनिया में दिल्ली सरकार के स्कूल अस्पताल लोकप्रिय हैं, उसी तरह से दिल्ली नगर निगम के भी स्कूल अस्पताल होंगे। दिल्ली की जनता ने जो सपने देखें हैं, उनको पूरा करना हमारी अहम जिम्मेदारी है। दिल्ली नगर निगम के दरवाजे अब आम जनता के लिए खुल गए हैं।

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षो से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

मोदी की 'मन की बात' देश के जन-जन की बात : शिवराज

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात देश के जन-जन की बात है। यह एक सामाजिक आंदोलन और जनक्रांति बन गई है। प्रधानमंत्री की 'मन की बात' से बेहतर कार्य करने वाले अलग-अलग लोगों को समाज के सामने लाने का मौका मिला है।

श्री चौहान ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 100 वें एपिसोड को भोपाल के पीपुल्स माल के सभागार में लाड़ली बहना योजना की अभ्यार्थियों के साथ सुना और कार्यक्रम के बाद उन्हें संबोधित भी किया। विधायक कृष्णा गौर सहित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेश पाराशर, सुमित पचौरी और बड़ी संख्या में क्षेत्र की महिलाएं उपस्थित हुईं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम के 100 एपिसोड पूरे होने पर प्रधानमंत्री श्री मोदी का हृदय से अभिनंदन करते हैं। स्वच्छता आंदोलन, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, जल-संरक्षण जैसे समाज-सुधार के साधनों और वोकल फॉर लोकल जैसी गतिविधियों को मन की बात से प्रोत्साहन मिला है। लोग अपनी भावनाओं का प्रकटीकरण भी प्रधानमंत्री श्री मोदी के सामने इस माध्यम से कर पाते हैं। देश में मन की बात ने सामाजिक क्रांति का शंखनाद किया है।

श्री चौहान ने मन की बात सुनने आईं लाड़ली बहना योजना की अभ्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे आँसू बहाने के लिए पैदा नहीं हुई हैं। बहन-बेटियाँ मजबूर न रहें, मजबूत बनें, इसके लिए राज्य सरकार अनेक कार्यक्रम और योजनाएँ संचालित कर रही है। बहनें संकल्प लें कि वे गरीब नहीं रहेंगी। राज्य सरकार द्वारा शहरों में भी महिला स्व-सहायता समूह गठित करने का अभियान शुरू किया जा रहा है।

इसमें बहनों का बैंक लिंगेज सुनिश्चित किया जाएगा और अपने काम-धंधे आरंभ करने के लिए 2 प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। हमारा संकल्प है कि प्रत्येक महिला महीने में कम से कम 10 हजार रूपए कमाए और आत्म-सम्मान एवं आत्म-विश्वास के साथ जीवन जिये।

श्री चौहान ने कहा कि ईश्वर ने बेटा-बेटी को समान बनाया, परंतु ऐतिहासिक क्रम में महिलाओं के साथ दूसरे दर्जे का व्यवहार करना समाज की रीति ही बन गई। लोग बेटे को बुढ़ापे का सहारा और कुल का दीपक मानने लगे जबकि वास्तविकता यह है कि बेटी ही अंतिम समय तक माता-पिता का साथ देती है और किसी भी स्थिति में बेटों से कम नहीं है। विज्ञान के क्षेत्र में हुई प्रगति का भी बेटी के जन्म को रोकने के लिए उपयोग किया गया। पुरूष प्रधान समाज में बेटियों और बहनों की स्थिति निरंतर बद्तर होती चली गई।

उन्होंने कहा कि पीड़ा और वेदना से भरे इस परिदृश्य को बदलने के लिए ही राज्य सरकार ने लाड़ली लक्ष्मी योजना, बेटियों की पढ़ाई के लिए विभिन्न योजनाएँ, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना सहित अनेकों योजनाएँ क्रियान्वित की। महिला सशक्तिकरण के लिए शासकीय सेवा, पंचायत और नगरीय चुनावों में आरक्षण और महिलाओं के नाम अचल संपत्ति के पंजीयन में विशेष छूट जैसी व्यवस्था की गई। महिलाओं ने भी उन्हें सौंपी गई हर जिम्मेदारी को बखूबी निभाया है। प्रदेश में 45 लाख बेटियाँ लाड़ली लक्ष्मी योजना से जुड़ी हैं, प्रदेश में 2 मई को लाड़ली लक्ष्मी दिवस मनाया जाएगा।

श्री चौहान ने कहा कि गरीब और निम्न मध्यम परिवार की महिलाओं की जिंदगी बदलने के लिए हमारी सरकार संकल्पित है। उन्हें आत्म-निर्भर बनाने में लाड़ली बहना योजना प्रभावी सिद्ध होगी। योजना में रोजमर्रा की जरूरतों की पूर्ति के लिए प्रतिमाह 1000 रूपए बहनों के खाते में डाले जायेंगे। राखी के बंधन को निभाने की भावना से साल में एक बार नहीं हर महीने बहनों को कुछ न कुछ देने के लिए ही लाड़ली बहना योजना में प्रतिमाह राशि जारी करने की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में एक करोड़ 20 लाख से अधिक बहनों ने योजना में आवेदन किया है। सभी पात्र बहनों से अपील है कि वे योजना में आवेदन अवश्य करें। मई माह में आवेदनों की जाँच के बाद 10 जून को बहनों के खाते में राशि जारी की जाएगी। यह दिन महिलाओं के लिए क्रांति का दिन होगा।

श्री चौहान ने कृष्णा सामाजिक एवं सांस्कृति संस्था द्वारा महिलाओं को तीन माह का सेनेटरी नेपकिन निःशुल्क उपलब्ध कराने के अभियान का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री का फूलों की विशाल माला पहना कर स्वागत किया गया। श्री चौहान ने 'फूलों का तारों का सबका कहना है-एक हजारों में मेरी बहना है' गीत गाया, तो मौजूद हजारों बहनों ने मुख्यमंत्री के साथ सुर से सुर मिलाये।

बलूचिस्तान में बढ़ा मंकीपॉक्स का खतरा, स्कूलों में हाई अलर्ट जारी

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में मंकीपॉक्स के मामले सामने आने के बाद इसके संक्रमण को लेकर स्कूलो को हाई अलर्ट किया गया है। प्रांतीय शिक्षा निदेशालय ने एक अधिसूचना में जिला शिक्षा अधिकारियों और प्रधानाचार्यों को वायरल संक्रमण (मंकीपॉक्स) के प्रसार पर नियंत्रण के लिए समुचित और त्वरित कार्रवाई तथा निवारक उपाय करने के लिए कहा है।

अगर किसी में इसके लक्षण पाए जाते हैं, तो उन्हें किसी अस्पताल से संपर्क करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही ऐसे छात्र या व्यक्ति को दूसरों से दूर रखने का निर्देश दिया गया है। उल्लेखनीय है कि इस हफ्ते की शुरूआत में पाकिस्तान में विदेश से देश की यात्रा करने वाले दो लोग मंकीपॉक्स से ग्रसित पाये गये थे। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, मंकीपॉक्स के रोगी को सऊदी अरब से निर्वासित किया गया था और 17 अप्रैल को मंकीपॉक्स के लक्षणों के साथ पाकिस्तान में उतरा था।

इसी बीच फ्लाइट में उनके साथ बैठे एक अन्य व्यक्ति में भी एमपॉक्स के लक्षण दिखे। इस बीच डब्ल्यूएचओ ने पाकिस्तान को मंकीपॉक्स वायरस से निपटने में सहायता का आश्वासन दिया। संगठन ने एक बयान में कहा कि वह पाकिस्तान की सरकार के साथ मिलकर वायरस के प्रसार की जांच कर रहा है। डब्ल्यूएचओ ने सरकार को विशेष रूप से प्रयोगशाला परीक्षण प्रक्रिया, प्रवेश के बिंदु और परीक्षण किट प्रदान करने में सहायता का आश्वासन दिया है।

हिमाचल प्रदेश विद्यार्थियों के कौशल विकास पर दें विशेष ध्यानः राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल

एनसीआर समाचार

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी के सीनेट की 16वीं वार्षिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिये भी प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि यह हम सभी का सामूहिक दायित्व है कि यह विश्वविद्यालय देश के आदर्श शिक्षण संस्थान के रूप में पुनर्प्रतिष्ठापित हो। इसके लिए विश्वविद्यालय की अकादमिक एवं अनुसंधान गतिविधियों को और बेहतर तरीके से चलाने के लिए निरन्तर प्रयासरत रहने की आवश्यकता है। उन्होंने सीनेट की बैठक को नियमित तौर पर आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने पिछले वर्ष अपनी घरेलू आय 30.74 करोड़ रुपये अर्जित की है तथा विश्वविद्यालय केंद्र सरकार से भी अनुसन्धान व शिक्षा कार्यों के लिए भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद से अनुदान ले रहा है। उन्होंने कहा कि अनुसंधान कार्य परियोजनाओं के लिए धनराशि उपलब्ध करवाने के लिए और प्रयास किये जाने चाहिये।

श्री शुक्ल ने कहा कि इस अवधि में विश्वविद्यालय ने बुनियादी ढांचा विकसित करने में काफी प्रगति की है। इस दिशा में पिछली सीनेट की बैठक से अब तक 37.99 करोड़ रुपये निर्माण कार्यों पर खर्च किए गए हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा आधुनिक प्रयोगशालाएं, छात्रों के लिए अध्ययन-कक्ष, ई-कार्ट्स तथा सौर उर्जा को बढ़ावा देने के लिए, सोलर रूफ टॉप पावर प्लांट व छात्रों के लिए एक सोलर स्टीम किचन जैसी सुविधाएं स्थापित की गई हैं।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को छात्रों और वैज्ञानिकों के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। इस अवधि के दौरान 4 हजार 623 नई किताबें, पत्रिकाएं और थीसिस पुस्तकालय संग्रह में जोड़ी गई हैं। उन्होंने कहा कि समाज की नई पीढ़ी को मात्र उपाधिधारक बना देने से हमारा दायित्व पूरा नहीं हो सकता। अपितु युवाओं में सम-सामयिक चुनौतियों का सामना करने का साहस और क्षमता विकसित करना भी हमारी जिम्मेदारी है तभी विश्वविद्यालय सही मायनों में अपनी भूमिका को निभा पाएगा।

ब्रम्हाकुमारी गांधीनगर आश्रम के द्वारा गांव गांव पहुंचकर ग्रामीणों को दिया स्वच्छता का संदेश

एनसीआर समाचार

पोरसा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय गांधी नगर पोरसा के मुख्य सेवा केंद्र के माध्यम से ग्राम लुखरियाई में सत्संग का आयोजन किया। जिसमें नगर पालिका पोरसा स्वच्छता सर्वेक्षण ब्रांड एंबेसडर बीके रेखा बहन ने कहा कि हम सबको अपना गांव साफ सुथरा रखना होगा। इसकी शुरूआत हमें स्वयं से और अपने घर से करनी चाहिये अपने मन को साफ रखें जितने भी हमने व्यर्थ की संकल्प अपने मन में रखें हुऐ है उसका त्याग करना बेहद जरूरी है। वह तब ही संभव है जब हम परमात्मा को रोज याद करेंगे।

उसका मनन चिंतन करेंगे मन ही मन हम परमात्मा को याद करेंगे भगवान ने हमें बहुत सारी शक्तियां दी हुई है परखने की शक्ति निर्णय करने की शक्ति सहयोग करने की शक्ति समाने की शक्ति सभी शक्तियों से हम अपने घर को अपने मन को अपने गांव को स्वच्छ बनाने में सफल होंगे इन शक्तियों से हमें मदद मिल सकती है हमारे अंदर परखने की शक्ति आ जाए तो हम ये यह समझ पाए कि हमें अपने आसपास सफाई क्यों रखनी चाहिए।

सफाई रखने से जैसा कि आप सभी जानते हैं कि सफाई रखने से बहुत सी बीमारियों से हम दूर रह सकते हैं मन की भी एक बीमारी होती है मन में हमने बहुत सारी भ्रांतियां पाल रखी है नकारात्मक सोच को हमने जगह दे रखी है उन सभी को त्याग करें और अपने मन को साफ सुथरा रखें जब हमारा मन हमारा तन हमारा घर साफ हो जाएगा तो हम अपने आसपास के क्षेत्रों में भी सफाई रखने में कामयाब अवश्य ही हो पाएंगे और रोज एक घंटा ईश्वर के ध्यान में अवश्य लगाएं मुख्य रूप से उपस्थित रहे ,सुलोचना राठौर गोपाल राठौर गीता शर्मा रेखा सेंगर पुष्पा शर्मा सुमन आरती सचिन अग्रवाल, श्याम मुरारी बाबा, रामरतन दीनदयाल, गुरु नारायण गुप्ता।

भारत बदल रहा है, यह अब उड़ना चाहता है : विज

चंडीगढ/सिडनी, एजेंसी। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि भारत बदल रहा है, भारत को पंख लग रहे हैं और भारत अब उड़ना चाहता है। श्री विज ने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में रविवार को प्रवासी भारतीयों व 'एसोसिएशन ऑफ हरियाणवी इन ऑस्ट्रेलिया' के सौजन्य से आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साल 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का संकल्प लिया हुआ है।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी भी ऑस्ट्रेलिया आ रहे हैं इसलिए मैं आपसे यह अपील करना चाहूंगा कि जिस जोश के साथ आप सभी गीता महोत्सव में जुड़े हैं उससे भी कई हजार गुना जोश के साथ आप मोदी जी के स्वागत कार्यक्रम में जुडे। श्री विज ने कहा कि पिछले तीन दिन से ऑस्ट्रेलिया में हूं लेकिन मुझे लग रहा है कि मैं हरियाणा के किसी दूसरे शहर में आया हूं, क्योंकि आप लोगों का अपार सहयोग और प्यार मुझे मिल रहा है।उन्होंने कहा कि आप लोगों ने ऑस्ट्रेलिया में रहते हुए अपने धर्म और संस्कृति को नहीं छोड़ा है क्योंकि जड़ों को छोड़कर पेड़ सूख जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब मैं 'एसोसिएशन आफ हरियाणवी इन ऑस्ट्रेलिया' के पदाधिकारी सेवा सिंह के घर गया तो इन्होंने हरियाणवी संस्कृति के अनुरूप अपने घर में मंजे/खाट, मुढे और हुक्का को रखकर बैठक बनाई हुई है जो वहां पर आने वालों को यह याद कराता है कि हमारी विरासत, जड़े क्या है और हम किस तौर-तरीकों व ढंग से रहते हैं।

बेहद खास रही मन की बात, पश्चिम बंगाल में सुनने के लिए कई आयोजन

कोलकाता, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 100वां एपिसोड बेहद खास रहा। इस कार्यक्रम को सुनने के लिए देश के सभी राज्यों के साथ पूरे पश्चिम बंगाल में आयोजन किए गए। खासतौर पर भाजपा की ओर से प्रदेश मुख्यालयों के साथ ही जिला मुख्यालयों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। कोलकाता स्थित राजभवन में प्रसार भारती की ओर से 'मन की बात' के प्रसारण और सुनने की विशेष व्यवस्था की गई थी। इसमें राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस और उनकी पत्नी सहित राजभवन के सभी स्टाफ ने बैठकर 'मन की बात' सुनी। प्रदेश भाजपा के अनुसार राज्यभर में 13 प्रमुख स्थानों पर 'मन की बात' सुनने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे। छह नंबर मुरलीधर सेन लेन स्थित पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में भी इसके प्रसारण की व्यवस्था की गई थी। प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने अपने निर्वाचन क्षेत्र बालूरघाट के तपन विधानसभा क्षेत्र के ठाकुर पुरा इलाके में मन की बात सुनी। उनके साथ पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता भी शामिल थे। नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने अपने विधानसभा क्षेत्र नंदीग्राम के गोकुल नगर हाई स्कूल मैदान में 'मन की बात' सुनी। यहां भी पार्टी कार्यकर्ता और नेता उपस्थित थे। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने गौरव नगर में प्राइमरी स्कूल ग्राउंड में 'मन की बात' कार्यक्रम में शामिल हुए। पार्टी के प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य बांसद्रोनी में, सांसद लॉकेट चटर्जी हुगली के बालागढ़ में, महिला मोर्चा की अध्यक्ष तनुजा चक्रवर्ती नदिया जिले के कल्याणी आईटीआई मोड़ पर और विधायक डॉ. शंकर घोष ने सिलीगुड़ी में चार नंबर वार्ड के एक क्लब मैदान में आयोजित हुए मन की बात प्रसारण कार्यक्रम में शिरकत की।

प्रधानमंत्री मोदी की 'मन की बात' की 100वीं कड़ी का संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में सजीव प्रसारण

न्यूयॉर्क, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 100वीं कड़ी का सजीव प्रसारण यहां स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में स्थानीय समयानुसार शनिवार देर रात किया गया। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि व राजदूत रुचिरा कम्बोज ने ट्वीट किया, अभी शुरू हुआ। मन की बात न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के ट्रस्टशिप काउंसिल में प्रसारित हो रहा।

मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम की 100वीं कड़ी का प्रसारण न्यूयॉर्क के स्थानीय समयानुसार शनिवार रात डेढ़ बजे शुरू हुआ।

प्रसारण से पहले शनिवार को संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने ट्वीट किया, ऐतिहासिक क्षण के लिए तैयार हो जाइए। प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम की 100वीं कड़ी का संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के 'ट्रस्टीशिप काउंसिल चैंबर' में 30 अप्रैल को सीधा प्रसारण किया जाएगा।

भारतीय मिशन ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व घटना होगी।

भारत के स्थायी मिशन ने कहा, 'मन की बात' एक मासिक राष्ट्रीय परंपरा बन गया है, जो लाखों लोगों को भारत की विकास यात्रा में भाग लेने के लिए प्रेरित करता है।

ब्रिटेन, चीन, दक्षिण अफ्रीका, चिली, मोरक्को, मेक्सिको, कांगो, इराक और इंडोनेशिया सहित विभिन्न देशों में स्थित भारतीय मिशन ने भी 'मन की बात' की 100वीं कड़ी सुनने के लिए विशेष व्यवस्था की।

गुयाना, पनामा, कोलंबिया और डोमिनिक गणराज्य की आधिकारिक यात्रा पर गए विदेश मंत्री एस जयशंकर भी भारतीय समुदाय समुदाय द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम में शामिल हुए।

लंदन में, मन की बात' का सजीव प्रसारण की व्यवस्था भारतीय उच्चायोग ने की। केंद्रीय विज्ञान राज्यमंत्री डॉ.जितेंद्र सिंह ने जो ब्रिटेन की यात्रा पर हैं, भारतीय समुदाय और उच्चायोग के अन्य अधिकारियों के साथ इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

चीन स्थित भारतीय दूतावास ने ट्वीट किया, मन की बात श्रृंखला के लिए यह नया मील का पत्थर है। बीजिंग में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोग प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम की 100वीं कड़ी का सजीव प्रसारण सुनने के लिए हमसे से जुड़े।

रूस में 'मन की बात' की 100वीं कड़ी को मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास में सुना गया जिसमें छात्रों सहित भारतीय समुदाय के उत्साहित लोगों ने हिस्सा लिया।

एक नजर

गुवाहाटी से 14 मई को चलेगी पूर्वोत्तर की पहली वंदे भारत ट्रेन

गुवाहाटी, एजेंसी। देश के अन्य हिस्सों में चल रही भारत की अत्याधुनिक वंदे भारत ट्रेन को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है। पूर्वोत्तर के लोग भी काफी समय से वंदे भारत के परिचालन को लेकर टकटकी लगाए हुए थे। वह घड़ी अब आ गयी है, जब पूर्वोत्तर की पहली वंदे भारत ट्रेन का परिचालन 14 मई से होने जा रहा है। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के सूत्रों ने हिन्दुस्थान समाचार से बताया कि 14 मई को गुवाहाटी से न्यू जलपाईगुड़ी के बीच वंदे भारत ट्रेन का औपचारिक रूप से परिचालन होगा। ट्रेन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। हालांकि, वे गुवाहाटी आएंगे या दिल्ली से इसका वर्चुअली उद्घाटन करेंगे, अभी तक स्थिति पूरी तरह से साफ नहीं हो पायी है। उसी दिन असम समेत पूर्वोत्तर के लिए रेलवे की चार से पांच अन्य परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किये जाने की तैयारी की गयी है। गुवाहाटी से एनजेपी के बीच वंदे भारत का ठहराव किन-किन स्टेशनों पर होगा, इसकी सूची तैयार कर ली गयी है, जल्द ही इसका खुलासा किया जाएगा। असम समेत पूरे पूर्वोत्तर में रेलवे के विकासात्मक कार्य काफी तेज गति से चल रहे हैं। गुवाहाटी तक दोहरी लाइन का कार्य अपने अंतिम चरण में है। दोहरी लाइन का कार्य पूरा होने के बाद ट्रेनों की रफ्तार और बढ़ जाएगी।

एफआईआर के बावजूद इंकार ब्रज भूषण का अहंकार दशार्ता है : वडिंग

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने रविवार को कहा कि प्राथमिकी दर्ज होने के बावूजद भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष ब्रज भूषण सिंह का इस्तीफा न देना उनका अहंकार दशार्ता है। श्री वडिंग ने ट्वीट कर कहा कि इसीके साथ यह भारतीय जनता पार्टी के ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्ण नारे का खोखलापन भी सामने लाता है। दिल्ली में जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रहीं पहलवानों का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि देश का नाम ऊंचा कराने वाली बेटियों को इंसासफ मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब कांग्रेस इंसाफ की इस लड़ाई में पहलवानों के साथ है। पहलवान पिछले रविवार से जंतर मंतर पर धरने पर हैं और उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद ब्रज भूषण सिंह के खिलाफ दो प्राथमिकियां दर्ज हो चुकी हैं। पहलवानों का धरना हालांकि जारी है।

सोनीपत की मंडियों 3,33,289 टन गेहूं की खरीद

सोनीपत, एजेंसी। हरियाणा की में सोनीपत की 24 मंडियों में अब तक तीन लाख 33 हजार 289 टन गेहूं की आवक हो चुकी है। यह जानकारी रविवार उपायुक्त ललित सिवाच ने दी। उन्होंने बताया कि खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने 110548 टन, हैफेड ने 125567 टन, एचडब्ल्यूसी 67400 टन और फूड कार्पोरेशन आफ इंडिया (एफसीआई) ने 29774 टन गेहूं की खरीद की है। उन्होंने बताया कि बरोदा खरीद केन्द्र पर 4200 टन, भैसवाल 4701 टन, बिचपड़ी 1290 टन, दतौली 4652 टन, फरमाणा 12645 टन, गन्नौर 23257 टन, गोहाना में 117899 टन, कासंडी 11410 टन, कथूरा 8771 टन, खानपुर 5017 टन, खरखौदा 47027 टन, मुण्डलाना 5701 टन, मुरथल 9315 टन, नाहरा 6285 टन, पुगथला 17564 टन, पुरखास 3799 टन, रूखी 15073 टन, सनपेड़ा 7771 टन तथा सोनीपत अनाज मण्डी में 21647 टन तथा सोनीपत साइलो में 5265 टन गेहूं की आवक हुई है।

शिवराज 235 जोड़ों के सामूहिक विवाह कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़े

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि दाम्पत्य सूत्र में बंधने वाले बेटा-बेटी अपनी आवश्यकता और इच्छा के अनुसार गृहस्थी का सामान स्वयं खरीदें, इस उद्देश्य से ही मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में 49 हजार रूपए का चेक उपहार स्वरूप देने की व्यवस्था की गयी है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार श्री चौहान रतलाम जिले के मनोनिया महादेव,(आलोट विधानसभा क्षेत्र) में 235 जोड़ों के सामूहिक विवाह कार्यक्रम में राजकीय विमानतल भोपाल से वर्चुअली शामिल हुए। सांसद अनिल फिरोजिया, पूर्व विधायक दीपेंद्र सिंह गहलोत, राजेंद्र सिंह लुनेरा, योगेंद्र सिंह तथा जन-प्रतिनिधि विवाह कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटी को बोझ न समझा जाए इस उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा विवाह की व्यवस्था का दायित्व भी वहन किया जाता है। बेटा -बेटी बराबर हैं, यह आवश्यक है कि उन्हें एक जैसा सम्मान और आदर मिले। उन्होंने वर-वधु को सुखी, प्रसन्न और प्रेम पूर्वक रहने का आशीर्वाद और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने बेटियों की विदाई बेला पर ह्यमामा की दुआएँ लेती जा - जा तुझको सुखी संसार मिले' गीत गुनगुनाया।

चार हजार रुपए का इनामी गिरफ्तार

भरतपुर, एजेंसी। राजस्थान में भरतपुर पुलिस की जिला स्पेशल टीम ने कार्यवाही करते हुए थाना उद्योग नगर के हत्या एवं डकैती के मामले में 16 साल से फरार चार हजार रुपए के एक इनामी अपराधी को गिरफ्तार किया है। टीम प्रभारी पुलिस निरीक्षक मुकेश कुमार के नेतृत्व में की गई कार्यवाही के बारे में बताया गया कि इनामी बदमाश 57 वर्षीय तेजा उर्फ तेजपाल बाबरिया निवासी चक धरवारी थाना सदर डीग को जिला श्योपुर मध्यप्रदेश से दस्तयाब कर थानाधिकारी उद्योग नगर के सुपुर्द किया गया। आरोपी आईपीसी में भी नामजद बताया गया है।

उत्तराखंड हाईकोर्ट के स्थानांतरण का रास्ता साफ, केन्द्र ने फंड को भी दी मंजूरी

नैनीताल, एजेंसी। सरोवर नगरी नैनीताल स्थित उत्तराखंड उच्च न्यायालय के स्थानांतरण का रास्ता एकदम साफ हो गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को इसके स्पष्ट संकेत दिये और कहा कि उच्च न्यायालय के स्थानांतरण के लिये केन्द्र सरकार से धन (फंड) की व्यवस्था भी हो गयी है। श्री धामी आज प्रधानमंत्री की 'मन की बात' कार्यक्रम के 100वें एपीसोड में भाग लेने के लिये सरोवर नगरी पधारे थे। उन्होंने जनता के साथ एकाग्रचित्त होकर नैनीताल के डीएसए मैदान में प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। इसके पश्चात् उन्होंने पत्रकारों से हुई संक्षिप्त वार्ता में कहा कि उच्च न्यायालय के स्थानांतरण के मामले में सरकार हाईकोर्ट के मत के साथ है। उन्होंने हाईकोर्ट के स्थानांतरण से इनकार नहीं किया। उन्होंने हालांकि, यह नहीं बताया कि उच्च न्यायालय कौन से स्थान पर स्थानांतरित होगा। उन्होंने साफ साफ कहा कि उच्च न्यायालय के स्थानांतरण को केन्द्र से मंजूरी मिल गयी है और इसके लिये केन्द्र सरकार से फंड की व्यवस्था भी हो गयी है। इससे पहले श्री धामी ने सुबह मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी व उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के साथ नाश्ता किया। माना जा रहा है कि इस दौरान उच्च न्यायालय के स्थानांतरण को लेकर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने मुख्य न्यायाधीश को अभी तक की प्रगति के संबंध में जानकारी दी। श्री धामी ने पत्रकारों से बात करते हुए प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम की भी प्रशंसा की और कहा कि मन की बात ने जिस प्रकार समाज व देश के लिये काम करने वाले गुमनाम लोगों को पहचान दी है वह तारिफेकाबिल है। उन्होंने मन की बात कार्यक्रम के सौ एपिसोड सफलतापूर्वक सम्पन्न होने के लिये प्रदेश की जनता की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को शुभकामनायें भी दीं।

दिल्ली सरकार ने नए इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ मुख्यालय के निर्माण का रास्ता किया साफ

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली कैंट इलाके में प्रस्तावित इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (आईडीएस) के नए मुख्यालय के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को प्रोजेक्ट के अंतर्गत आ रहे पेड़ों को हटाने और ट्रांसप्लांट करने की फाइल को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री से मंजूरी मिलने के बाद अत्याधुनिक आईडीएस कॉम्पलेक्स के निर्माण का काम जल्दी शुरू होने की उम्मीद है। इस भवन में अधिकारियों का मेस और कैंप बनेगा।

प्रस्ताव को स्वीकृति देते हुए मुख्यमंत्री ने यह नोट भी दर्ज किया है कि इस प्रस्ताव पर राय या निर्णय प्रकट करने के लिए एलजी को भेजा जाएगा। ट्रांजेक्शन ऑफ बिजनेस रूल जीएनसीटीडी एक्ट 2021 के तहत एलजी को सात कार्य दिवस के अंदर अपनी राय देने का नियम है। इसके तहत एलजी अपनी सहमति या अलग राय दे सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने इस भवन के निर्माण में आड़े आ रहे 114 पेड़ों को हटाने और उनके प्रत्यारोपण के लिए एक प्रस्ताव बनाकर दिल्ली सरकार के पास भेजा था। इस प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय हित में बताते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रस्ताव को शर्तों के साथ मंजूदी दी है। शतार्नुसार केंद्रीय रक्षा मंत्रालय को प्रोजेक्ट स्थल पर स्थित पेड़ों में से 60 को ट्रांसप्लांट करना होगा, जबकि 54 पेड़ों को हटाया जाएगा और इसके बदले दस गुना अधिक (1,140) अतिरिक्त नए पौधे लगाएगा।

दिल्ली सरकार ने आगे यह भी उल्लेख किया है कि 114 पेड़ों में से रक्षा मंत्रालय 60 पेड़ों का प्रत्यारोपण करेगा, जबकि 54 पेड़ों की कटाई करेगा। पेड़ों का ट्रांसप्लांटेशन प्रोजेक्ट स्थल के अंदर ही चिंहित स्थान पर होगा। दिल्ली सरकार ने मंत्रालय से कहा है कि वो साइट से केवल उन्हीं पेड़ों को हटा सकते हैं जिसकी दिल्ली सरकार ने मंजूरी दी है। इसके अलावा एक भी पेड़ को नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा। अगर इसके अलावा कोई भी पेड़ क्षतिग्रस्त होता है तो उसे दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम 1994 के अंतर्गत अपराध माना जाएगा।

दिल्ली सरकार ने पेड़ों को हटाने और उनके ट्रांसप्लांटेशन के बदले रक्षा मंत्रालय को 10 गुना ज्यादा पौधे लगाना अनिवार्य कर दिया है। इसलिए अब वह निर्माण स्थल पर 52 फीसद पेड़ों के ट्रांसप्लांटेशन के अलावा 1,140 नए पौधे भी लगाएगा। इन पेड़ों को स्थानांतरण की मंजूरी मिलने की तिथि के तीन महीने के अंदर पहले से चिंहित जगह पर लगाया जाएगा। दिल्ली सरकार के दिशा-निदेर्शों के अनुसार रक्षा मंत्रालय अगले सात वर्षों तक पेड़ों के रखरखाव की जिम्मेदारी भी लेगा। दिल्ली सरकार द्वारा स्वीकृत प्रस्ताव के अनुसार पेड़ों को हटाने और प्रत्यारोपण के बदले में दिल्ली की मिट्टी और जलवायु के अनुकूल विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। जिसमें नीम, अमलतास, पीपल, पिलखन, गूलर, बरगद, देसी कीकर और अर्जुन के पेड़ शामिल हैं। इन पेड़ों को गैर वन भूमि पर 6-8 फीट ऊंचाई के पौधे के रूप में लगाया जाएगा।

इसके साथ ही मंत्रालय को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि जितने भी पेड़ प्रत्यारोपण में जीवित नहीं रहे, उनके स्थान पर 15 फीट ऊंचाई और कम से कम 6 इंच व्यास वाले स्वदेशी प्रजातियों के पेड़ों को 1.5 के अनुपात में लगाया जाएं। यदि किसी पेड़ पर पक्षियों का बसेरा पाया जाता है तो उसे तब तक काटने या हटाने की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक कि पक्षी पेड़ को छोड़ नहीं देते है। साथ ही, पेड़ों की कटाई के बाद पेड़ों की टहनियों को 90 दिनों के भीतर पास के श्मशान घाट में मुफ्त में भेजा जाएगा।

दिल्ली आबकारी घोटाला: मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 12 मई तक बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला के सीबीआई से जुड़े मामले में दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 12 मई तक बढ़ा दिया है। मनीष सिसोदिया की आज इस मामले में न्यायिक हिरासत खत्म हो रही थी, जिसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। पेशी के दौरान मनीष सिसोदिया की ओर से पेश वकील ने कहा कि सिसोदिया के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हमारा अधिकार है कि हमें चार्जशीट की प्रति मिले। इसके बाद कोर्ट ने सीबीआई को निर्देश दिया कि वो चार्जशीट की ई कॉपी सिसोदिया को उपलब्ध कराए। सिसोदिया के वकील ने कहा कि चार्जशीट में लिखा है कि जांच जारी है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के आए हालिया फैसले के मुताबिक सिसोदिया का डिफॉल्ट बेल का आधार बनता है। इस पर सीबीआई की तरफ से सफाई दी गई कि इस घोटाले की जांच बड़ी साजिश के आधार पर जारी है, लेकिन सिसोदिया के खिलाफ जांच पूरी हो गई है। कोर्ट ने सीबीआई की इस दलील को रिकॉर्ड पर ले लिया। 25 अप्रैल को सीबीआई ने इस मामले में दिल्ली में पूरक चार्जशीट दाखिल की थी। सीबीआई ने इस मामले में सिसोदिया को भी आरोपित किया है। कोर्ट चार्जशीट पर संज्ञान लेने के मामले पर 12 मई को सुनवाई करेगा। पूरक चार्जशीट में सिसोदिया के अलावा जिन लोगों को आरोपित किया गया है, उनमें बुची बाबू, अर्जुन पांडेय और अमनदीप ढल हैं।

भाजपा ने केजरीवाल के आधिकारिक आवास के 'सौंदर्यीकरण' पर हुए खर्च को लेकर किया प्रदर्शन

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर अपने सरकारी आवास के 'सौंदर्यीकरण' पर करोड़ों रुपये खर्च करने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को उनके निवास के समीप प्रदर्शन किया।

भाजपा ने केजरीवाल पर 2020-2022 के दौरान यहां सिविल लाइंस क्षेत्र में सरकारी आवास 'छह फ्लैगस्टाफ रोड' की मरम्मत पर करीब 45 करोड़ रुपये खर्च करने का आरोप लगाया है। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने यह कहते हुए पलटवार किया है कि भाजपा असल मुद्दों से ध्यान बांटने की कोशिश कर रही है। एक हवेली की प्रतिकृति लिये प्रदर्शनकारियों ने रिंग रोड पर चंडीग्राम अखाड़ा से दिल्ली के मुख्यमंत्री के आवास तक मार्च निकाला।

केजरीवाल 2015 में मुख्यमंत्री बनने के बाद सिविल लाइंस वाले इस आवास में रह रहे हैं। भाजपा ने आरोप लगाया कि राजनीति में ईमानदारी एवं सादगी को बढ़ावा देने का दावा करने वाले केजरीवाल ने 'भ्रष्टाचार का महल' खड़ा कर लिया है।

भाजपा पर पलटवार करते हुए आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि वह महत्वपूर्ण मुद्दों से ध्यान बांटने का प्रयास कर रही है। सिंह ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जिस आवास में रहते हैं वह वर्ष 1942 में बनाया गया था और अब तक तीन बार उसकी छत टूट चुकी है।

उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं के बाद लोक निर्माण विभाग ने नया मकान बनाने का सुझाव दिया था।

सरकारी स्कूलों में तीसरी से आठवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं के लिए मिशन बुनियाद क्लास आयोजित

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार शिक्षा विभाग ने इस बाबत एक सर्कुलर भी जारी कर दिया है. इसके लिए छात्रों के अभिभावक को जागरूक किया जाएगा. शिक्षा विभाग ने स्कूलों में संचालित होने वाली मिशन बुनियाद की क्लासेज को लेकर मेगा पीटीएम आयोजित करने का निर्देश जारी किया है.

शिक्षा विभाग ने कहा है कि दिल्ली सरकार के द्वारा स्कूलों में चलाया जा रहा मिशन बुनियाद एक प्रमुख कार्यक्रम है. तीसरी से आठवीं के छात्रों के बीच मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक कौशल को मजबूत करने के लिए और छात्रों के बीच सीखने के अंतराल को दूर करने और उस प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए मिशन बुनियाद कार्यक्रम शुरू किया गया था. स्कूल प्रमुखों को निर्देश है कि वह सुनिश्चित करें कि सभी छात्र अपनी पाठ्य पुस्तकें पढ़ सकते हैं.

पीटीएम से पहले होगी फैकल्टी मीटिंग

मेगा पीटीएम में छात्रों की शिक्षा में मिशन बुनियाद के महत्व को समझाने के लिए शिक्षक माता-पिता को अपने बच्चों को समर कैंप कक्षाओं में नियमित रूप से भेजने के लिए प्रोत्साहित करेंगे. समर कैम्प में नियमित उपस्थिति के महत्व पर माता-पिता को प्रभावित किया जाएगा. इसके लिए स्कूल प्रमुख मेगा पीटीएम से पहले शिक्षकों को अध्ययन का एजेंडा समझाने के लिए एक फैकल्टी मीटिंग आयोजित करेंगे. साथ ही सभी विद्यालयों के प्रमुखों को इसके लिए आवश्यक व्यवस्था करने और आवश्यक दिशानिदेर्शों का पालन करना होगा.

दिल्ली शिक्षा विभाग ने कहा है कि 28 अप्रैल को तीसरी से आठवीं के छात्रों के लिए मेगा पैरेंट्स टीचर्स मीटिंग (पीटीएम) आयोजित की जाएगी. शिक्षा निदेशालय के अधीन आने वाले विद्यालयों में कार्यक्रम के अनुसार अभिभावकों को इस बारे में जागरूक किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि 11 मई से 10 जून के बीच पड़ने वाली गर्मियों की छुट्टियों में मिशन बुनियाद की क्लासेज चले. इस दौरान इस समर कैंप में कक्षा 3 से 8 तक के सभी छात्र-छात्राएं भाग लें. सुबह की शिफ्ट में 8 बजकर 30 मिनट से 12 बजकर 30 मिनट तक और शाम की शिफ्ट में दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक क्लासेज संचालित होंगी.

पहलवानों को किसानों और खाप पंचायतों का साथ मिला

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों का धरना जारी है। पहलवानों के समर्थन में खाप पंचायतें और किसान भी उतर आए हैं। धरना स्थल पर पूरे मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के जज से कराने की मांग की गई। साथ ही चेतावनी दी कि अगर पहलवानों को इंसाफ नहीं मिला तो किसान आंदोलन की तरह उनके समर्थन में आंदोलन करेंगे।

गुरुवार को सैकड़ों की तादाद में खाप पंचायतों के प्रतिनिधि हरियाणा और उत्तर प्रदेश से पहलवानों को समर्थन देने पहुंचे। पंजाब के किसानों और पूर्व फौजियों का साथ भी पहलवानों को मिल रहा है। पहलवान बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट सहित अन्य को किसानों ने सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। इसे देखकर पहलवानों के समर्थन में नारेबाजी होने लगी। जंतर-मंतर पहुंचकर राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने पहलवानों की मांगों को सही ठहराया। साथ ही मामले को गंभीर और संवेदनशील बताया।

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत ने कहा कि चार-पांच दिन से देख रहा हूं कि देश की इज्जत और मान-सम्मान जंतर-मंतर पर धरना दे रहा है। आखिर ऐसा क्या कारण हुआ जो ऐसी नौबत आ गई। यह सरकार पर एक दाग है। इसकी घोर निंदा करता हूं। अगर कोई निर्णय जल्द नहीं आता है तो यहां कुछ भी हो सकता है। सरकार कब तक बचेगी। हमने मुगलों को हराया, अंग्रेजों को भगाया और अब इज्जत के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगे। उधर, पत्रकारों ने नरेश टिकैत से पूछा कि कुछ भी हो सकता है से क्या मतलब है। तो उन्होंने आक्रोशित होते हुए विवादित बयान दिया।

एक नजर

बर्तन की दुकान में लगी आग

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी जिले के रघुवीर नगर स्थित घोड़े वाले मंदिर के सामने बने स्टील और प्लास्टिक की एक दुकान में गुरुवार सुबह अचानक आग लग गई। मामले की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की नौ गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मियों ने साढ़े तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। दमकल विभाग के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब 7.46 बजे सूचना मिली कि रघुवीर नगर स्थित घोड़े वाले मंदिर के पास एक दुकान में आग लग गई है। सूचना मिलते ही एक-एक कर दमकल की नौ गाड़ियों को मौके पर भेजा गया।आग जिस दुकान में लगी थी, उसमें स्टील के बर्तनों के साथ-साथ प्लास्टिक के सामान भी थे। इसमें स्टोर भी बना हुआ था। प्लास्टिक के सामानों की वजह से आग तेजी से फैली और दुकान में रखा पूरा सामान जलकर खाक हो गया। फिलहाल दमकल विभाग कूलिंग ऑपरेशन चला रही है।

दिल्ली की दो अलग-अलग दुकानों में आग लगी, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बृहस्पतिवार को सुबह आग लगने की दो अलग-अलग घटनाएं हुईं जिनमें दुकानें जल गईं लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, पहली घटना पश्चिमी दिल्ली के रघुबीर नगर इलाके की है जहां सुबह करीब पौने आठ बजे एक दुकान में आग लग गई। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल की कुल 10 गाडियों को मौके पर भेजा गया। फिलहाल, आग बुझाने का काम जारी है। अधिकारियों के मुताबिक, आग लगने की दूसरी घटना उत्तरी दिल्ली के बाड़ा हिंदू राव इलाके में एक टायर की दुकान पर हुई। उन्होंने बताया कि दमकल विभाग को सुबह आठ बजे आग लगने की सूचना मिली जिसके बाद दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर सुबह नौ बजकर 20 मिनट तक काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि दोनों घटनाओं में कोई हताहत नहीं हुआ।

व्हिस्की की बोतल में मिली कोकीन, तंजानियाई कर रहा था तस्करी

नई दिल्ली, एजेंसी। व्हिस्की की बोतल में कोकीन की तस्करी करने के मामले में आईजीआई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग/डीआरआई की टीम ने बुधवार को खुलासा करते हुए तस्कर को गिरफ्तार किया है। साथ ही शराब में घुले मिली कोकीन को बड़ी मात्रा में बरामद किया गया है। जिसकी कीमत कई करोड़ में बताई जा रही है। कस्टम अधिकारियों ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि अदीस अबाबा से आया एक तंजानिया का नागरिक जब ग्रीन चैनल पर पहुंचा, तभी डीआरआई की टीम को शक हुआ। जिसके बाद उससे जानकारी ली गई कि क्या वह ड्रग्स लेकर आ रहा है, लेकिन उसके पास से ड्रग्स नहीं मिला। आरोपित के कब्जे से तीन व्हिस्की की बोतल मिली। वहीं, व्हिस्की की बोतलों की जांच करने पर असामान्य रूप से कुछ चिपचिपा पदार्थ नजर आया। जिसके बाद कस्टम की टीम ने एयरपोर्ट पर तैनात किए गए के9 डॉग स्क्वाड की टीम को बुलाया और जब उस टीम ने छानबीन की तो बोतल के अंदर ड्रग्स होने का संकेत मिला। टेस्टिंग किट से जांच करने पर उसमें से कोकीन बरामद हुआ। जिसे शराब में मिलाकर नए तरीके से तस्करी करके भारत लाया गया था। बरामद की गई कोकीन की इंटरनेशनल मार्केट में कीमत करोड़ों की है। पूछताछ में पता चला कि शराब में कोकीन इसलिए मिलाकर लाई गई थी, क्योंकि उससे कस्टम द्वारा पकड़े जाने की संभावना कम थी। बाद में शराब से कोकीन को आसानी से अलग किया जा सकता है, इसीलिए इस ड्रग तस्कर ने इस नए तरीके से विदेश से कोकीन की तस्करी करके भारत में लाने की कोशिश की।

पहलवानों के साथ आए रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को लेकर जंतर मंतर पर खिलाड़ियों का धरना पांचवें दिन भी जारी है। धरने पर बैठे पहलवानों को राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के अध्यक्ष जयंत चौधरी का भी साथ मिला है। गुरुवार को पहलवानों का समर्थन करने वे स्वयं धरना स्थल पर पहुंचे। इस दौरान जयंत चौधरी ने कहा कि सरकार को तीन महीने पहले ही खिलाड़ियों की बात माननी चाहिए थी। अब इस मामले में तुरंत केस दर्ज होना चाहिए। गुरुवार को हरियाणा से कई खाप पंचायत के सदस्य भी जंतर मंतर पर धरना दे रहे खिलाड़ियों का समर्थन करने पहुंचे। चौधरी ने कहा कि जबतक बृजभूषण शरण के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं होती, तबतक मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हो सकती है। पहले पुलिस उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करे। फिर जांच करती रहे। पुलिस को तत्काल एफआईआर दर्ज करनी चाहिए। आगे उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एक तरफ ह्यबेटी बचाओ बेटी पढ़ाओह्व की बात करती है, लेकिन आज बेटियों के साथ जो हुआ है, उस पर सरकार चुप्पी साधे हुए हैं। कोई भी सरकार का मंत्री इनसे मिलने के लिए नहीं आ रहा है। उल्लेखनीय है कि जंतर मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों को हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का भी समर्थन मिल चुका है। जयंत चौधरी ने खुद धरना स्थल पर बैठकर पहलवानों से बातचीत की और साथ खड़े होने का आश्वासन दिया।

खुले में घूम रही गायों को पशु वाहन द्वारा गौशाला भेजा

नई दिल्ली, एजेंसी। कई बार पालन पोषण करने वाले लोगों द्वारा गैर जिम्मेदाराना तरीके से इनको छोड़ दिया जाता है, जिसकी वजह से अक्सर राहगीर और आम लोग दुर्घटना का शिकार भी हो जाते हैं. अब इसको लेकर दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज द्वारा एक अच्छी पहल की गई है. दरअसल दिल्ली के डीडीए कालकाजी और अलकनंदा क्षेत्र में खुले में घूम रही गायों को पशु वाहन द्वारा गौशाला भेजा गया. यहां पर उनकी अच्छी तरह से देखभाल करने का निर्देश दिया गया है.

स्वास्थ्य मंत्री के आदेश पर बड़ी पहल

बता दें कि दिल्ली के कई इलाकों में लोगों की शिकायत रहती है कि बेघर पड़े इन गायों और अन्य जानवरों की सुध लेने वाला कोई नहीं रहता, इन्हें आवारा सड़कों पर छोड़ दिया जाता है. ऐसे में कई बार जब पशुओं को समय पर खाना-पीना और देखभाल नहीं किया जाता है, तो वो हमलावर हो जाते हैं. अक्सर कई आम नागरिक इनके गुस्से का शिकार होते हैं. लगातार ऐसी शिकायतों के बढ़ने से स्वास्थ्य मंत्री आदेश में डीडीए कालकाजी और अलकनंदा क्षेत्र में खुले में घुम रहे गायों को सरकारी पशु वाहन द्वारा गौशाला भेजा गया.

नजफगढ़ गौशाला की अच्छी पहल

गौरतलब है कि दी नजफगढ़ सोसाइटी गौशाला दिल्ली के संचालक उमेश भारद्वाज ने एबीपी लाइव से बातचीत की. उन्होंने बताया कि आसपास के 100 से अधिक ग्रामीण क्षेत्र और 4 शाखाएं मिलाकर उनके गौशाला में 11 हजार से अधिक गायों की अच्छी तरह से देखभाल किया जाता है.

'चौथी पास राजा' को देना होगा हिसाब, जनता की कमाई ऐशो आराम पर उड़ाई : आप

एनसीआर समाचार

बीजेपी के खिलाफ आप का विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी देश के चौथी पास राजा के ऐशो आराम पर उड़ाई जा रही जनता की गाढ़ी कमाई के खिलाफ शुक्रवार को विशाल विरोध करेगी और इसका हिसाब मांगेगी. आप ने दिल्ली और देश के लोगों से भी इस विशाल विरोध प्रदर्शन में शामिल होने का आह्वान किया है. राज्यसभा सभा सदस्य राघव चड्ढा का कहना है कि देश के करदाताओं के टैक्स का पैसा चौथी पास राजा के ऐशो आराम पर उड़ाया जा रहा है. राजा के लिए 1300 करोड़ से नया महल बन रहा है. राजा के निवास के एक छोटे से हिस्से का सौंदर्यीकरण करने में 90 करोड़ रुपए खर्च कर दिए गए.

दिल्ली सरकार की तरफ से जारी प्रेस नोट के मुताबिक राघव चड्ढा ने कहा कि राजा ने अपने लिए 8400 करोड़ रुपए का एक हवाई जहाज भी खरीदा है. राजा ने अपने दोस्त को बिजली, कोयला, सी-पोर्ट व एयरपोर्ट सब दे दिया. नतीजा यह है कि देश की जनता महंगाई से त्राहिमाम कर रही है. यह राजा की देन है कि आज लोगों को आधार कार्ड की जगह उधार कार्ड की जरूरत पड़ गई है. आम आदमी पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस वार्ता के दौरान आप के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने चौथी पास राजा के ऐशो-आराम पर देश की जनता की उड़ाई जा रही गाढ़ी कमाई को विस्तार से बताया.

बिना नाम लिए राघव चड्ढा का भाजपा पर हमला

राघव चड्ढा ने कहा कि चौथी पास राजा ने देश के टैक्स दाताओं का पैसा अपने ऐशो आराम में उड़ाया है. आम आदमी पार्टी शुक्रवार (कल) को विशाल विरोध प्रदर्शन कर चौथी पास राजा के ऐशो आराम पर खर्च हुई जनता की गाढ़ी कमाई का हिसाब मांगेगी. सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि देश के चौथी पास राजा के लिए बनाए जा रहे महल पर जितना पैसा खर्च किया जा रहा है, उतना तो शाहजहां ने भी ताजमहल बनाने पर नहीं खर्च किया होगा. अनुमान है कि चौथी पास राजा के लिए बन रहे महल पर देश की जनता की गाढ़ी कमाई के करीब 1300 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं. चौथी पास राजा जब दुनिया भर में भ्रमण करते हैं, तब 8400 करोड़ रुपए के आलीशान जहाज में सफर करते हैं.

इस 8400 करोड़ रुपए का जहाज देश की जनता के पैसे से खरीदा गया है. चौथी पास राजा के विदेशी दौरों पर देश के करदाताओं का करीब 1500 करोड़ रुपए खर्च किया गया. चौथी पास राजा के घर के एक छोटे से हिस्से के सौंदर्यीकरण पर 90 करोड़ रुपए खर्च किए गए. राघव चड्ढा ने कहा कि देश के चौथी पास राजा जब कर्नाटक में आईआईटी का उद्घाटन करने पहुंचे तो एक घंटे के उद्घाटन कार्यक्रम के लिए 10 करोड़ रुपए खर्च किए गए. इसी तरह, जब वे एक दिन के योग कार्यक्रम के लिए कर्नाटक गए तब 56 करोड़ रुपए कार्यक्रम के आयोजन और उनके ऐशो आराम पर खर्च किया गया. चौथी पास राजा की यह ऐश और मौज की जिंदगी है.

शुक्रवार को आप का विरोध प्रदर्शन

किस तरह देश का पैसा चौथी पास राजा के ऐशो आराम पर लुटाया जा रहा है, यह इसकी कहानी बयां करता है. देश के आम आदमी के खून-पसीने की कमाई को चौथी पास राजा के ऐशो आराम पर किए जा रहे खर्च के खिलाफ आम आदमी पार्टी कल व्यापक प्रदर्शन करेगी. आप सांसद ने कहा कि चौथी पास राजा को इस देश के एक छोटे से सूबे के मुख्यमंत्री से बहुत डर भी लगता है. क्योंकि इस छोटे से सूबे मुख्यमंत्री बहुत पढ़े-लिखे हैं और अपने सूबे में खूब तरक्की कर रहे हैं. सूबे की जनता मुख्यमंत्री के काम से बहुत खुश है और वाहवाही करती है.

इस छोटे से सूबे के छोटे से मुख्यमंत्री ने चौथी पास राजा की नाक के नीचे रह कर बहुत सुंदर मोहल्ला क्लीनिक बनाए, जहां लोगों का पूरी तरह मुफ्त और शानदार इलाज होता है. इसी मुख्यमंत्री ने अपने सूबे में आलिशान स्कूल बनाएं, जहां गरीब से गरीब आदमी के बच्चे को विश्वस्तरीय शिक्षा मिलती है. इस मुख्यमंत्री ने अपने सूबे में मुफ्त बिजली-पानी दिया है और लोगों को एक सम्मानजनक जीवन जीने का बेहतरीन अवसर प्रदान की है. शायद इसीलिए चौथी पास राजा को सबसे पढ़े-लिखे मुख्यमंत्री से डर लगता है. इसी के चलते चौथी पास राजा आज एक छोटे से सूबे के मुख्यमंत्री के पीछे हाथ धोकर पड़ा है.

राघव चड्ढा ने महंगाई समेत कई मुद्दे उठाए

राघव चड्ढा ने बताया कि चौथी पास राजा ने अपने एक खास दोस्त के जरिए हजारों लाखों करोड़ रुपए कमाए हैं. उसने अपने दोस्त को बिजली, कोयला, सी-पोर्ट व एयरपोर्ट समेत कई सारे ठेके दे दिए. इसी का परिणाम है कि आज देशभर में बिजली महंगी होती जा रही है और महंगाई बढ़ती जा रही है.महंगाई के चलते देशभर में जनता त्राहिमाम कर रही है. जब चौथी पास राजा देश का राजा नहीं बना था, तब पेट्रोल 55 रुपए प्रति लीटर था और आज 100 है. इसी तरह, पहले डीजल 45 रुपए प्रति लीटर था, जो आज 90 रुपए है, दूध 36 रुपए प्रति लीटर था और आज 60 है, सीएनजी गैस 40 रुपए प्रति किलो थी और आज 80 रुपए है, रसोई गैस 400 रुपए प्रति सिलेंडर था और आज 1100 रुपए है.

काशी विश्वनाथ जैसा बनना चाहिए बांके बिहारी का धाम : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी ने मथुरा नगर निगम के लिए जनता से मांगा पूर्ण बहुमत

मथुरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को मथुरा के सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज मैदान में रैली कर नगर निकाय चुनाव में भाजपा को जिताने की अपील की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं यहां एक बार फिर ट्रिपल इंजन की सरकार के लिए आप सभी से अपील करने आया हूं।

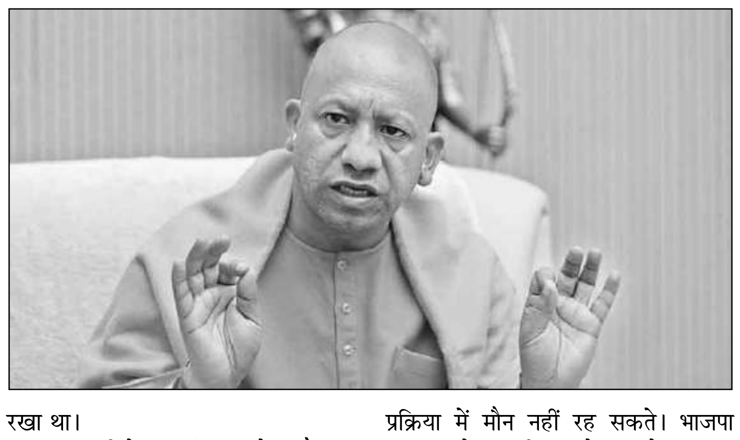

काशी विश्वनाथ जैसा बनना चाहिए बांके बिहारी का धाम

मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निगम बनने के बाद अब मथुरा के नवनिर्माण की दिशा में कार्य हो रहे हैं। जैसे काशी में काशी विश्वनाथ धाम बन गया। ऐसे ही बांके बिहारी के धाम का कार्य आगे बढ़ना चाहिए। हमें बरसाना, गोकुल, गोवर्धन को उसके पुरातन स्वरूप जैसी भव्यता देना है। ये हम सबकी जिम्मेदारी है। योगी ने कहा कि आजादी के बाद से विभिन्न सरकारों के कार्यकाल में लचर और भ्रष्टाचारयुक्त व्यवस्था ने मथुरा के विकास को रोक के रखा था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि हमारी सरकार ने 2017 में मथुरा-वृंदावन नगर निगम का गठन किया। ब्रज तीर्थ विकास परिषद का गठन करके यहां के समग्र विकास की कार्य योजना को आगे बढ़ाने का काम किया गया है। आज भारत बदल चुका है, तो हम भी बदलाव की इस प्रक्रिया में मौन नहीं रह सकते। भाजपा सरकार में काशी, अयोध्या, केदारनाथ, महाकाल का पुनरोद्धार हो रहा है। ये नया भारत है। इस नये भारत के सामर्थ्य के साथ हमें यूपी के सामर्थ्य को जोड़ना है।

बिना भेदभाव विकास कार्यों को आगे बढ़ाया

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने बिना भेदभाव के विकास कार्यों को आगे बढ़ाया है। 38 हजार से अधिक परिवारों को आवास की सुविधा दी गई। यहां के 20 हजार से अधिक स्ट्रीट वेंडर को स्वनिधि योजना का लाभ मिला है। पहले गरीबों को उजाड़ा जाता था, व्यापारियों से रंगदारी वसूली जाती थी। आज गरीब को मकान और स्वनिधि का लाभ दिया जा रहा है। निराश्रित महिला, दिव्यांगजन, वृद्धजनों को पेंशन की सुविधा का लाभ दिया जा रहा है। 2017 से पहले पार्टी विशेष के लोग तमंचा लेके घूमते थे। आज युवाओं के हाथों में टैबलेट हैं। पहले शोहदों का आतंक होता था, आज सेफ सिटी है।

यहां की पवित्रता के साथ खिलवाड़ करने की अनुमति किसी को नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि जवाहरबाग कभी गुंडागर्दी का अड्डा बना हुआ था। आज स्थिति आप सबके सामने है। पहले कोसीकलां में दंगा होता था। आज यहां पेप्सिको का प्लांट लग चुका है। जिस मथुरा-वृंदावन में कभी मांस-मदिरा की बिक्री होती थी, हमने उसपर पूरी तरह से रोक लगा दी। यहां की पवित्रता के साथ खिलवाड़ करने की अनुमति किसी को भी नहीं दी जा सकती।

दिखाई देगी द्वापर युग की भव्यता और दिव्यता

आज तीर्थ स्थल घोषित होते ही यहां बड़े स्तर पर कार्ययोजना के साथ काम हो रहा है। 84 कोसी परिक्रमा केवल अयोध्या में ही नहीं ब्रज में भी होने जा रही है। इस समय ब्रज क्षेत्र के विकास के लिए 32 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं। जब ये जमीन पर दिखाई देने लगेंगी, उस दिन यहां द्वापर युग जैसी भव्यता और दिव्यता दिखेगी। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, सांसद हेमा मालिनी, मथुरा से महापौर पद प्रत्याशी विनोद अग्रवाल सहित सभी नगर पालिका और नगर पंचायत के चेयरमैन पद प्रत्याशी और वार्ड से पार्षद प्रत्याशी मौजूद रहे।

सुरेश खन्ना ने मतदाताओं से की अपील, वोट जरूर डालें

शाहजहांपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में होने वाले नगर निकाय चुनाव के लिए सभी पार्टियां तैयारियां कर रही है। भारतीय जनता पार्टी भी जनसभाओं को संबोधित कर रहे है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लेकर उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री सभी जनता को संबोधित कर रहे है और उनसे बातचीत कर रहे है। इसी को लेकर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने मतदाताओं से अपील की है कि, वे नगर निकाय चुनाव में संजीदगी से हिस्सा लें और अपने मताधिकार का प्रयोग जरूर करें। बता दें कि, सुरेश खन्ना ने तिलहर नगर पालिका परिषद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी निर्मला गुप्ता के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करने के मौके पर आज यानी गुरुवार को कार्यकताओं को जीत का मंत्र देते हुए कहा कि, चुनाव जीतने के लिए तीन बातों का महत्व सबसे ज्यादा होता है, चुनाव निशान का ज्यादा से ज्यादा प्रचार करना,घर घर जाकर हर व्यक्ति से मिलकर वोट की अपील करना और तीसरा सबसे महत्वपूर्ण पन्ना प्रमुख को होता है। वित्त मंत्री ने कहा कि, पन्ना प्रमुख बना लिया जाए जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों से फोन पर संपर्क हो सके तो फिर जीत हासिल करने में बहुत ज्यादा कठिनाई नहीं होती और इस माध्यम से 15 से 20 परसेंट वोट अपने आप बढ़ जाता है। सुरेश खन्ना ने कहा कि चुनाव वाले दिन सभी लोगों की छुट्टियां होती हैं। छुट्टियों में ज्यादातर लोग कहीं ना कहीं घूमने निकल जाते हैं, ज्यादातर लोग अपनी ससुराल घूमने जाते हैं क्योंकि वहां पर खातिरदारी ज्यादा होती है।

सपा प्रत्याशी के बयान ने मचाई सियासी हलचल

बोलीं-योगी जी भी ठाकुर, में भी ठाकुर, उनका आशीर्वाद मेरे साथ

रामपुर, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम खान को अदालत द्वारा 2 वर्ष की सजा सुनाए जाने के बाद खाली हुई। रामपुर की स्वार विधानसभा सीट पर उपचुनाव चल रहा है। समाजवादी पार्टी की प्रतियाशी अनुराधा चौहान ने एक अजीबोगरीब बयान देकर चुनाव प्रचार में हलचल पैदा कर दी हैं उन्होंने मुख्यमंत्री योगी जी को लेकर कहा कि "वह भी ठाकुर हैं, मैं भी ठाकुर हूं वह मेरे बड़े भाई हैं, उनका मन जरूर मुझे आशीर्वाद देने के लिए करेगा"। समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी के मुख से निकले यह बोल राजनीति में हलचल पैदा करने के लिए काफी थे। सपा प्रत्याशी

अनुराधा चौहान ने मीडिया से बात करते हुए कहा मेरा चुनाव प्रचार बहुत अच्छा चल रहा है और मेरे क्षेत्र की पूरी जनता मुझे लड़ा रही है हर जाति हर वर्ग। इस बार बीजेपी ने एनडीए गठबंधन अपना दल से शफीक अहमद अंसारी को चुनाव मैदान में उतारा है तो किस तरह से आप की फाइट रहने वाली है, इस पर सपा प्रत्याशी ने कहा कि मेरी तो किसी से कोई फाइट नहीं है। मैं हमेशा बोलती आ रही हूं मुझे अपने क्षेत्र की जनता के लिए काम करना है और यहां की सेवा करनी है। मैं सभी से यही अपील कर रही हूं कि आप लोग मेरा साथ दें मेरा साहस बने ताकि मैं अपने क्षेत्र में विकास कर सकूं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी ठाकुर है और आप भी ठाकुर बिरादरी से आती हैं तो ऐसे में क्या मुख्यमंत्री का सहयोग आपको मिलेगा? इस पर सपा प्रत्याशी ने कहा, क्यों नहीं मिलेगा मैं उनके समाज से हूं वह भी ठाकुर है मैं भी ठाकुर हूं वह मेरे बड़े भाई हैं उनका मन जरूर मुझे आशीर्वाद देने के लिए करेगा। जिस तरीके से समाजवादी पार्टी पर लगातार कार्यवाही हो रही है और आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम या खुद स्वयं आजम खान पर कार्यवाही हो रहे हैं तो ऐसे में आपको लगता है कि जनपद रामपुर में चुनाव निष्पक्ष होगा? इस पर सपा प्रत्याशी ने कहा कि मेरे ख्याल से तो होना चाहिए क्योंकि प्रशासन भी जानता है कि कोई कौन कितनी मेहनत करता है और उसको उसका फल मिलना चाहिए और जानना चाहिए वह लोग भी बड़ी तपससिया करके अपनी कुर्सी पर बैठते हैं तो हम लोग आज प्रयास कर रहे हैं महनत कर रहे हैं तो उनकी नजरों में मेरी मेहनत जरूर आएगी और मुझे पूरी उम्मीद है कि चुनाव निष्पक्ष हो होगा।

देवसर बाजार में व्याप्त अतिक्रमण हटाने बजरंग दल ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

एनसीआर समाचार

सिंगरौली जिले के देवसर बाजार स्थित चितरंगी चौक से सब्जी मंडी के आगे तक सड़को के दोनो किनारे फैली दुकानों से सड़कें संकीर्ण हो गई हैं। हालत यह है कि हर समय सड़क में जाम लगा रहता है तथा सड़क हादसे की भी संभावना बनी रहती है। इस विकट समस्या को देखते हुए बजरंग दल प्रखंड देवसर ने एसडीएम देवसर को ज्ञापन सौंप कर अति शीघ्र अतिक्रमण से मुक्त कराने की मांग की है। बजरंग दल

प्रखंड देवसर के संयोजक अनुराग द्विवेदी के नेतृत्व में गुरुवार को ज्ञापन सौंपा गया।

उनके साथ, वीरेन्द्र शुक्ला, सूर्यकुमार नामदेव, ओम नारायण पांडे, रामबली रावत, दुर्गेश चतुवेर्दी , शुभम सोनी, संतोष कुशवाहा, सुभम सोनी, इत्यादि लोग मौजूद रहे। दरअसल चितरंगी मार्ग इन दिनों देवसर बाजार का सबसे ब्यस्ततम मार्ग हो चुका है क्योंकि यह मार्ग मोरवा, चितरंगी के अलावा आसपास के कई गावों में जाने के लिए इकलौता सुलभ मार्ग है। ऐसी स्थिति में वाहनों को आवागवन हर समय लगा रहता है। वही व्यापारीगण सड़क के दोनो किनारे तथा सड़कों में भी अपनी दुकान फैलाकर सड़क संकीर्ण कर देते हैं। जिस वजह से अवगवन बाधित होता है। फिलहाल बजरंग दल ने एसडीएम देवसर को ज्ञापन देकर अतिक्रमण हटवाने की मांग की है,एसडीएम ने अति शीघ्र अतिक्रमण मुक्त कराने का आश्वासन दिया है।

कांग्रेस के नगर अध्यथक्ष ने थामा भाजपा का दामन

लखनऊ, एजेंसी। उत्त र प्रदेश नगरीय निकाय चुनाव से ऐन पहले कांग्रेस को झटका देते हुए पार्टी के लखनऊ-दक्षिण नगर अध्यकक्ष दिलप्रीत सिंह बृहस्पततिवार को अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गये। इसके कुछ घंटों बाद कांग्रेस ने सिंह और एक अन्यह नेता अजय श्रीवास्तजव अज्जूस को निष्काअसित कर दिया। पूर्व में, लखनऊ छावनी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ चुके दिलप्रीत सिंह और उनके समर्थक आज प्रदेश के उप मुख्यखमंत्री ब्रजेश पाठक की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हो गये। इसके कुछ घंटों बाद कांग्रेस की अनुशासन समिति के सदस्यज श्यापम किशोर शुक्लाथ के हस्तापक्षर से जारी पत्र में दिलप्रीत सिंह को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में निष्कीसन का आदेश जारी कर दिया गया। पार्टी ने अपने लखनऊ-उत्त र क्षेत्र के नगर अध्य क्ष अजय श्रीवास्तलव उर्फ अज्जू को भी इसी आरोप में बाहर का रास्ताश दिखा दिया है। उप मुख्यशमंत्री ब्रजेश पाठक ने दिलप्रीत सिंह का भाजपा में स्वालगत करते हुए कहा कि सिंह और उनके साथी नगरीय निकाय चुनावों में भाजपा उम्मीशदवारों को जीत दिलायेंगे।

22 जनवरी 2024 को होगी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

रामनवमी के दिन सूर्य की किरने करेगी अभिषेक

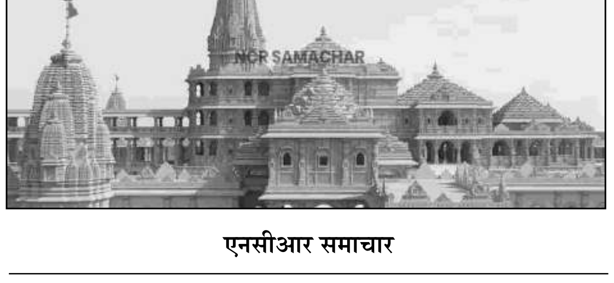

एनसीआर समाचार

श्रीराम के बाल रूप के दर्शन का इंतजार अब बस कुछ ही महीनों में खत्म होने वाला है। जिन लोगों को उनके बाल रूप के दर्शन का बेसब्री से इंतजार है, उनके लिए एक बहुत ही अच्छी खबर सामने आई हैं।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने गर्भ गृह में लाल राम लला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर की तारीख का ऐलान कर दिया है। बता दें कि, 22 जनवरी 2024 को अयोध्या के राम मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी। मिली जानकारी के मुताबिक राम मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक शुक्रवार को शुरू हुई। इसके बाद ही यूपी के मंत्री ने स्कूल के सामने रखा। उन्होंने बताया कि, रामलला की पुरानी और नई दोनों प्रतिमा पर आमंत्रित किया जाएगा। गर्भगृह का निर्माण किस तरीके से किया गया है कि, रामलला की मूर्ति पर रामनवमी के दिन सूर्य की किरने अभिषेक करें। उस दिन 5 मिनट तक सूर्य की किरणें राम लला के ललाट पर रहेगी, जिसे सूर्य तिलक कहा गया है।

आईआईटी कानपुर ने साइबर सुरक्षा कौशल कार्यक्रम शुरू किया

कानपुर (उत्तर प्रदेश), एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के साइबर प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र सी3आईहब ने एनएमआईसीपीए मिशन के तहत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और इसके द्वारा इनक्यूबेटेड स्टार्टअप थ्रेट गार्जियन प्राइवेट लिमिटेड तथा वर्कर यूनियन सपोर्ट के समर्थन से साइबर सुरक्षा कौशल कार्यक्रम की शुरूआत की है।

कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षार्थियों को साइबरस्पेस और साइबर मुद्दों की बुनियादी तकनीकी बातों की गहरी समझ प्रदान करना, रीयल-टाइम साइबर सुरक्षा तकनीकों और विधियों को पेश करना तथा सुरक्षा लागू करने के लिए मॉडल, उपकरण और तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना है।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष विजय सांपला ने लॉन्च समारोह में साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में योगदान और साइबर सुरक्षा क्षेत्र में छात्रों को प्रशिक्षित और सशक्त बनाने के प्रयासों के लिए सी3आईहब की सराहना की।

उन्होंने भारत के राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के तहत विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, इन दिनों, साइबर अपराध सबसे बड़ी समस्या है जिसका हम सामना कर रहे हैं और सी3आईहब सुरक्षित साइबर दुनिया सुनिश्चित करने के लिए अपनी भूमिका निभा रहा है।

सी3आईहब के परियोजना निदेशक, प्रो. मनिंद्र अग्रवाल ने कहा, कार्यक्रम छात्रों को साइबर सुरक्षा के बुनियादी से उन्नत स्तर तक सीखने में मदद करेगा, जो उन्हें भविष्य के लिए तैयार करेगा।

यह प्रोग्राम सी3आईहब इनक्यूबेटेड स्टार्ट-अप्स, थ्रेट गार्जियंस प्राइवेट लिमिटेड और डब्ल्यूयूएस के सहयोग से शुरू किया गया है।

कार्यक्रम सभी छात्रों/पेशेवरों के लिए खुला है, जिसमें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए निःशुल्क नामांकन और अन्य छात्रों के लिए मामूली शुल्क है। साइबर सुरक्षा कौशल कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा, जिससे यह देश में कहीं से भी शिक्षार्थियों के लिए सुलभ हो जाएगा। कार्यक्रम की अवधि आठ सप्ताह (प्रति सप्ताह छह घंटे) की है और इसमें लाइव सत्र, ऑनलाइन असाइनमेंट और प्रैक्टिकल शामिल होंगे। कार्यक्रम के पूरा होने पर, शिक्षार्थियों को सी3आईहब से एक प्रमाणपत्र प्राप्त होगा। टॉप 100 छात्रों को इंटर्नशिप करने का भी मौका मिलेगा।

सी3आईहब साइबर सुरक्षा कौशल कार्यक्रम के कई प्रमुख उद्देश्य हैं। इनमें साइबरस्पेस और साइबर मुद्दों की तकनीकी बुनियादी बातों की गहरी समझ प्रदान करना शामिल है। इसका उद्देश्य नेटवर्क सुरक्षा समाधानों की आवश्यकता को पेश करने के लिए प्रोटोकॉल सूट के संदर्भ में रीयल-टाइम साइबर सुरक्षा तकनीकों और विधियों को पेश करना भी है।

एक नजर

लालू यादव से मिलने पहुंचे अखिलेश, मीडिया से बचते दिखें... लेकिन सोशल मीडिया पर शेयर की फोटो

लखनऊ, एजेंसी। सपा मुखिया अखिलेश यादव दो दिवसीय दिल्ली दौरे पर पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने राजद के नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव से मुलाकात किया। जिसकी फोटो अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। मिली जानकारी के मुताबिक अखिलेश यादव ने गुरुवार को दिल्ली में राजद सांसद मीसा भारती के आवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने राजद सुप्रीमो लालू यादव से मुलाकात की। दोनों की बीच ये मुलाकात करीब 20 मिनट तक चली। सूत्रों के अनुसार इस दौरान सपा प्रमुख ने लालू यादव का स्वास्थ्य हाल जाना। इसके अलावा दोनों नेताओं के बीच विपक्षी गठबंधन को लेकर भी चर्चा हुई। हालांति बाहर निकलने के बाद मीडिया ने सपा प्रमुख से बात करने की कोशिश की लेकिन अखिलेश यादव बिना जवाब दिए ही चले गए। अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से इस मुलाकात की तस्वीर साझा की। तस्वीर में लालू यादव के सामने अखिलेश यादव कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे हैं। सपा प्रमुख के द्वारा तस्वीर शेयर करने के बाद इसे सोशल मीडिया पर यूजर्स ने जमकर शेयर किया। अखिलेश यादव ने तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, "आदरणीय लालू जी से एक 'कुशलक्षेम-मुलाकात'।"

अशरफ के वकील का दावा, फर्जी है वायरल चिट्ठी

प्रयागराज, एजेंसी। पिछले दिनो पुलिस अभिरक्षा में मारे गये अशरफ की सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक चिट्ठी को उसके वकील ने फर्जी करार दिया है। अशरफ के वकील विजय मिश्र ने गुरूवार को कहा कि मीडिया में जो चिट्ठी वायरल हो रही है, वह फर्जी है और वास्तविकता से कोसों दूर है। उन्होंने वायरल चिट्ठी को पढ़ा और देखा है लेकिन वह अशरफ की चिट्ठी नहीं है। उसमें किसी न्यायालय का प्रार्थना पत्र है। उसको मैनिपुलेट करके चलाया जा रहा है। उन्होने कहा कि वायरल हो रहे चिट्ठी में अशरफ ने न्यायालय से पुलिस अभिरक्षा में नहीं देने और वीडियो कांफ्रेसिंग कराने के लिए आदेश पारित करने का अनुरोध किया था। अधिवक्ता ने कहा मैं जब बरेली जेल में अशरफ से मिलने गया था तो उससे चिट्ठी के बारे में पूछा था। इस पर उसने बताया था कि लिफाफे की बात तो सही है। चिट्?ठी कहां है, किसके पास रखी है, इसकी जानकारी मुझे नहीं दी थी। हां, अशरफ ने इतना जरूर कहा था कि अगर उसके साथ कोई घटना होती है या हत्या होती है, तो लिफाफे में बंद चिट्ठी चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया और मुख्यमंत्री को भेज दिया जाये। उन्होंने कहा कि घटना से पहले अतीक अहमद की शाइस्ता परवीन ने एक चिट्ठी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लिखी थी और उनसे सुनवाई वीडियों कांफ्रेसिंग से कराने की अपील की थी।

तेंदुए के बिछड़े बच्चों को उनकी मां से मिलवाया

पीलीभीत (उत्तर प्रदेश), एजेंसी। वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूटीआई) की एक टीम ने पीलीभीत जिले के सूरजपुर गांव में गन्ने के खेत में 36 घंटे से अधिक समय तक अलग रहने के बाद एक तेंदुए और उसके तीन बच्चों को फिर से मिला दिया। अधिकारियों ने कहा कि लगभग एक माह के बच्चे रविवार को फसलों की कटाई के दौरान मजदूरों द्वारा गन्ने के सूखे पत्तों के ढेर के नीचे पाए गए थे। ग्रामीणों ने इसकी सूचना डब्ल्यूटीआई की गांव-आधारित प्राथमिक प्रतिक्रिया टीम को दी। इसके बाद मौके पर पहुंची टीम ने बचाव अभियान शुरू किया। डब्ल्यूटीआई के क्षेत्रीय समन्वयक कुमार नायर ने कहा कि बच्चों को उनकी मां से मिला दिया गया।

किशोरी को अगवा कर दुष्कर्म का आरोपी युवक गिरफ्तार

सहारनपुर (उप्र), एजेंसी। सहारनपुर जिले के गागलहेडी क्षेत्र में एक किशोरी को अगवा कर उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोपी एक युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (देहात क्षेत्र) सागर जैन ने दर्ज रिपोर्ट के हवाले से बृहस्पेतिवार को बताया कि गागलहेडी थाना क्षेत्र के एक गांव में 10 दिन पहले आदिल नामक युवक पर 16 साल की एक लड़की के परिजनों को नशीला पदार्थ खिलाकर इस किशोरी का अपहरण करने और पास के जंगल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म करने का मुकदमा दर्ज किया गया था। उनके अनुसार आरोपी को बुधवार को गिरफ्तार किया गया। जैन ने बताया कि लड़की के परिजन होश में आने के बाद जब उसे तलाश करते हुए जंगल पहुचे जहां किशोरी ने उन्हें बताया कि आदिल ने उसके साथ दुष्कर्म किया। अपर पुलिस अधीक्षक के मुताबिक पुलिस ने परिजन की तहरीर के आधार पर आदिल के खिलाफ भारतीय दण्ड विधान और पॉक्सो अधिनियम की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया और अब वह मामले की जांच कर रही है।

आवारा कुत्तों ने बच्चे को नोच-नोच कर मार डाला

कन्नौज (उत्तर प्रदेश), एजेंसी। कन्नौज जिले में पिता की पिटाई से बचने के लिए घर से भागे 12 वर्षीय बच्चे को आवारा कुत्तों ने नोच-नोच कर मार डाला। घटना का पता तब चला जब बुधवार को बच्चे का शव सुनसान जगह पर मिला। खबरों के मुताबिक, लड़के के पिता ओमकार नशे के आदी हैं और वह अक्सर नशे की हालत में घर लौटते हैं और अपनी पत्नी और बच्चों की पिटाई करते हैं। मंगलवार को उसने अपने बेटे प्रिंस को पीटा, जो घर से भाग गया। बुधवार तक जब प्रिंस घर नहीं लौटा, तो उसकी मां पिंकी ने आस-पड़ोस में तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। बाद में घर से 1000 मीटर की दूरी पर स्थित मकरंदनगर पावर हाउस के पास एक लड़के का शव पड़ा मिला। पुलिस की सूचना पर लड़के की मां मौके पर पहुंची और शव की शिनाख्त अपने बेटे प्रिंस के रूप में की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ऐसा लग रहा था कि बच्चे को आवारा कुत्तों ने नोचा है। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

ईडी ने लखनऊ छात्रवृत्ति घोटाला मामले में 3 को किया गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लखनऊ में करोड़ों की छात्रवृत्ति मामले में तीन लोगों -- इजहार हुसैन जाफरी, अली अब्बास जाफरी और रवि प्रकाश गुप्ता को गिरफ्तार किया है। ईडी ने इससे पहले 16 फरवरी को लखनऊ सहित उत्तर प्रदेश के कई जिलों के 10 शैक्षणिक संस्थानों पर मामले के सिलसिले में छापेमारी की थी। इन संस्थानों और कई अन्य कॉलेजों के बारे में महत्वपूर्ण सबूत जब्त किए गए थे, जो प्रथम दृष्टया अनियमितताओं में शामिल पाए गए थे।ईडी के एक बयान में कहा गया है कि जांच से पता चला है कि ये लोग लखनऊ में हाईगिया ग्रुप ऑफ कॉलेज के तहत घोटाले का संचालन कर रहे थे और छात्रों के रूप में दिखाए गए अपात्र व्यक्तियों के आधार और बैंक विवरण का उपयोग कर धोखाधड़ी से स्कॉलरशिप फंड प्राप्त किया गया। जांच के दौरान यह सामने आया कि इन छात्रों में से कई को अपने नाम पर ऐसी किसी योजना का लाभ उठाने की जानकारी भी नहीं थी। तीनों आरोपियों ने एक पेमेंट्स बैंक के एजेंटों के साथ साजिश रचते हुए छात्रों के खातों से स्कॉलरशिप के फंड को हाईगिया ग्रुप ऑफ कॉलेजों और अन्य लोगों और संस्थानों के बैंक अकाउंट्स में कथित रूप से डायवर्ट कर दिया। जांच में पता चला कि उन्होंने न केवल लाभार्थी छात्रों के बैंक अकाउंट को नियंत्रित किया और अवैध रूप से उनके एटीएम कार्ड, फोन नंबरों को स्व-संचालन के लिए रखा, बल्कि विभिन्न स्थानों पर छात्रों के बैंक खातों से नकद में छात्रवृत्ति राशि के हस्तांतरण और निकासी के लिए एजेंटों और उनकी माइक्रो-एटीएम मशीनों के यूजर आईडी और पासवर्ड का अवैध रूप से उपयोग किया।

हिमाचल प्रदेश देवभूमि की पवित्रता को बनाये रखने के लिए नशे से दूर रहें युवा: राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल

एनसीआर समाचार

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने युवाओं का आहवान किया कि, देवभूमि हिमाचल की पवित्रता को बनाये रखने के लिए नशे से दूर रहें और प्रतिज्ञा लें कि नशा नहीं करेंगे।

राज्यपाल आज सोलन जिले के नौणी स्थित डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय में छात्रों, प्राध्यापकों और कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व, उन्होंने 75 लाख रुपये की लागत से पहाड़ी शैली में निर्मित विश्वविद्यालय के मुख्य प्रवेशद्वार का उद्घाटन किया। उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय की अंतर कालेज खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारम्भ भी किया।

हिमाचल प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. यशवंत सिंह परमार के योगदान को याद करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने हिमाचल के विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य किया। उन्होंने इस संस्थान से जुड़े लोगों से विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि, हिमाचल की सेब राज्य के रूप में देश-विदेश में पहचान है।

शिक्षा, शोध व प्रसार के क्षेत्र में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि

बागवानी व सम्बद्ध क्षेत्रों के विकास में इस विश्वविद्यालय ने सक्रिय भूमिका निभाई है और अपनी स्थापना की प्रासंगिकता को साबित किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को सेब राज्य के रूप में पहचान दिलाने में भी विश्वविद्यालय का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय की शैक्षणिक संस्थानों की अटल रैंकिंग के तहत वर्ष 2021 में इस विश्वविद्यालय को प्रोमिसिंग बैंड में 11वां स्थान प्राप्त हुआ है। वर्ष 2022 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा भी देश के 72 कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिग में इस विश्वविद्यालय को 22वां स्थान प्रदान किया। उन्होंने बधाई देते हुए कहा कि हाल ही में न्यूयॉर्क में आयोजित ग्रीन स्कूल कॉन्फ्रेंस में विश्वविद्यालय को इंटरनेशनल ग्रीन यूनिवर्सिटी अवार्ड-2022 से नवाजा गया है, जो एक बड़ी उपलब्धि है।

शुक्ल ने कहा कि शिक्षण कार्य के साथ-साथ यहां खेलकूद व अन्य गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं और यहां अध्ययनरत लोकेश भनोट और संध्या जैसे छात्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न संस्थाओं द्वारा वित्त-पोषित 99.41 करोड़ रुपये की 89 परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं, जिनमें से 2022-23 में 9.92 करोड़ रुपये की 28 परियोजनाएं प्राप्त की गई हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय को अनुसंधान, नवोन्मेष और तकनीक के माध्यम से किसानों को अच्छी और कम लागत की तकनीक उपलब्ध करवाने पर बल दिया। उन्होंने मौजूदा परिस्थितियों के मद्देनजर वैज्ञानिकों से अपील की कि वे बागवानों को प्राकृतिक कृषि अपनाने के लिए प्रेरित करें।

राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में प्राकृतिक खेती के अंतर्गत कुछ फसलों की उत्पादन विधि का मानकीकरण किया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्राकृतिक खेती के अंतर्गत अन्य फसलों के मॉडल भी तैयार किए जाएं। उन्होंने विश्वविद्यालय के सहयोग से प्रदेश की पहली प्राकृतिक खेती पर आधारित किसान उत्पादकता कम्पनी का गठन करने और इस कम्पनी से ह्यबीह्ल और ह्यसीह्ल ग्रेड के सेब का प्रसंस्करण विश्वविद्यालय में होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक शोध को प्रयोगशालाओं तक सीमित न रखकर इसे बागवानों तथा खेतों तक ले जाने की आवश्यकता है। उन्होंने सघन अनुसंधान की आवश्यकता पर भी बल दिया तथा कहा कि आज के बदलते परिवेश में कार्यों में तेजी व गुणवत्ता लाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए।

इससे पूर्व, राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की नई गतिशील वेबसाइट का शुभारम्भ किया और छः विभिन्न प्रकाशनों का भी विमोचन किया।

डॉ. वाई.एस. परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश्वर सिंह चंदेल ने राज्यपाल को सम्मानित कर उनका स्वागत किया। उन्होंने विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि न केवल विश्वविद्यालय में बल्कि इससे सम्बद्ध चार महाविद्यालयों में 300 विद्यार्थी 17 विभिन्न विषयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय समाज के साथ जुड़कर कार्य कर रहा है।

पद्मश्री विद्यानंद सरैक, विधायक विनोद सुल्तानपुरी और अजय सौलंकी, पूर्व सांसद वीरेंद्र कश्यप, सोलन के उपायुक्त मनमोहन शर्मा, पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र शर्मा, जिला प्रशासन के उच्च अधिकारी, चार महाविद्यालयों से प्रतियोगिता में भाग ले रहे छात्र-छात्राएं, विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

भाजपा प्रत्याशियों को जितवाने के लिए सूबे के मुखिया मैदान में

एनसीआर समाचार

निकाय चुनाव का मौसम चल रहा है। सभी प्रत्याशी अपनी-अपनी ताकत चुनाव में झोंक रहे हैं। जिले के भाजपा प्रत्याशियों को जितवाने के लिए आज सूबे के मुखिया को खुद मैदान में उतरना पड़ गया। शुक्रवार को सीएम जिले में आये और जनता से भाजपा प्रत्याशी को जीतने की अपील की। साथ ही उन्होंने जिले को एयरपोर्ट देने की बात भी कही। सनद रहे इससे पूर्व सीएम ने दुधवा नेशनल पार्क तक 4 लेन देने की बात कही थी, जो उनके जाते ही उनका वादा 4लेन की कल्पना के साथ चला गया। वहीं अब जब बात शहर की गलियों, सफाई की है तो सीएम साहब एयरपोर्ट देने की बात कर रहे हैं। वहीं जनता भी कह रही है पहले शहर में ठीकठाक गालियां, सड़क और राजधानी तक ढंग की ट्रेन ही दे दीजिए। गन्ना का मूल्य चीनी मिलों से मिल जाये तो हवाई यात्रा जैसा सुख हम खुद ही प्राप्त कर लेंगे। बहरहाल सीएम के चेहरे और चुनावी वादे के दम पर भाजपा प्रत्याशी कितने वोट जुटा लेंगे ये तो आने वाला वक्त ही तय करेगा।

हिमाचल प्रदेश चिकित्सा पर्यटन के लिए हिमाचल एक आदर्श गंतव्य- डॉ. शांडिल

एनसीआर समाचार

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल ने आज नई दिल्ली में आयोजित एडवांटेज हेल्थ केयर इंडिया के छठे संस्करण के अंतर्गत संवाद सत्र में भाग लिया। इस सत्र में विभिन्न मंत्रालयों, औद्योगिक क्षेत्र और स्टार्टअप्स से जुड़े विशेषज्ञ एवं हितधारक शामिल हुए।

भारत समूह-20 (जी-20) की अध्यक्षता कर रहा है और इसी परिप्रेक्ष्य में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के साथ मिलकर ह्यवन अर्थ वन हेल्थ, एडवांटेज हेल्थकेयर इंडिया 2023 के इस छठे संस्करण का आयोजन कर रहा है।

आयोजन के दौरान बुधवार सायं मेडिकल वैल्यू ट्रैवल

अवाड्र्स-2023 को संबोधित करते हुए डॉ. शांडिल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में चिकित्सा पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश को प्रकृति ने अपार सौंदर्य से नवाजा है और यहां का शांत एवं स्वच्छ वातावरण भारत में चिकित्सा सेवाओं के लिए आने वाले विभिन्न रोगियों के लिए एक उपयुक्त गंतव्य है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, खान-पान, सुंदर वादियां, खूबसूरत पर्यटन स्थल, मंदिर, गोम्पा व मठ बड़ी संख्या में घरेलू एवं विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा पर्यटन से राज्य की आर्थिकी को बढ़ावा मिलने से यहां के लोगों के लिए बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

उन्होंने स्वास्थ्य एवं देखभाल को बढ़ावा देने के दृष्टिगत इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि पर्यटन को स्वास्थ्य से जोड़ने की यह पहल न केवल चिकित्सा कारणों से यहां आने वाले यात्रियों को लाभ प्रदान करेगी, अपितु विभिन्न राज्यों की आर्थिकी को भी गति देगी।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य भाग लेने वाले देशों के बीच स्वास्थ्य सेवा में सहयोग के अवसर पैदा करने पर बल देना है। यह प्रतिभागियों को दुनिया भर में सहयोगियों के साथ नेटवर्क बनाने, विचारों का आदान-प्रदान करने, संपर्क बढ़ाने और मजबूत व्यावसायिक साझेदारी में सक्षम बनाएगा।

इस सम्मेलन में 125 प्रदर्शक और 70 देशों के लगभग 500 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। सम्मेलन में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, पर्यटन, विदेश, वाणिज्य और उद्योग तथा आयुष मंत्रालय, उद्योग मंचों, स्टार्टअप आदि के प्रमुख वक्ताओं और विशेषज्ञों के साथ संवाद एवं चर्चा भी की गई।

विख्यात न्यूमेरोलॉजिस्ट सिद्धार्थ एस कुमार को किया गया 'अंक विद्या वाचस्पति' से सम्मानित

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेशः देश विदेश के जाने मानें न्यूमेरोलॉजिस्ट सिद्धार्थ एस कुमार को महर्षि पराशर विश्व विद्यापीठ ने "अंक विद्या वाचस्पति" (मानद पीएचडी) से नवाजा है। ये सम्मान उन्हें हाल ही में उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ में राष्ट्रीय ज्योतिष एवम रुद्राक्ष अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित इंटर नेशनल सनातन धर्म एंड एस्ट्रोलॉजिकल समिट 2023 के दौरान प्रदान किया गया।

यह आयोजन लखनऊ के भात खंडे संस्कृति यूनिवर्सिटी में किया गया जिसमे मुख्य अतिथि के तौर पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक मौजूद थे। इस ज्योतिष सम्मेलन में देश दुनिया से बहुत सारे विद्वानों ने शिरकत किया जिनमें आचार्य पंडित के ए दुबे पद्मेश, आचार्य इंदु प्रकाश मिश्रा और संस्था के अध्यक्ष पंकज त्रिवेदी मुख्य रहें।

कुमार ने अंक ज्योतिष को नयी दिशा देने के लिये १० से ज्यादा शोध पत्र का प्रकाशन किया हैं साथ साथ केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालयों में भी उन्होंने अपने शोध पत्र का वाचन भी किया हैं। समय समय पर उन्हें देश विदेश की यूनिवर्सिटीज में व्याख्यान के लिए बुलाया जाता रहता हैं।

खरड़ में भगवान परशुराम जयंती समारोह 30 को होगा आयोजित

एनसीआर समाचार

खरड़ः भगवान परशुराम जयंती समारोह का आयोजन हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भगवान परशुराम भवन में दिनांक 30 अप्रैल 2023 दिन रविवार को मनाया जायगा। यह जानकारी ब्राह्मण सभा खरड़ रजि के प्रधान कमल किशोर शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि समारोह कि शुरूआत सर्व धर्म शांति हेतु हवन जोकि शास्त्री बीरबल धरणी के द्वारा किया जायगा।

इसके उपरांत डॉक्टर शिव कौशल ० उनकी मण्डली द्वारा सूंदरकांड का पाठ किया जायगा। दोपहर 12 बजे भंडारे का आयोजन किया जायगा। उन्होंने नगर निवासियों को सादर निमंत्रण देते हुए परिवार सहित पहुंचकर अपने इष्ट देवता की अराधना में शामिल होने की कृपा करें। उसी दिन भगवान परशुराम के मंदिर का एलिवेशन भी दिखाया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के दोहन और विकास में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित

एनसीआर समाचार

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की उपस्थिति में आज यहां राज्य में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों (एनआरईएस) के दोहन और विकास में सहयोग की रूपरेखा स्थापित करने के लिए प्रदेश सरकार और ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। निदेशक ऊर्जा हरिकेश मीणा ने राज्य सरकार की ओर से और निदेशक (संचालन) पंकज कुमार गोस्वामी ने कंपनी की ओर से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने कहा कि कंपनी द्वारा राज्य के विभिन्न जलाशयों में फ्लोटिंग (तैरते) सोलर पावर प्लांट स्थापित करने तथा ग्राउंड माउंटेड सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने की संभावनाएं तलाशी जाएंगी। उन्होंने कहा कि ओआईएल पायलट आधार पर ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया के उत्पादन के लिए एक संयंत्र भी स्थापित कर सकता

है। उन्होंने कहा कि हिमाचल में हरित ऊर्जा उत्पादन की अधिकता के साथ हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के अपार अवसर विद्यमान हैं तथा सरकार ने इस क्षमता का दोहन करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं।

उन्होंने कंपनी के अधिकारियों को अगले सप्ताह विशेषज्ञों की एक टीम भेजकर इन परियोजनाओं को लागू करने के लिए स्थलों का निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा के लिए 26 मई, 2023 को एक समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने कंपनी से यह परियोजनाएं स्थापित करने में अनावश्यक देरी से बचने को कहा। उन्होंने कहा कि यह समझौता 31 मार्च, 2026 तक हिमाचल को भारत का पहला हरित ऊर्जा राज्य बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार और ऑयल इंडिया लिमिटेड के बीच सहयोग से सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, संपीड़ित (कम्प्रैस्ड) बायो-गैस, भूतापीय ऊर्जा और पवन ऊर्जा सहित विभिन्न नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोत (एनआरईएस) प्रौद्योगिकी को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी राज्य में नई परियोजनाओं की स्थापना में भी मदद करेगी और इससे रोजगार के अवसर सृजित होंगे तथा क्षेत्र के समग्र आर्थिक विकास में बहुमूल्य योगदान मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि यह समझौता ज्ञापन राज्य के ऊर्जा क्षेत्र के विकास को विशेष तौर पर बढ़ावा देगा और राज्य के ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होगा। उन्होंने एक स्वच्छ और हरित राज्य की स्थापना में सरकार के दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए ऑयल इंडिया लिमिटेड के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह साझेदारी आपसी अभिसरण और सहयोग की दृष्टि से एक बेहतर अवसर है। इससे राज्य में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी को लागू करने, अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने और एक स्थायी और लचीली ऊर्जा प्रणाली बनाने में सहायता मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समझौता हिमाचल में सतत विकास को बढ़ावा देने और इसे देश का पहला हरित ऊर्जा राज्य बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दोनों साझेदारों के मध्य ऊर्जा अभिसरण प्रदेश के विकास और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेगा।

इस अवसर पर उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान, मुख्य संसदीय सचिव सुंदर सिंह ठाकुर, ऑयल इंडिया लिमिटेड के मुख्य प्रबंध निदेशक डॉ. रंजीत रथ, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार राम सुभग सिंह, मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव भरत खेड़ा, सचिव एमपीपी एंड पावर राजीव शर्मा, मुख्यमंत्री के ओएसडी गोपाल शर्मा, निदेशक कार्मिक एवं वित्त, एचपीपीसीएल डॉ. अमित कुमार शर्मा, सीईओ हिमऊर्जा शुभ करण सिंह और ऑयल इंडिया लिमिटेड के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एक नजर

रक्तदान शिविर का आयोजन, 36 यूनिट रक्त संग्रहण

एनसीआर समाचार

सुरत्तगढ़ः मारवाड़ी युवा मंच कॉटन सिटी शाखा सूरतगढ़ द्वारा आज 29 अप्रैल 2023 को मैत्री ब्लड बैंक सूरतगढ़ में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

शाखा के रक्तदान संयोजक राजेश बंजारा ने बताया कि इस शिविर का सादगीपूर्ण उद्घाटन निवर्तमान राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट पवन कुमार सोमानी, कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण राष्ट्रीय संयोजक डॉ सुनील कुमार, शाखा सचिव शिवचरण उपाध्याय द्वारा किया गया।

शाखा कोषाध्यक्ष नंदकिशोर गोयल, मीडिया प्रभारी शुभम सेकसरिया, मैत्री ब्लड बैंक से बृजेंद्र बिश्नोई, स्टाफ उपस्थित रहे। रक्तवीर युवाओं के साथ-साथ भाटिया आश्रम के विद्यार्थियों ने भी शिविर में रक्तदान कर सहयोग किया।

भाजपा विधायक नारायण कुचे पर अंबाद बाजार समिति चुनाव में पैसे बांटने का आरोप

एनसीआर समाचार

जालना जिले के अंबाद कृषि उपज मंडी समिति चुनाव में पूर्व विधायक संतोष सांबारे व उनके साथियों ने भाजपा की पैसा बांटने की योजना को विफल कर दिया। शिवसेना के पूर्व विधायक संतोष सांबरे ने भाजपा विधायक नारायण कुचे पर अंबाद बाजार समिति चुनाव में पैसे बांटने का आरोप लगाया है। बीजेपी के पैसे बांटने के मंसूबे को पूर्व विधायक संतोष सांबारे और साथियों ने नाकाम कर दिया शिवसैनिक और महाविकास अघाड़ी के पदाधिकारियों ने अंबाद के होटल सुखसागर में धावा बोल दिया और पुलिस को बुला लिया। पूर्व विधायक संतोष सांभरे और विधायक नारायण कुचे के बीच जमकर मारपीट हुई। अंबाद तालुक में हर तरफ चर्चा है पूर्व विधायक संतोष सांबरे द्वारा राशि वितरण की शिकायत जिला पुलिस अधीक्षक एवं जिला निबंधक को की गयी है पूर्व विधायक संतोष सांबारे ने सुखसागर होटल के सभी सीसीटीवी फुटेज की जांच कराने की मांग की है पुलिस की जांच शुरू हुई होटल सुखसागर में भारी संख्या में पुलिस जवानों को तैनात किया गया है।

हिमाचल प्रदेश उप-मुख्यमंत्री ने आईजीएमसी में घटनास्थल का किया दौरा

एनसीआर समाचार

उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने आज इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के नये ओपीडी भवन के कैफेटेरिया में आग लगने की घटना के उपरांत घटनास्थल का दौरा कर महाविद्यालय प्रशासन से इस संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी भी प्रकार का जानी नुकसान नहीं हुआ है। आरंभिक सूचना के अनुसार आईजीएमसी के नये ओपीडी भवन के सबसे ऊपरी मंजिल में संचालित कैफेटेरिया में आज प्रातः लगभग 8.30 बजे रसोई गैस सिलेंडर में लीकेज के कारण आग लगने की यह घटना पेश आई है। उन्होंने कहा कि सूचना प्राप्त होते ही अस्पताल प्रशासन ने तुरन्त अग्निशमन विभाग को सूचित किया और इससे समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने समय रहते आग पर काबू पाने के लिए अग्निशमन विभाग के प्रयासों की सराहना भी की। इस अवसर पर विधायक भवानी सिंह पठानिया, प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष महेश्वर चौहान, आईजीएमसी की प्रधानाचार्य डॉ. सीता ठाकुर सहित चिकित्सा महाविद्यालय प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे ।पस्थित थे।

गांव बखरवा मोदीनगर गाजियाबाद उत्तर प्रदेश में विशाल जागरण बाबा मोहन राम का प्राचीन शिव मंदिर पर आयोजन

एनसीआर समाचार

गांव बखरवा मोदीनगर गाजियाबाद उत्तर प्रदेश में दिनांक 26/4/2023 और रात 9:00 बजे से लेकर सुबह 5:00 बजे तक विशाल जागरण बाबा मोहन राम का प्राचीन शिव मंदिर पर किया गया। मास्टर नानक चंद जागरण टीम ने गांव के सभी लोग वेद प्रकाश भोपाल सिंह सोनू, गुलाब सिंह, ग्राम पंचायत सदस्य परमानंद प्रधान, नरेश कश्यप, धीरज कश्यप, मोनू कश्यप, मनोज धर्मी, प्रजापत, सुनील शिवकुमार, क्षेत्र पंचायत सूरज पाल सिंह, कृष्णपाल कश्यप, सभापति निर्माण समिति ग्राम पंचायत व अमित कश्यप, ग्राम पंचायत सदस्य व, पत्रकार परमानन्द ग्राम पंचायत प्रशासक समिति बखरवा विद्यापुर, रामपाल टेलर मास्टर चौधरी, सतीश, राजकुमार चौधरी, संदीप विद्यापुर, कपिल देव अग्नि सुरक्षा राहुल इलम चंद, कार्यकर्ता मंदिर के मास्टर नानक चंद जागरण टीम के और इनके कलाकार साथी धूमधाम से जागरण मनाया गया।

भारत विकास परिषद शाखा बांदनवाड़ा का दायित्व ग्रहण समारोह हुआ संपन्न

एनसीआर समाचार

बान्दनवाड़ा, भारत विकास परिषद शाखा बांदनवाड़ा का दायित्व ग्रहण समारोह दिनांक 26 अप्रैल 2023 को जतन स्मारक बांदनवाड़ा में संपन्न हुआ। जिसमें मध्य प्रांत राजस्थान के अध्यक्ष गोविंद प्रसाद सोडाणी, प्रांतीय समन्वयक रतनलाल नाहर, रजनीकांत आचार्य, पूर्व अध्यक्ष कैलाश अजमेरा, जिला सचिव शाखा प्रभारी आलोक गुप्ता ने बांदनवाड़ा शाखा के नए सदस्यों एवं पदाधिकारियों को दायित्व ग्रहण करवाया।

इससे पूर्व शाखा सदस्य राधेश्याम शर्मा द्वारा बांदनवाड़ा शाखा के गत वर्ष का संपूर्ण लेखा- जोखा एवं वर्ष भर में किए गए कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष गोविंद प्रसाद सोढ़ानी ने कहा कि शाखा बांदनवाड़ा का कार्य ग्रामीण क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है' शाखा बांदनवाड़ा का विशेष प्रकल्प गोसेवा ने संपूर्ण मध्य प्रांत में अपना विशेष स्थान प्राप्त किया है सभी व्यक्तियों को गौ सेवा जरूर करनी चाहिए जिससे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से हमारे परिवार को फल मिलता है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अपने बच्चों को संस्कारित करें ताकि नई पीढ़ी में समाज सेवा एवं देश प्रेम की भावना जागृत हो ' इस अवसर पर प्रांतीय समन्वयक रजनीकांत आचार्य ने कहां कि भारत विकास परिषद ने समाज सेवा में अति महत्वपूर्ण कार्य किए हैं सेवा और समर्पण का कार्य से समाज को शिक्षित किया है। परिषद के सभी सदस्य अधिक से अधिक समय देकर समाज सेवा करते रहे ' इस मौके पर पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश अजमेरा ने शाखा बांदनवाड़ा द्वारा किए गए कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की एवं निरंतर प्रगति पथ पर चलते रहने का संदेश दिया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के भिनाय खंड कार्यवाह श्री किशन गोपाल परिहार ने संगठन के द्वारा चलाए गए विभिन्न प्रकल्प की जानकारी दी एवं सदस्यों को अधिक से अधिक संघ से जोड़ने का आह्वान किया ' कार्यक्रम के अंत में शाखा के संरक्षक भंवर सिंह राठौड़ द्वारा सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया एवं शाखा को और अधिक मजबूत बनाने एवं निरंतर समाज सेवा करने का संकल्प लिया। शाखा अध्यक्ष प्रिंस कुमार जैन द्वारा सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया एवं शाखा में चलाए गए नए प्रकल्प श्मशान घाट समृद्धिकरण की योजना प्रस्तुत की '

इस कार्यक्रम का संचालन शाखा सदस्य गंगाविशन प्रजापत ने किया। इस अवसर पर शाखा के नेमीचंद सोनी, सचिव त्रिलोक जांगिड़, कोषाध्यक्ष शांतिलाल जैन, दीपक सेन, कुशल मेहता, विश्वदेव कुमावत, कमलेश शर्मा, मुकेश रावत, कैलाश चंद भांबी, अक्षय पीपाड़ा, ललित कुमार जैन, देवेंद्र शर्मा ,सुरेंद्र सिंह, मनीष पीपाड़ा, मुकेश डूंगरवाल, नवल लक्षकार, अक्षय लोढ़ा, बजरंग पुरोहित ,गौरव शर्मा, सुरेंद्र राठौड़, गौरीशंकर छिपा व महिला सदस्य सहित सभी सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम में परिषद के सभी सदस्य गणों को प्रांतीय पदाधिकारियों की ओर से राम दरबार की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया।

जिया खान आत्महत्या मामले में मुंबई की सीबीआई अदालत ने सूरज पंचोली को दी रिहाई

एनसीआर समाचार

मुंबई मुंबई की एक विशेष अदालत ने जिया खान आत्महत्या मामले में शुक्रवार यानी आज सूरज पंचोली को रिहा कर दिया है। न्यायालय ने न्यायालय के इस फैसले पर जिया खान की मां राबिया खान ने ऐतराज जताते हुए इसका विरोध किया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि, सीबीआई ने कोर्ट को हत्या के सबूत दिए ही नहीं।

जिया की मां का कहना है कि, "मैं शुरू से सीबीआई को कह रही हूं कि, मेरी बच्ची को मारा गया है। यह मामला ही हत्या का है। अब सीबीआई ने कोर्ट को सबूत ही नहीं दिए तो कोर्ट इस पर क्या फैसला सुनाएगी। अगर सबूत दिया होता तो फैसला कुछ और होता।"

आपको बता दें कि, जिया खान की आत्महत्या मामले में यह मामला 2019 में शुरू हुआ था। 20 अप्रैल 2023 को इस पर सुनवाई पूरी हुई और करीबन 10 साल बाद मुंबई की एक विशेष सीबीआई अदालत ने इस मामले में अपना फैसला सुनाया है।

जिया खान ने 3 जून 2013 को जुहू के अपने घर में खुदकुशी की थी और इसके लिए सूरज पंचोली पर जिया को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया था। इस मामले में जुहू पुलिस जांच लगातार कर रही थी। जांच के दौरान ही 7 जून 2013 को जिया खान के घर से पुलिस को 6 पन्नों का सुसाइड नोट बरामद हुआ था।

मुंबई पुलिस ने 11 जून 2013 को बॉलीवुड अभिनेता आदित्य पंचोली के बेटे सूरज पंचोली को जिया खुदकुशी मामले में गिरफ्तार कर लिया था। सीबीआई ने आरोप लगाया था कि, मुंबई पुलिस द्वारा जप्त किया गया पत्र जिया ने ही लिखा था।

जांच एजेंसी की माने तो, पत्र में सूरज के साथ जिया के अजीब संबंधों के साथ ही उनके कथित शारीरिक शोषण मानसिक और शारीरिक यातना के बारे में भी बात की गई है, जो उसकी खुदकुशी का कारण था।

हिमाचल प्रदेश में 01 से 15 मई तक चलेगा जल जागरूकता अभियान: उप-मुख्यमंत्री

एनसीआर समाचार

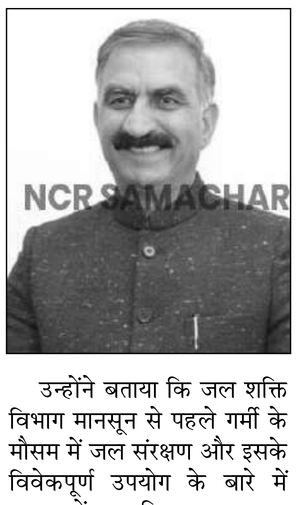

हिमाचल प्रदेश उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने आज यहां बताया कि प्रदेश में 01 मई से 15 मई, 2023 तक जल जागरूकता अभियान चलाया जायेगा, जिसके माध्यम से पंचायत स्तर तक लोगों को जल गुणवत्ता एवं इसके संरक्षण के प्रति जागरूक किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य ग्राम पंचायत एवं ग्राम स्तर पर ग्राम जल स्वच्छता समितियों, स्वयं सहायता समूहों, गैर सरकारी संगठनों तथा विभागीय कर्मचारियों के माध्यम से जल गुणवत्ता एवं जल संरक्षण के प्रति आम जनता को जागरूक करना है। अभियान के दौरान प्रदेश भर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि जल शक्ति विभाग मानसून से पहले गर्मी के मौसम में जल संरक्षण और इसके विवेकपूर्ण उपयोग के बारे में जनता में सामाजिक जागरूकता पैदा करने के दृष्टिगत विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय समुदाय को संवेदनशील बनाएगा और राज्य में जल गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

अभियान के दौरान लैब टैस्ट के माध्यम से सार्वजनिक जल वितरण प्रणाली के 13,670 के नमूनों की जांच की जाएगी तथा डिलीवरी प्वाइंट के अंतर्गत 9037 गांवों में भी प्रत्येक गांव के 2 घरों से पानी के नमूनों की जांच की जाएगी। उन्होंने बताया की फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से 12,975 स्कूलों एवं 13,327 आंगनबाड़ी केंद्रों से भी पानी के नमूनों की जांच की जाएगी।

उन्होंने बताया कि इस अभियान में स्वच्छता सर्वेक्षण के अंतर्गत 27,340 सार्वजनिक जल वितरण क्षेत्रों को कवर किया जा रहा है। इसके अलावा जल जागरूकता पर आधारित जल स्त्रोत यात्रा, स्वच्छता सर्वेक्षण, स्कूल प्रतियोगिताएं, सामूहिक चर्चा, स्वच्छता जागरूकता इत्यादि विभिन्न कार्यक्रम शामिल हैं।

उदयपुर नाथद्वारा नगर के गिरिराज परी कर्मा स्थित दानघाटी मुखारबिंद पर ग्यारस पर होगा भव्य मनोरथ

एनसीआर समाचार

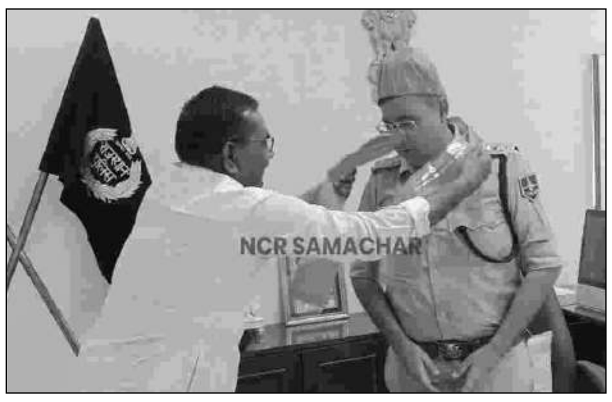

कृष्ण/ राजस्थानः उदयपुर नाथद्वारा वल्लभ समप्रदाय की प्रधान पीठ नाथद्वारा नगर के गिरिराज पर्वत की तलहटी में स्थित दानघाटी मुखारबिंद पर ग्यारस को श्री श्रृंगार सेवा समिति द्वारा गिरिराज मुखारविंद दानघाटी पर भव्य मनोरथ का आयोजन किया जाएगा, जिसको लेकर आज श्रृंगार सेवा समिति के सदस्यों के द्वारा मुखारविंद दानघाटी पर ग्यारस को भव्य मनोरथ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें ठाकुर को विशेष श्रृंगार करवाए जाएंगे साथ ही सेवा समिति द्वारा आने वाले वैष्णव जन सहित लोगों को महा प्रशाद वितरण किया जाएगा। गिरिराज जी की सेवा शदियों से बृजवासी (पाण्डे)सनाढय समाज द्वारा की जाती रही है। यहां पर भी मयार्दा, परंपरा अनुसार सेवा पाण्डे द्वारा ही की जा रही है।

समिति ने ग्यारस के इस भव्य मनोरथ पर जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जी जोशी व नाथद्वारा उप खंड अधिकारी मनमोहन शर्मा का आयोजन समिति के अध्यक्ष कृष्ण कांत सनाढय उपाध्यक्ष अशोक सोनी सचिव लक्ष्मी नारायण कुमावत, ऋषि राज सनाढय, नारायण सिंह, गनपत प्रजापत ने जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी को इस ग्यारस पर होने वाले मनोरथ में पधारने का निमंत्रण दिया गया। इस से पूर्व नाथद्वारा परंपरा अनुसार एकलाई टोपी ओढ़ा कर प्रशाद प्रदान कर समाधान किया गया। साथ ही इस अवसर पर जोशी ने ग्यारस के दिन मुखारविंद पर ठाकुर के दर्शन लाभ मिलना अहोभाग्य बताया। साथ ही आयोजन समिति द्वारा नगर वासियों सहित वैष्णव जन दर्शन लाभ लेने का आह्वान किया गया है। ज्यादा से ज्यादा दर्शन लाभ ले।

एक नजर

मैन्सन की कामधेनु सेना की कार्यकारिणी गठित

एनसीआर समाचार

राष्ट्रीय गौरक्षा समिति कामधेनु सेना के संस्थापक 1008 महाांडलेश्वर हिंदू हृदय सम्राट कुशालगिरी महाराज के आशीर्वाद से कामधेनु सेना के राष्ट्रीय प्रभारी श्रवण सैन एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा कर्नल पार्वती जांगिड़ के आदेशानुसार राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष जोगाराम मैन्सन ने कामधेनु सेना की कार्यकारिणी गठित करते हुए नारायण लाल चौहान को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं कमलेश गर्ग बागरेचा को जालोर जिला कोषाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया। इस दौरान नवनियुक्त पदाधिकारियों ने बताया कि संगठन की तरफ से हमें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है। उसे पुर्ण इमानदारी एवं सत्यनिष्ठा से निभाते हुए गौरक्षार्थ कार्य में हमेशा तत्पर खड़े रहेंगे। इस दौरान कामधेनु सेना के,जालोर जिला प्रचार प्रमुख नितेश गर्ग सहित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने बधाई दी।

बेजुबानों का रखवाला कौन

एनसीआर समाचार

प्रकृति को संजोना सहेज कर रखना हम इंसानों का कृतव्य है। साथ ही पशुओं को भी पर हालात बहुत दयनीय है बात करते हैं। घुमरवीं ज़िला बिलासपुर की जहां गौवंश को सड़कों पर भटकने के लिए छोड़ दिया है। पूरे राजमार्ग पर कन्दरौर से डंगार या कुठेरा सड़क पर लगभग 50 से ज्यादा गौवंश सड़कों पर हैं आये दिन या तो गौवंश दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं या फिर राहगीर गौवंश आयोग भी बना पर काम करता है। किसके लिए करता है कुछ पता नहीं प्रसाशन क्या सरकार भी आँख मूँद कर बैठी है। इन बेजुबानों का सहारा कौन ,इनको भी जीने का अधिकार है इनको भी अच्छा भोजन / घास खाने का अधिकार है पर ये प्लास्टिक और गंदगी खाने को मजबूर हैं। सरकार को कुछ निर्णायक कदम उठाने होंगे साथ ही हमारी समाज की भी नैतिक ज़िम्मेवारी है इनको सड़कों पर ना छोड़े।

मुख्यमंत्री शहरी स्वच्छता संकल्प महाअभियान के तहत स्वच्छता अभियान जारी

एनसीआर समाचार

मकरोनिया नगर परिषद तहत मुख्यमंत्री शहरी स्वच्छता संकल्प महाअभियान के तहत स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें राजाखेड़ी बजरिया चौराहा, मकरोनिया मेन रोड, सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड, आदिनाथ वार्ड, अवंतिबाई वार्ड आदि में सफाई की गई। लोगों से कहा गया कि वे वार्ड को जीरो वेस्ट बना सकते हैं। अभियान में अनेक निवासी सफाई मित्र, सफाई सर्वेक्षक गोविंद रैकवार, शिवम सिंह राजपूत मौजूद रहे।

31 साल के व्यक्ति ने डांग के ट्रायबल बच्चों के लिये बनवाया स्कूल और कॉलेज

एनसीआर समाचार

डांग मे एक टेक्निकल सॉफ्टवेर एंजिनिअर (माहला श्यांमभाई) इन्होंने ने खुद के दम से और कड़ी मेहनत से २०१३ मे कंप्युटर की शॉप वघई में शुरू की और सॉफ्टवेर एंजिनिअर का काम करता था उसके बाद अपना एक ठॠड की शुरू किया। जो (माहला ईजुकैशन एण्ड चेरिटेबल ट्रस्ट) रेजिस्ट्रेशन किया ओर २०१९ मे अपने ही गाव मे बचो के लिए इंग्लिस मिडयम स्कूल हनवतचोंड में शुरू की जिसका नाम स्पोट्र्स स्कूल नाम दिया गया है। जहां पर गांव के और दूसरे ३ स्टेट से बच्चे पढाई कर रहे है। (महाराष्ट्र - हेदराबाद - केरला) और रहने के साथ पूरी फेसिलिटी दि गयी है। २०१९ में जब स्कूल बनाना था तब खुद का घर तोड़ कर स्कूल ४२ दिन में बना दी गई थी। उसके बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी और एक नयी कॉलेज बनाई जो अब र.र. टअल्ळछअ उडछछएॠए के नाम से जानी जाती है।

बीबीसी प्रमुख रिचर्ड शार्प ने दिया इस्तीफा, शार्प के धोखे का हुआ पदार्फाश, मांगी माफी

एनसीआर समाचार

बीबीसी के प्रमुख रिचर्ड शार्प ने आज अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। शार्प के धोखे का एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है। रिचर्ड ने अपना पद ग्रान करने से पहले ही तत्कालीन प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन की कर्ज संबंध में सार्वजनिक नियुक्तियों के नियमों का उल्लंघन करते हुए सहायता की थी। देश की सार्वजनिक संस्था इस मामले की जांच कर रही है। शार्प की 10 फरवरी, 2021 को बीबीसी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त हुई थी।

रिचर्ड ने इस्तीफे पर दी सफाई

रिचर्ड ने अपने इस्तीफे पर कहा, "जो रिपोर्ट शुक्रवार को प्रकाशित हुई थी और जिसमें सार्वजनिक नियुक्तियों के लिए नियमों का उल्लंघन करने करने का मुझ पर आरोप लगाया गया है, ऐसे किसी आरोपों से मेरी नियुक्ति अमान्य नहीं हो जाती है।"

आगे उनका कहना था कि, "इस रिपोर्ट में पूर्व प्रधान मंत्री के लिए ऋण की सुविधा, व्यवस्था या वित्तपोषण का जो उन पर आरोप लगा है, उसमें उनकी कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि, उन्हें कैबिनेट सचिव साइमन केस और सैम बेलीथ के बीच एक बैठक स्थापित करने में अपनी भूमिका का खुलासा करना चाहिए था, जिसमें एक व्यवसायी तत्कालीन पीएम को वित्तीय मदद की पेशकश कर रहा था। ऐसा न करके उन्होंने गलती की है, जिसके लिए वह माफी मांगते हैं।"

इस्तीफे के बाद बीबीसी का ब्यान

शार्प के इस्तीफे पर इइउ बोर्ड ने कहा, हम रिचर्ड के फैसले को स्वीकार करते हैं और समझते हैं। हम रिचर्ड को अपना धन्यवाद देना चाहते हैं, जो एक मूल्यवान और सम्मानित सहयोगी और बीबीसी के एक बहुत प्रभावी अध्यक्ष रहे हैं। बीबीसी बोर्ड का मानना है कि रिचर्ड शार्प ईमानदार व्यक्ति हैं।"

बोर्ड ने आगे कहा, शार्प बीबीसी, उसके मिशन के लिए एक वास्तविक पैरोकार थे, जो देश और विदेश में एक अमूल्य संपत्ति है।"

स्थायी महंगाई राहत शिविर का जिला कलक्टर ने निरीक्षण किया

एनसीआर समाचार

राज्य सरकार के निदेर्शानुसार संगठित होकर राज्य सरकार की 10 प्रमुख योजनाओं का सीधा लाभ आम जनता को मिले। जिला कलक्टर निशांत जैन ने उम्मेदपुर में स्थायी महंगाई राहत शिविर का अवलोकन करते हुए शिविर में कर्मियों को आम जनता को लाभान्वित करने का निर्देश दिया।

आम लोगों से बात करते हुए उन्होंने लोगों से कैंप के बारे में जानकारी ली। शिविर में राजीव गांधी के युवा मित्र कानाराम सिंघल ने राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

हरदोई डीएम मंगला प्रसाद सिंह ने शाहाबाद BNPG कॉलेज का किया निरीक्षण

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश हरदोई जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने 04 मई को मतदान के बाद मतपेटी तथा 13 मई 2023 को होने वाली मतगणना हेतु नगर पालिका परिषद शाहाबाद व नगर पंचायत पिहानी के स्ट्रांग रूम एवं मतगणना के लिए अधिग्रहित इठढॠ कालेज शाहाबाद का सघन निरीक्षण किया।

शाहाबाद में इठढॠ कालेज के निरीक्षण में हरदोई जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने उप जिलाधिकारी धीरेंद्र श्रीवासतव शाहाबाद को निर्देश दिये कि मतगणना के लिए जो टेबिल लगायी जाये।

उनके तथा प्रत्याशियों एवं एजेण्टों के खड़े होने के बीच पर्याप्त जगह रखी जाये और कर्मचारियों आदि के लिए पेयजल एवं शौचालय की समुचित व्यवस्था करायें।निरीक्षण में जिलाधिकारी ने सभी कमरों को देखा तथा तहसीलदार तथा ईओ को निर्देश दिये कि मतगणना कमरों में ही करायें तथा मतपेटी लाने ले जाने तथा प्रत्याशी एवं एजेण्टों का निकास का रास्ता अलग- अलग बनवायें।

उन्होने कहा कि स्ट्रांग रूम बनने वाले कमरों के खिड़की, दरवाजों के अलावा अन्य जो भी स्थान खुला हो उसे बन्द करा दें। इस अवसर पर हरदोई जन सूचना अधिकारी संतोष कुमार तथा शाहाबाद प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार मिश्रा अपने पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

रालोपा नेता बद्री लाल जाट के नेतृत्व में पहलवानों द्वारा जंतर मंतर दिल्ली में चल रहे धरने के समर्थन में जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम का सौंपा ज्ञापन

एनसीआर समाचार

रालोपा सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल के निर्देश पर रालोपा नेता बद्री लाल जाट के नेतृत्व में पहलवानों द्वारा रेसलिंग फेडरेशन बोर्ड के विरुद्ध जंतर मंतर दिल्ली में चल रहे धरने के समर्थन में जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन सौंपा।

देश की राजधानी दिल्ली में स्थित जंतर मंतर पर विश्व के अनेक देशों में भारत का नाम रोशन करने वाले पहलवान आंदोलित है। कुश्ती की महिला खिलाड़ियों द्वारा रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया से जुड़े एक पदाधिकारी पर यौन शौषण जैसे गंभीर आरोप लगाए जा रहे है। बावजूद इसके भारत सरकार इस मामले में चुप है और दुर्भाग्य इस बात का है की बेटियों को बढ़ावा देने की बात कहने वाली सरकार देश के लिए मैडल जितने वाले पहलवानों के आंदोलन को अनदेखा कर रही है। मुकदमा तक दर्ज नहीं होने दिया जा रहा है।

जनवरी में इस मामले को लेकर आंदोलन कर रहे पहलवानों को केंद्र सरकार ने सकारात्मक कार्यवाही करने का आश्वाशन देने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं की गई। देश एक तरफ आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है जबकि दूसरी तरफ न्याय मिलना तो दूर देश के लिए मैडल जितने वाले पहलवानों की मांग पर प्रथम सूचना रिपोर्ट तक दर्ज नहीं की जा रही है जो दुर्भाग्यपूर्ण है। हमारा आपसे अनुरोध है आप इस मामले में व्यक्तिश संज्ञान लेकर हस्तक्षेप करे और भारत सरकार को आंदोलित पहलवानों के साथ न्यायोचित कार्यवाही करने हेतु आवश्यक निर्देश जारी करे।

एक नजर

अलवर के कस्बा कठूमर में महंगाई राहत शिविरों का वहिस्कार लगातार जारी

एनसीआर समाचार

अलवर के कस्बा कठूमर में पंचायत समिति परिसर में ग्राम विकास अधिकारियों एवं सरपंचों द्वारा प्रशासन गांव के संग अभियान एवं महंगाई राहत शिविरों का वहिस्कार लगातार जारी है। इसमें ग्राम विकास अधिकारी संघ ने शासन व सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए 24 अप्रेल से सामूहिक अवकाश पर रहते हुए। पचायत समिति मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना पर है।

ग्राम विकास अधिकारी संघ के ब्लॉक अध्यक्ष गजेंद्र चौधरी,के नेतृत्व में आयोजित धरने में ब्लॉक मंत्री रविंद्र सिंह,अमित कुमार, रामावतार, पाठक, गोपाल चौधरी, यादराम प्रजापत,गोविंद शर्मा,सहित सभी ग्राम विकास अधिकारी की उपस्तिथि मौजूद रही ,ये धरना शांति पूर्ण तरीके से सुचारू रहेगा,इसमें राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ के साथ किए गए लिखित समझौते जो अभी तक लागू नहीं किए गए,एवम सात सूत्री मांग पत्र सहमति के उपरांत आदेश जारी नही करने के विरोध में ये धरना प्रदर्शन जारी रखा जायेगा,और इस धरना प्रदर्शन को अगर नजरंदाज किया गया तो क्षेत्र की जनता भी विरोध में धरना प्रदर्शन में शामिल होने पर कटिबद्ध हो जायेगी,क्योंकि ग्राम विकास अधिकारियों के धरने से आम जनता प्रभावित हो रही है,वतन केसरी समाचार बलदेव चौधरी

दिल्ली के नरेला में प्रॉपर्टी डीलर के दफ्तर में हुई फायरिंग, 3 घायल, आरोपी फरार

एनसीआर समाचार

राजधानी दिल्ली के नरेला में एक प्रॉपर्टी डीलर के दफ्तर घुसकर 3 लोगों ने फायरिंग की, जिसकी वजह से वह घायल हो गए। उसके साथ साथ और भी लोग घायल हुए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, सूचना मिलते ही तुरंत सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। लामपुर गांव के पास गोली चली थी। इस वारदात को अंजाम देने के बाद बाइक पर सवार तीन हमलावर वहां से तुरंत फरार हो गए थे। पुलिस इस मामले की जांच में जुटी हुई है।

तमिलनाडु में एक भाजपा नेता की गाडी रोक कर की गई हत्या

एनसीआर समाचार

तमिलनाडु से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है बता दें कि, तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी के एक नेता की गाड़ी रोककर हत्या कर दी गई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, भाजपा नेता शादी से लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क पर उनकी गाड़ी को रोककर उन पर बम फेंके गए, जिसमें उनकी मौत हो गई। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तमिलनाडु के पूनमलल्ली ने भारतीय जनता पार्टी के पंचायत अध्यक्ष और राज्य अनुसूचित जाति वर्ग के पदाधिकारी पीजी पीपीजी शंकर की बम हत्या कर दी गई। घटना गुरुवार रात की बताई जा रही है, जब वह बलरामपुर ग्राम पंचायत अध्यक्ष जीपीजी शंकर एक शादी से लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि, कुछ अज्ञात हमलावरों ने उनके वाहन को रोका और वाहन पर देसी बम फेंके।

नवनीत गुप्ता ने रक्तदान कर महिला की जान बचाई

एनसीआर समाचार

दतिया के इंदरगढ़ निवासी नवनीत गुप्ता ने रक्तदान कर महिला की जान बचाई है। दरअसल अस्पताल में पीड़ित महिला को अ+ रक्त की नितांत आवश्यकता थी। उसके जान पहचान वालों से संपर्क किया गया। लेकिन रक्त उपलब्ध नहीं हो पाया। बाद में दतिया के लोकप्रिय युवा समाजसेवी युवा गहोई सेना के संस्थापक अभय गुप्ता नेताजी से संपर्क किया गया। उनकी पहल पर नवनीत गुप्ता भैया रक्तदान करने के लिए तैयार हुए। रानू यादव ने चार बार रक्तदान किया। समाजसेवी अभय नेताजी अपने साथ रक्तदाता नवनीत गुप्ता को सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे और रक्तदान कराया। उन्होंने प्रत्येक तीन माह में रक्तदान करने का संकल्प लिया। तथा रक्तदान करते हुए रानू यादव ने रक्तदान करते समय सभी से रक्तदान करनी की अपील की तथा रक्तदान सभी को करना चाहिए इस अवसर पर अंकित श्रीवास्तव,अभय व ब्लड बैंक के कर्मचारी आदि युवा उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत सुदरपुरा शौर्य को नमन कार्यक्रम में ढाढा के 160 शौर्यवीरों का हुआ सम्मान

एनसीआर समाचार

कोटपूतली दिनांक 27.04.2023 गुरुवार को समर्थ कोटपूतली टीम द्वारा क्षेत्र के स्वाभिमानी सैनिकों एवं विभिन्न सुरक्षा बलों से जुड़े सभी वीर जवानों के सम्मान में वीरता को नमन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत सुदारपुरा ढाढा क्षेत्र के 160 वीरों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ग्राम विक्रम सिंह नगर (ढाढ़ा) में शहीद विक्रम सिंह जी की प्रतिमा के समीप किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समर्थ सशक्त कोटपूतली अभियान समन्वयक एवं भाजपा नेता मुकेश गोयल ने इस अवसर पर कहा कि हमारे परिवार के ये वीर देश के विभिन्न सुरक्षा बलों एवं पुलिस बलों में लगातार सेवा दे रहे हैं या इस गरिमापूर्ण सेवा से सेवानिवृत्त हुए हैं. उनके सम्मान में यह शौर्य को नमन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। गोयल ने कहा कि जिन्होंने देश की सेवा में अपना बहुमूल्य समय दिया और अपने परिवार से दूर रहकर अपनी शक्ति, बुद्धि और युवावस्था को राष्ट्र सेवा में समर्पित कर दिया, उससे बड़ा कोई बलिदान नहीं है। गोयल ने कहा कि इस सम्मान समारोह का आयोजन इस उद्देश्य से किया गया है कि आने वाली पीढ़ियां राष्ट्र के साहस, बलिदान, समर्पण और सेवा से प्रेरणा ले सकें.

उन्होंने कहा कि हमारी यह भूमि वीरों की भूमि है, यहां से बड़ी संख्या में लोग सेना एवं विभिन्न सुरक्षा बलों में उल्लेखनीय कार्य कर कोटपूतली क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं. केंद्र में माननीय नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद सैनिकों का मनोबल बढ़ा है क्योंकि केंद्र सरकार ने अब सेना को दुश्मन के खिलाफ कार्रवाई करने की खुली छूट दे दी है। आज भारत हथियारों के मामले में भी आत्मनिर्भर हो गया है। पहले हम दूसरे देशों से आधुनिक हथियार खरीदते थे लेकिन अब भारत भी हथियारों का निर्यात करने लगा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान और अब सूडान में गृहयुद्ध के दौरान भी केंद्र सरकार ने अभियान चलाया और भारतीयों को सुरक्षित घर वापस लाया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त कैप्टन रोटन सिंह ने कहा कि क्षेत्र के वीर जवानों को सम्मानित करने वाला यह कार्यक्रम अपने आप में पहला और अनूठा कार्यक्रम है। इससे उन जवानों का उत्साह बढ़ता है जो अपने परिवार से दूर रहकर सेवा कर रहे हैं। दूसरे विशिष्ट अतिथि राजनाथजी महाराज कंसली ने कहा कि अच्छा काम करने वालों को सम्मानित करने से समाज में सकारात्मकता बढ़ती है और दूसरों को भी प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कार्यक्रम समन्वयक मुकेश गोयल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से देश सेवा करने वाले देशभक्तों के मनोबल को बढ़ाकर उनके आत्मबल को बल मिला है.

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बालाजी मंदिर नदाधाम के श्री बिहारी दास जी महाराज ने कहा कि ग्राम पंचायत सुदारपुरा ढढा के काफी संख्या में लोग पीढ़ी दर पीढ़ी लगातार सेना में कार्यरत रहे हैं. उन्होंने शौर्य को प्रणाम करने के कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को प्रेरणा देते हैं।

जिला पार्षद भोमाराम गुर्जर, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि धर्मपाल गुर्जर, पूर्व सरपंच नारायण शर्मा, मदन सिंह, भीमसिंह तंवर, विकास जांगल ने भी विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद जवानों को अपने अनुभव का लाभ दे सकते हैं. सैनिकों के लिए महिमा लाओ। अनुभव है। समाज। विभिन्न सेवा कार्य और जनकल्याण के कार्य चलते रहें।

उन्होंने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से हमारे वीरों का सम्मान बढ़ेगा और आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी। इससे पूर्व शहीद विक्रम सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर, भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। समारोह में भारतीय सेना और विभिन्न सुरक्षा बलों के 160 बहादुरों, सेवारत और सेवानिवृत्त सैनिकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समन्वय भाजयुमो पश्चिम मंडल अध्यक्ष राजेश सरधना व पूर्व मंडल अध्यक्ष नागेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से किया.

इस मौके पर विक्रम सिंह तंवर, हिम्मत सिंह, बजरंग सिंह, गुलाब सिंह, कृष्ण सिंह, मंडल महासचिव सुरेश चंद शर्मा, विनोद सिंह, जगदीश सिंह, शिंभू सिंह, बहादुर सिंह, मंगू सिंह, सुभाष आर्य, मंगटू सिंह, पूर्व सरपंच नारायण शर्मा, अनुसूचित जाति मोर्चा नगर मंडल अध्यक्ष विजय कुमार आर्य, छतरसिंह, लक्ष्मण सिंह, किशन लाल मीणा, रवि प्रकाश शर्मा, पृथ्वी सिंह, अजीत सिंह चौहान, कैलाश चंद टेलर, विनोद कौशिक, कपिल शर्मा, दिलीप यादव, जितेंद्र यादव, प्रवीण बंसल ,राहुल बड़ी संख्या में सैनिक,अर्धसैनिक एवं विभिन्न सुरक्षा बल एवं सोनी आदि सहित पुलिस बल एवं उनके परिवारजन उपस्थित थे।

रेडीमेड दुकान में चेंजिंग रूम में मिला गुप्त मोबाइल कर रहा था वीडियो रिकॉर्ड

एनसीआर समाचार

थाना चंदूसा को एक नाबालिग लड़की ने अपनी बहन के साथ लिखित शिकायत प्राप्त हुई है कि 26 अप्रैल 2023 को वह एजाज अहमद सोफी पायन स्थित रेडीमेड दुकान पर गई थी। सोफी की रहने वाली कैदी पायन चंदूसा ने कुछ कपड़े चुने और ट्रायल के लिए चेंजिंग रूम में चली गई। चेंजिंग रूम में प्रवेश करने के बाद उन्हें एक छुपा हुआ मोबाइल फोन मिला। जिसे गुप्त रूप से वीडियो रिकॉर्ड करने के लिए रखा गया था। जबकि ग्राहक कपड़े बदल रहे थे।

शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना चंदूसा में आईपीसी, आईटी एकर व पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जांच के दौरान एसएचओ पीएस चंदूसा, इंस्पेक्टर के नेतृत्व में एक टीम। एसडीपीओ क्रीरी की देखरेख में इरफान अहमद, खालिद आराफ-जेकेपीएस का गठन किया गया। आरोपी व्यक्ति यानी बंदी पायन चंदूसा निवासी (दुकान मालिक) एजाज अहमद सोफी पुत्र को तत्काल हिरासत में ले लिया गया. फिलहाल मामले में आरोपियों के मोबाइल भी जब्त कर लिए गए हैं और आगे की कार्रवाई की जा रही है.

राहुल सिंह की पहल से मुस्लिम महिला को मिलेगा न्याय, केस दर्ज

एनसीआर समाचार

बरेली, दर- दर भटकने के बाद बलात्कार पीड़ित महिला को अब इंसाफ मिलेगा। महिला ने करणी सेना के जिलाध्यक्ष से मदद की गुहार लगाई थी। महिला के प्रकरण की पूरी जांच होने के उपरांत थाना किला में मुकदमा दर्ज हुआ है। महिला को बारादरी के रहने वाले शख्स ने शादी का झांसा देकर 3 साल तक शारीरिक उत्पीड़न किया था।

किला थाना क्षेत्र के रहने वाली महिला का कहना है कि बारादरी थाना क्षेत्र के रोहली टोला निवासी मेराज उर्फ पम्मी से उसकी 3 वर्ष पूर्व एक शादी समारोह में मुलाकात हुई थी। मुलाकात के बाद में राज ने पीड़िता के घर आना जाना शुरू कर दिया। अपनी बातों में लेकर पीड़िता की मां से कहा कि वह उससे शादी करना चाहता है। पीड़िता को भी शादी का झांसा दिया। 3 साल तक लगातार उसका शादी का झांसा देकर शारीरिक

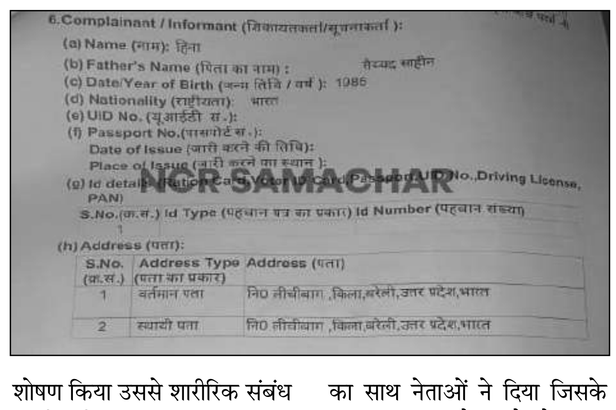

6.Complainant / Informant (शिकायतकर्ता/सूचनाकर्ता):
(a) Name (नाम): हिना
(b) Father's Name (पिता का नाम) : सैय्यद शाहीन
(c) Date/Year of Birth (जन्म तिथि / वर्ष): 1986
(d) Nationality (राष्ट्रीयता): भारत
(e) UID No. (यूआईडी सं.):
(f) Passport No.(पासपोर्ट सं.):
Date of Issue (जारी करने की तिथि):
Place of Issue (जारी करने का स्थान):
(g) Id details (Ration Card, Voter ID Card, Passport, UID No., Driving License, PAN)
S.No.(क्र.सं.) Id Type (पहचान पत्र का प्रकार) Id Number (पहचान संख्या)
(h) Address (पता):

S.No. (क्र.सं.)	Address Type (पता का प्रकार)	Address (पता)
1	वर्तमान पता	नि0 नीचीबाग ,किला,बरेली,उत्तर प्रदेश,भारत
2	स्थायी पता	नि0 नीचीबाग ,किला,बरेली,उत्तर प्रदेश,भारत

शोषण किया उससे शारीरिक संबंध स्थापित किए।

बीती 1 फरवरी तक पीड़िता के साथ मेराज ने शारीरिक संबंध स्थापित किए। 6 फरवरी को जब मेराज की किसी अन्य लड़की से शादी हुई तो पीड़िता को पता चला कि उसके साथ छल कर उसका शारीरिक शोषण किया गया है। पीड़िता ने इसकी शिकायत थाना किला पहुंचकर की और पुलिस के आला अधिकारियों से गुहार लगाई मगर मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। राजनीतिक पहुंच रखने वाले मेराज का साथ नेताओं ने दिया जिसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया।खुद को बचाने पीड़िता की मां के फर्जी हस्ताक्षर कर जो कि अनपढ़ है चेक बुक जारी करा कर उसमें 4,30,000 रुपए का अमाउंट भरा जबकि हस्ताक्षर जाली होने की वजह से वह चेक कैसे नहीं हो पाया।

एक महिला ने जब करनी सेना के जिला अध्यक्ष से मदद की गुहार लगाई तो उन्होंने तत्परता दिखाते हुए थाना किला इंस्पेक्टर को इस बाबत कार्रवाई करने को कहा। थाना किला इंस्पेक्टर द्वारा पूरे प्रकरण में जांच कराई गई तो पता चला कि मेराज ने शादी का झांसा देकर पीड़िता के साथ शारीरिक संबंध स्थापित किए थे। वही जांच पूरी होने के बाद थाना किला में आरोपी मेराज के खिलाफ 376 ,504, 506 आईपीसी की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। वहीं इस मामले में ठाकुर राहुल सिंह का कहना है की फर्जी चेक बुक जारी कर फर्जी हस्ताक्षर कर धोखाधड़ी करने के मामले में भी वह आरोपी मेराज के खिलाफ मुकदमा लिखवाने ने पीड़िता का सहयोग करेंगे।

ठाकुर राहुल सिंह ने बताया कि करणी सेना सिर्फ हिंदुओं के लिए ही नहीं है किसी भी धर्म का आदमी जिसके साथ अन्याय हुआ है करणी सेना उसके साथ खड़ी है उन्होंने पुलिस प्रशासन की तारीफ करते हुए कहा कि योगीराज में सब कुछ सही चल रहा है आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है पीड़िता को इंसाफ मिलेगा।

आईपीएल में सट्टा लगा रहे तीन लोगों को डांग पुलिस ने किया गिरफ्तार

एनसीआर समाचार

डांग जिले के अहवा एलसीबी और सापुतारा पुलिस थाने की संयुक्त टीम ने टाटा आईपीएल मैच पर सट्टा लगाने के आरोप में तीन लोगों को शामगहन गांव से गिरफ्तार किया और कानूनी कार्रवाई की। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भारत में टाटा आईपीएल-2023 का टी-20 क्रिकेट मैच चल रहा है। ऐसे में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाने की गतिविधि चल रही है। एक बड़ा पैमाना ताकि दक्षिण गुजरात में भी ऐसे सट्टेबाजों को ढूंढा जा सके और कानूनी कार्रवाई की जा सके। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सूरत डिवीजन ने डांग जिले के पुलिस प्रमुख रविराज सिंह जडेजा और पुलिस उपाधीक्षक एसजी पाटिल को निर्देश दिए।

डांग जिला पुलिस प्रमुख के निर्देशन व मार्गदर्शन में डांग जिला एलसीबीपीएसआई जयेशभाई वल्वी व सापुतारा थाना थाने के पीएसआई केजे निरंजन की टीम को अलर्ट किया गया। इस बीच, डांग एलसीबीपीएसआई जयेशभाई वल्वी को व्यक्तिगत रूप से सूचित किया जाता है कि मनीष नाम के एक व्यक्ति को अन्य पुरुषों के साथ पकड़ा गया है। सापुतारा थाना क्षेत्र के शामगहन जोगबाड़ी रोड स्थित ग्रीन रिजॉर्ट टेंट में सेशन दर सेशन क्रिकेट पर सट्टा लगाना और मोबाइल फोन और लैपटॉप से रन फेयर पर मैच जीत/हार सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करना।

जिसके आधार पर सापुतारा थाने के एलसीबी स्टाफ व पीएसआई ने 44 साल के मनीष रमेश रंगाभाई टाटा आईपीएल 2020 टूनार्मेंट में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स मैच पर सट्टा लगा रहे थे।

स्कूली बच्चों ने नगर पालिका मकरोनिया द्वारा 3आर पार्क, सी एंड डी प्लांट और ट्रांसफर स्टेशन का किया दौरा

एनसीआर समाचार

मकरोनिया मुख्यमंत्री शहरी स्वच्छता संकल्प अभियान के तहत लगातार सघन सफाई अभियान चल रहा है। नगर पालिका द्वारा मकरोनिया को स्वच्छता अभियान में नंबर वन बनाने के लिए लोगों को मिशन मोड में जागरूक किया जा रहा है। लोगों को मेरा घर मोस्ट ब्यूटीफुल प्रतियोगिता के बारे में बताया गया और स्कूली बच्चों के शिक्षकों सी व डी, एफ.एस.टी.पी. और 3फ पार्क का दौरा किया। कार्यक्रम में स्वच्छता नोडल अधिकारी, उप प्राचार्य, नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी व विद्यालय के अनेक छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

रोजगारोन्मुखी तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार के सशक्त प्रयास

एनसीआर समाचार

हिमाचल प्रदेशः देश के विकास में शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। तकनीकी शिक्षा मुख्यधारा की शिक्षा के अतिरिक्त युवाओं के व्यवहारिक ज्ञान और कौशल में उन्नयन लाती है।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में वर्तमान राज्य सरकार प्रदेश के छात्रों को रोजगारोन्मुखी तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि वे औद्योगिक क्षेत्र की मांग के अनुसार अपने कौशल का विकास कर सकें। जिन क्षेत्रों में रोजगार के अधिक अवसर है उन क्षेत्रों में आवश्यक कौशल विकास के लिए अवसर प्रदान करना जरूरी है।

प्रदेश सरकार ने आगामी शैक्षणिक सत्र से राज्य के युवाओं के लिए नए मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है ताकि तकनीकी गुणवत्ता में सुधार हो सके। शिक्षा को रोजगारोन्मुखी बनाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने घोषणा की है कि प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी संस्थानों में शीघ्र ही रोबोटिक्स, ब्लॉक चेन टैक्नोलॉजी, साइबर सुरक्षा, क्लाउड कंप्यूटिंग डाटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसे पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे जिससे युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।

राज्य के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, घुमारवीं, गरनोटा, नादौन, सुन्नी, शाहपुर, पालमपुर, शमशी, नाहन, जुब्बल, ऊना, पंडोगा, सुन्दरनगर (विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों के लिए) और नालागढ़ में इलैक्ट्रिक व्हीकल मैकेनिक, मेंटिनैंस मैकेनिक, सोलर टैक्निशियन, ड्रोन टैक्निशियन, मैकेट्रोनिक्स और इंटरनेट ऑफ थिंग्स एवं हाईड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज बिलासपुर में बी-टेक कंम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस डाटा साइंस) पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

विश्व बैंक द्वारा एस.टी.आर.आई.वी.ई परियोजना के अंतर्गत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों अर्की, बगस्याड, बरठीं, भोरंज, बिलासपुर (महिला), दीगल, मंडी (महिला), नैहरनपुखर, नूरपुर, सलियाणा, शिमला और ऊना के बुनियादी ढांचे में भी सुधार किए जाने प्रस्तावित हैं। इसके अलावा इस परियोजना के तहत पांच औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों पपलोग, सुन्नी, धर्मशाला, बड़ोह और सुजानपुर में ऑन-ग्रिड सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाएंगे।

इसी क्रम में चयनित इंजीनियरिंग कॉलेजों व बहुतकनीकी संस्थानों में तकनीकी शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए मल्टी डिस्सिप्लिनरी एजुकेशन एंड रिसर्च इम्प्रूवमेंट इन टैक्निकल एजुकेशन परियोजना कार्यान्वित की जाएगी। पहले चरण में अगले पांच वर्षों में चार इंजीनियरिंग महाविद्यालयों और आठ बहुतकनीकी संस्थानों को इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित प्रत्येक इंजीनियरिंग कॉलेज तथा प्रत्येक बहुतकनीकी संस्थान के उन्नयन के लिए क्रमशः 10 करोड़ रुपये तथा 5 करोड़ रुपये प्रदान किए जाएंगे।

संपादकीय

'सुप्रीम दंगल' की नौबत

जिस पहलवान ने कुश्ती के अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में, भारत के लिए, पदक जीते थे, तब वह 'राष्ट्रीय नायक' था। महिला या पुरुष कुछ भी हो सकता है। वह चेहरा भारतीय खिलाड़ी का था। वह किसी भी खेल का प्रतिनिधि हो सकता है, लेकिन जीत के ऐसे लम्हों में हमारा 'तिरंगा' सम्मानित होता है। राष्ट्रगान की धुन बजाई जाती है। देश और प्रधानमंत्री गौरवान्वित महसूस करते हुए तालियां बजाते हैं। रोड शो के जरिए उन खिलाड़ियों का अभिनंदन किया जाता है। उन्हें सम्मानों से नवाजा जाता है और सरकारी नौकरियां भी मुहैया कराई जाती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आवास पर भारत के ऐसे होनहार, पदकवीर खिलाड़ियों को रात्रि-भोज दिया है, यह समूचा देश जानता है। आज वही खिलाड़ी जंतर-मंतर पर धरना दिए बैठे हैं। उनकी आंखों में आंसू हैं, मन में गहरी निराशा है। क्या वे अब देश के लिए 'दंगल' लड़ पाएंगे? क्या प्रधानमंत्री और सरकार के संज्ञान में नहीं है कि महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड? के आरोप लगाए हैं। एक पहलवान तो 16 वर्षीय नाबालिग बताई गई है। सीधा 'पॉक्सो' का केस बनता है और आरोपित व्यक्ति जेल में होना चाहिए था। चूंकि भारतीय कुश्ती संघ का अध्यक्ष, भाजपा का 6 बार का बाहुबली सांसद, ब्रजभूषण शरण सिंह है, लिहाजा मुद्दे को लटकाया, भटकाया जा रहा है।

पुलिस भी प्राथमिकी दर्ज करने में कन्नी काट रही है। बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट, रवि दहिया, साक्षी मलिक, दीपक पूनिया सरीखे चैम्पियन, पदकवीर पहलवानों को दुनिया जानती है। उन्होंने कुश्ती के लिए 'मील-पत्थर' स्थापित किए हैं। दुनिया उनके दंगल की दाद देती रही है। वे यौन-शोषण की शिकार पहलवान-बेटियों की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्हें शर्म आनी चाहिए, जो उनकी जीत पर गर्वोन्मत्त हुए थे। पहलवान-बेटियों को, अंततः, सर्वोच्च अदालत की चौखट तक जाना पड़ा। दुनिया देश पर थू-थू कर रही होगी। देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने भी आरोपों को गंभीर माना है और दिल्ली पुलिस का जवाब तलब किया है। शुक्रवार को शीर्ष अदालत में सुनवाई है। दरअसल बुनियादी सवाल और चिंता खेल की है। खेलों के मामले में भारत अपेक्षाकृत कमजोर है। ऐसे यौन उत्पीड? किए जाएंगे, तो कमोबेश कौन मां-बाप अपनी बेटी को खेलने की इजाजत देगा? ये विश्वविख्यात पहलवान जनवरी, 2023 में भी जंतर-मंतर पर ही बैठे थे, तब उन्होंने खेल मंत्रालय के आश्वासन पर भरोसा करने की गलती की थी। इस अंतराल में मुक्केबाजी की 6 बार की विश्व-चैम्पियन रहीं मैरी कोम की अध्यक्षता वाली कमेटी ने क्या निष्कर्ष तय किए, क्या रपट तैयार की और सच तक पहुंचने की कोशिश की, सब कुछ परदे में है। पहलवान रही और कमेटी की एक सदस्य बबीता फोगाट के रपट पर हस्ताक्षर किस तरह जबरन कराए गए और उनसे रपट भी छीन ली गई, इसका खुलासा उन्होंने ही किया है।

किस एक बात से परेशान हैं बीजेपी-कांग्रेस

सत्तारूढ़ बीजेपी हो या फिर प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस, दोनों अपनों की नाराजगी और असंतोष से परेशान हैं। दिलचस्प बात यह भी है कि आम चुनावों से पहले देश में जितने भी बड़े विधानसभा चुनाव हैं, उनमें तेलंगाना को छोड़ दिया जाए तो हर जगह मुख्य मुकाबला इन्हीं दोनों दलों के बीच है। वैसे मतभेद, असंतोष और गुटबाजी कांग्रेस के लिए कोई नई बात नहीं है, लेकिन बीजेपी में नरेंद्र मोदी के पीएम बनने के बाद से ऐसी प्रवृत्तियां कम हो गई थीं। इधर, वहां भी आलाकमान की पहले जैसी नहीं चल रही।

-मंजरी चतुर्वेदी-

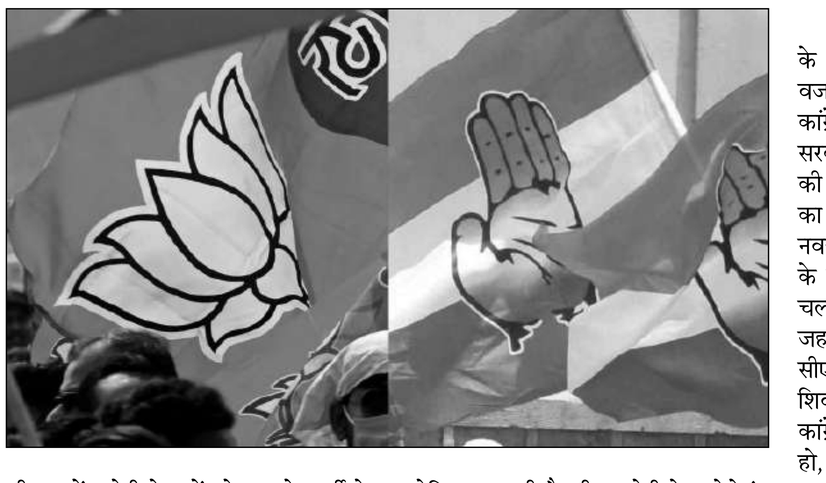

अगले आम चुनाव में भले ही दस महीने से कुछ ज्यादा समय बचा है, लेकिन राजनीतिक दलों के लिए चुनावी चक्र अभी से शुरू हो गया है। इन पार्टियों ने अभी से 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। लेकिन देश के दो सबसे बड़े राष्ट्रीय दल इन चुनावों से पहले एक ही समस्या से जूझ रहे हैं। यह है अपनों की नाराजगी और असंतोष। सत्तारूढ़ बीजेपी हो या फिर प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस, दोनों इससे परेशान हैं। दिलचस्प बात यह भी है कि आम चुनावों से पहले देश में जितने भी बड़े विधानसभा चुनाव हैं, उनमें तेलंगाना को छोड़ दिया जाए तो हर जगह मुख्य मुकाबला इन्हीं दोनों दलों के बीच है। वैसे मतभेद, असंतोष और गुटबाजी कांग्रेस के लिए कोई नई बात नहीं है, लेकिन बीजेपी में नरेंद्र मोदी के पीएम बनने के बाद से ऐसी प्रवृत्तियां कम हो गई थीं। इधर, वहां भी आलाकमान की पहले जैसी नहीं चल रही।

बीजेपी से दूर हो रहे नेता

असंतोष का सबसे बड़ा उदाहरण कर्नाटक में दिख रहा है। वहां काफी समय से हाशिए पर खड़े पूर्व सीएम वाईएस येदियुरप्पा को असेंबली चुनाव से आठ महीने पहले पार्टी ने न सिर्फ संगठन की सबसे ताकतवर इकाई पार्लियामेंट्री बोर्ड में रखा, बल्कि उन्हें चुनाव से ठीक पहले प्रदेश की चुनाव अभियान समिति की कमान भी सौंप दी। प्रदेश के सबसे कद्दावर और सूबे के सबसे बड़े सामाजिक तबके लिंगायतों के निर्विवाद नेता की अहमियत को समझते हुए ही पार्टी ने उन्हें इतनी तवज्जो दी। दरअसल, बीजेपी को अपने परंपरागत लिंगायत वोटों के छिटकने का डर सता रहा था। येदियुरप्पा की उपेक्षा के कारण यह समुदाय बीजेपी से नाराज चल रहा था। इसी तरह, बीजेपी के एक और सीनियर नेता और पांच बार के विधायक केएस ईश्वरप्पा को भी मनाने की कोशिश हुई। हाल ही में उनका टिकट कटा था, जिसके बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन करके पार्टी के प्रति उनकी वफादारी के लिए शुक्रिया कहा।

दरअसल, कुछ दिनों पहले ही टिकट कटने से नाराज एक बड़े लिंगायत नेता और पूर्व डेप्युटी सीएम जगदीश शेट्टार बीजेपी छोड़ कांग्रेस में शामिल हो गए। कहा जा रहा है कि अपना किला बचाने में जी-जान से जुटी बीजेपी शेट्टार के बाद किसी और बड़े नेता के पार्टी छोड़ने का जोखिम नहीं उठाना चाहती। ऐसा ही एक वाकया हिमाचल प्रदेश चुनाव के दौरान भी सामने आया था, जब पीएम मोदी ने एक असंतुष्ट नेता कृपाल परमार को फोन किया था। वह परमार को चुनाव नहीं लड़ने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे थे। तब टिकट काटे जाने से नाराज परमार ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी थी। हालांकि तब पीएम की उन्हें मनाने की कोशिश कामयाब नहीं हुई। बीजेपी की चिंता है कि कर्नाटक के नतीजे अगर अनुकूल नहीं आते हैं तो दूसरे राज्यों में पार्टी के बड़े नेता शीर्ष नेतृत्व की चुनौती बढ़ा सकते हैं। इनमें पहला नाम राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे का आता है। पार्टी उन्हें इस बार नेता के तौर पर आगे बढ़ाने के लिए तैयार नहीं है, लेकिन राजस्थान में वसुंधरा राजे को नाराज कर चलना मुश्किल होगा। वैसे, बीजेपी प्रदेश में गजेंद्र सिंह शेखावत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है। पीएम मोदी के भरोसेमंद सीपी जोशी को भी प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है, लेकिन वसुंधरा हर लिहाज से दोनों पर भारी पड़ती हैं। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि बीजेपी का शीर्ष नेतृत्व उन्हें कैसे साधता है।

उधर, छत्तीसगढ़ में पूर्व सीएम रमन सिंह और राष्ट्रीय नेतृत्व के बीच खींचतान जारी है। सिंह को भले ही राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बना दिया गया हो, लेकिन टॉप लीडरशिप उनके पक्ष में नहीं है। केंद्र ने कुछ महीने पहले आगामी चुनाव को ध्यान में रखते हुए वहां प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बदले। साहू समाज से आने वाले अरुण साव को जहां प्रदेश की कमान सौंपी गई, वहीं ओबीसी नारायण चंदेल को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया। लेकिन रमन सिंह इन दोनों से वजनदार हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि छत्तीसगढ़ में बीजेपी रमन सिंह का इस्तेमाल करेगी या नहीं? मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान को लेकर भी चर्चा है कि पार्टी उन्हें अगला मौका नहीं देना चाहती। लेकिन वहां बीजेपी के सामने चुनौती है कि चौहान की जगह किसे आगे बढ़ाया जाए? अगर चौहान को चेहरा नहीं बनाया जाता तो प्रदेश संगठन में गुटबाजी का खतरा बढ़ सकता है।

कांग्रेस की पुरानी परंपरा

कांग्रेस में प्रदेश क्षत्रपों और बड़े नेताओं के बीच टकराव कोई नई बात नहीं। इसी वजह से पिछले कुछ सालों में कुछ राज्यों में कांग्रेस की सरकारें गिरीं तो कुछ जगहों पर सरकार बनते-बनते रह गई। पंजाब में पार्टी की हार की वजह बड़े नेताओं के बीच अहं का टकराव थी। वहां कैप्टन अमरिंदर सिंह, नवजोत सिंह सिद्धू और चरणजीत सिंह चन्नी के बीच गुटबाजी चुनाव से काफी पहले से चली आ रही थी। यही हाल कर्नाटक का है, जहां जल्द चुनाव होने जा रहे हैं। वहां पूर्व सीएम सिद्धारमैया और प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार में नहीं बनती। भले ही फोटो में कांग्रेस हाईकमान ने दोनों को साथ दिखा दिया हो, लेकिन दोनों कितने सहज हो पाए हैं, इसकी असलियत चुनाव परिणाम के बाद ही सामने आएगी। ऐसे में सूबा जीतने के बाद हाईकमान के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द होगा सीएम चुनना और सरकार चलाना। जहां तक मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ की बात है तो पिछले चुनावों में तीनों ही राज्यों में कांग्रेस ने सरकार बनाई, लेकिन मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत 15 महीनों के अंदर कमलनाथ सरकार को ले डूबी। इस बार भले ही दिग्विजय सिंह और कमलनाथ फिलहाल एक साथ दिख रहे हों, लेकिन उनके बीच आपसी प्रतिद्वंद्विता भी है। वहां हाईकमान दिग्विजय के बजाय कमलनाथ को आगे बढ़ाना चाहता है, लेकिन सिंह नहीं चाहेंगे कि कमलनाथ को फ्री हैंड मिले।

राजस्थान में सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डेप्युटी सीएम सचिन पायलट के बीच रस्साकशी पिछले पांच साल से जारी है। गहलोत के साथ फिलहाल मजबूती के साथ खड़ी कांग्रेस अगर पायलट के खिलाफ कोई कड़ा कदम नहीं उठा रही, तो इसका मतलब यही है कि पार्टी दुविधा में है। छत्तीसगढ़ में भी सीएम भूपेश बघेल के लिए एक चुनौती प्रदेश के दिग्गज नेता टी एस सिंहदेव बने हुए हैं। कांग्रेस के लिए भी इन परस्पर विरोधी गुटों को साधना खासा मुश्किल साबित होने वाला है।

विपक्षी एकता मजबूरी या राष्ट्रहित का कदम?

-ओमप्रकाश मेहता-

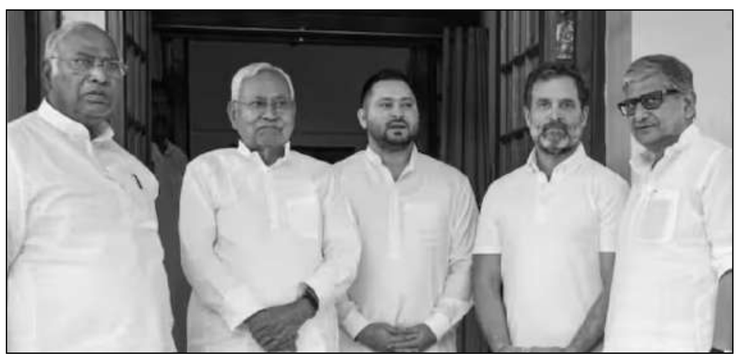

यह एकदम सही है कि इतिहास अपने आप को दोहराता है्व, इसका एहसास आज देश की उस बुजुर्ग पीढ़ी को हो रहा है जो आजादी के बाद से अब तक का भारत के राजनीतिक घटनाक्रमों के चश्मदीद गवाह रहे हैं, क्योंकि आज देश में उसी राजनीतिक घटनाक्रमों की पुनरावृत्ति हो रही है, जो आज से करीब 50 साल पहले इंदिरा गांधी के शासनकाल में हुई थी, इंदिरा जी ने आपातकाल देश में घोषित करने के बाद जिस तानाशाही शासन के स्वरूप के दर्शन कराए थे, उससे आज प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी प्रेरणा ग्रहण कर प्रतिपक्ष को वही सब सोचने को मजबूर कर रहे हैं, जो उनके नेता स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई व बुजुर्ग नेता लालकृष्ण आडवाणी ने सोचा था और उन्ही के नक्शे कदम पर आज भी प्रतिपक्ष बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चलने का प्रयास कर रहे है।

आज जिस तरह का देश में राजनीतिक माहौल है उसके तहत ऐसा हर कहीं महसूस किया जा रहा है कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में मोदी ही अपनी दबंगता से अपनी सरकार फिर कायम करेंगे और बिखरा हुआ विपक्ष हाथ मलता ही रह जाएगा? और चूंकि इसी आशंका से प्रति पक्षी दल व उनके नेता भी घिरे हुए हैं, इसलिए अकेले किसी भी विपक्षी दल में मोदी की आंधी का सामना करने की हिम्मत नजर नहीं आ रही है, इसलिए प्रमुख प्रतिपक्षी दल कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के सहयोग से मोदी की आंधी का सामना करने की तैयारी कर रहा है।

प्रयास अपनी जगह जारी जरूर है किंतु हर किसी के मन में यह तीव्र आशंका भी है कि क्या उनके प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर सफलता मिल पाएगी? किंतु ह्लमरता क्या नहीं करताह्व की तर्ज पर प्रति पक्षी दलों के सामने एकजुट होने और मोदी की आंधी का सामना करने के अलावा कोई विकल्प भी तो नहीं है? यद्यपि हर दल व उसका नेता अपने स्वयं के प्रयास के प्रति काफी आशंकित भी है, किंतु समय की पुकार सुन हर दल यही करने को मजबूर है।

इसमें संदेह नहीं कि फिलहाल विपक्षी एकता राजनीतिक विमर्श का केंद्र बन रही है, यह कोई नई बात भी नहीं है जब भी विभिन्न दलों के नेता भाजपा के खिलाफ एकजुट होने की बात करते हुए मेल मिलाप करते हैं, तो वह चर्चा में आने के साथ ही मीडिया में भी स्थान बना लेते हैं, लेकिन फिर बात आगे बढ़ती नहीं दिखती। आज भी यही हो रहा है कितने प्रति पक्षी दलों ने नीतीश जी के नेतृत्व को स्वीकार कर उनके साथ खड़े होने की स्वीकृति प्रदान की है? क्या कांग्रेस के मां-बेटे (सोनिया-राहुल) ने खुलकर नीतीश जी का नेतृत्व स्वीकार किया है? क्या नए राष्ट्रीय दल आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल या समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव ने नीतीश जी के प्रयासों में सहयोगी बनने की मंजूरी दी है? सिर्फ अकेले नीतीश जी के शंखनाद से क्या होने वाला है? उल्टे नीतीश के प्रयास तो यह सिद्ध कर रहे हैं कि उन्होंने अभी से मान लिया है कि अगले आम चुनाव के बाद भी केंद्र में मोदी जी की ही सरकार बनेगी? और इसी डर के कारण वे प्रति पक्षी एकजुटता का जीतोड़ प्रयास कर रहे हैं?

इधर यदि देश पर राज कर रही भारतीय जनता पार्टी की बात करें तो वह तो उत्तरी भारत पर अपना ह्यएकछत्र राजह्न मानकर चल रही है, और अब उसकी नजर दक्षिण पर है जिसकी शुरूआत वह तेलंगाना व कर्नाटक से करने जा रही है, आज कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत व वहां भावी सरकार उसका प्रथम लक्ष्य है और इसी में वह जी जान से जुटी है, प्रधानमंत्री मोदी व भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा दोनों का ही एकमात्र लक्ष्य दक्षिण पर कब्जा कर पूरे देश पर ह्यचक्रवर्ती राजह्न कायम करने का है, यदि दक्षिण पर भाजपा ने कब्जा कर लिया तो फिर उसे चक्रवर्ती बनने से कोई नहीं रोक सकता।

इस प्रकार कुल मिलाकर यदि यह कहा जाए कि आज की सरकारों पर काबिज राजनीतिक दल देश या राष्ट्र जनहित के उद्देश्य से सरकार नहीं बनाते बल्कि अपना अगला भावी राष्ट्रीय राज मार्ग प्रशस्त करना चाहते हैं, तो कतई गलत नहीं होगा? अब इसे देश हित में कहा जाए या देश हित के विरोध में यह देशवासियों व भारत के बारे में सोचने वालों की सोच पर निर्भर है? हां, इस वक्त यह एक विचार जरूर हर आम व खास के दिल दिमाग में कौंधता है कि आजादी के बाद के अब तक के 75 सालों में देश का आम वोटर अपने कर्तव्य व दायित्व के प्रति सजग क्यों नहीं हो पाया?

क्या ईसाई और युवा 2024 में भाजपा को कुछ खुशी देंगे?

-पी. श्रीकुमारन-

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दो दिवसीय केरल दौरे के बाद केरल में भाजपा नेता सातवें आसमान पर हैं। वे घर की छत से फुसफुसा रहे हैं कि यात्रा एक अप्रत्यशित सफलता और एक राजनीतिक गेम-चेंजर थी। लेकिन जूरी इसके परिणाम पर पूरी तरह विभाजित है। प्रधानमंत्री ने वस्तुतः सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) दोनों की कड़ी आलोचना की।

युवोम 2023 को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि युवा राज्य को उन दो मोर्चों से छुटकारा दिलाने के मूड में हैं, जो दशकों से राज्य के राजनीतिक परिदृश्य पर हावी हैं। हवा में बदलाव की गंध है, पीएम ने कहा। नरेंद्र मोदी ने यह कहते हुए सरकार के खिलाफ तीखी जुबान भी चलाई कि जब केंद्र सरकार केरल से आयुर्वेदिक दवाओं और ऐसे उत्पादों का निर्यात कर रही थी, तो यहां के कुछ लोग देश में सोने की तस्करी में व्यस्त थे। मोदी ने यह उम्मीद भी जताई कि केरल में भी बदलाव की हवा बहेगी, जैसा कि उत्तर-पूर्व के राज्यों में हुआ, जहां ईसाई मतदाता अच्छी खासी संख्या में हैं। भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव में अपनी चुनावी संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए राज्य में ईसाई मतदाताओं को लुभाने का जोरदार प्रयास कर रही है।

प्रधानमंत्री के भाषण में प्रमुख विषय यह था कि केंद्र में एक मजबूत सरकार ही विकास को गति देगी। अपने प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री ने वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कोच्चिवाटर मेट्रो का उद्घाटन करने और डिजिटल साइंस पार्क की आधारशिला रखने के अलावा कई रेलवे विकास परियोजनाओं की भी घोषणा की।

गौरतलब है कि एक मजबूत केंद्र सरकार पर पीएम का जोर केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के सहकारी संघवाद को संरक्षित और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर देने के जवाब में आया था। यह अवधारणा पूरी तरह से चलन में थी, पीएम ने पुष्टि की, यह इंगित करते हुए कि उनकी सरकार ने 2014 से केरल के रेल विकास के लिए आबंटन में पांच गुना वृद्धि की है।

प्रधानमंत्री के संबोधन की एक उल्लेखनीय विशेषता राज्य की पूर्ण प्रशंसा थी। केरल की जलवायु, साक्षरता, प्राकृतिक सुंदरता, जीवन और भोजन की गुणवत्ता और विश्व स्तर पर जुड़ी आबादी ने इसकी आर्थिक और सामाजिक श्रेष्ठता सुनिश्चित की। उन्होंने कहा कि देश और दुनिया को केरल और मेहनती केरलवासियों से बहुत कुछ सीखना है। उन्होंने विशेष प्रशंसा के लिए कोच्चिवाटर मेट्रो और डिजिटल साइंस पार्क को चुना।

मुख्यमंत्री विजयन ने कहा कि पर्यावरण के अनुकूल जल मेट्रो देश में अपनी तरह का पहला है और इसे देश भर के कम से कम 40 शहरों में दोहराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 1136 करोड़ रुपये की परियोजना के लिए धन राज्य सरकार के निवेश और जर्मन वित्त पोषण एजेंसी केएफडब्ल्यू से ऋ ण के माध्यम से मिला है। वाटर मेट्रो कोच्चि के कार्बन फुटप्रिंट को भी कम करेगा। मुख्यमंत्री ने राज्य में विभिन्न परियोजनाओं को शुरू करने पर सहमति जताने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद भी दिया।

यह सहकारी संघवाद की प्रशंसनीय अवधारणा की स्वस्थ अभिव्यक्ति थी। पिनराई ने देश में पहला डिजिटल साइंस पार्क स्थापित करने का श्रेय भी लिया। राज्य द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित संस्था की कल्पना डिजिटल उद्योग, डिजिटल स्वामित्व, डिजिटलडीप टेक और डिजिटल उद्यमिता पर अतिरिक्त ध्यान देने के साथ बहु-विषयक नवाचार को बढ़ावा देने के स्पष्ट उद्देश्य के साथ की जा रही है। पार्क 1,500 करोड़ रुपये की लागत से टेक्नोसिटी में 13.93 एकड़ भूमि में बनेगा। प्रारंभिक कार्यों के लिए राज्य के बजट में 200 करोड़ रुपये आबंटित किये गये हैं। उन्होंने कहा कि मैनचेस्टर, ऑक्सफोर्ड और एडिनबर्ग विश्वविद्यालयों ने पार्क के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं। पिनराई ने श्रोताओं को यह भी याद दिलाया कि वह केरल ही था जिसने देश में पहला टेक्नोपार्क और पहला डिजिटल विश्वविद्यालय स्थापित किया था। सीएम ने कहा कि डिजिटल साइंस पार्क राज्य की विशाल टोपी में एक अतिरिक्त पंख है।

किसी भी निष्कर्ष के पहले यह कहा जाना चाहिए कि युवोम 2023 प्रचार पर खरे उतरने में विफल रहा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्रन सहित भाजपा नेताओं ने घोषणा की थी कि युवोम में प्रधानमंत्री और युवाओं के बीच बातचीत होगी। इसकी रहस्यमय अनुपस्थिति रही। पीएम ने सिर्फ भाषण दिया। खाली कुर्सियों के कारण कार्यक्रम में उपस्थिति भी काफी कम रही। यह राज्य में भाजपा नेतृत्व की खराब सांगठनिक क्षमता का प्रदर्शन है।

विभिन्न ईसाई चर्चों के प्रमुखों के साथ बहुप्रचारित पीएम की बैठक ने भी भाजपा नेताओं की अपेक्षा के अनुरूप परिणाम नहीं दिया। बेशक, सिरो-मालाबार कैथोलिकचर्च के मेजर आर्कबिशपकार्डिनल मार जॉर्जएलनचेरी, जो मोदी से मिलने वाले सात चर्च प्रमुखों में से एक थे, ने दावा किया कि बैठक सफल रही। उनके अनुसार, प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार देश में समुदाय के खिलाफ हिंसा को दूर करने के लिए कदम उठायेगी।

जुगाड़ से आविष्कार तक

-पीके खुराना-

भारत में हम यह मान कर चलते हैं कि आविष्कार पश्चिमी देशों में होते हैं। एक आम धारणा है कि विकसित देशों में उच्च तकनीक और बढ़िया साधन मौजूद हैं, अतः शोध एवं विकास के ज्यादातर कार्य वहीं संभव हैं। यहां हम छोटे-मोटे जुगाड़ किस्म के आविष्कारों से भी प्रसन्न हो लेते हैं या फिर किसी बढि?ा नकल को ही भारतीय लोगों की काबलियत की निशानी मान लेते हैं। चूंकि हम यह मानते हैं कि हमारे देश में बुद्धि, सुविधाओं और धन की कमी है, अतः हम आविष्कारक नहीं हैं, और इस मामले में हम पश्चिम का मुंह जोहने के लिए विवश हैं।

यही नहीं, बहुराष्ट्रीय कंपनियों की भारतीय शाखाएं अपने विदेशी आकाओं से आयातित चीजों में मामूली बदलाव करके उनका भारतीयकरण करने में ही अपनी प्रतिभा की सार्थकता मान लेते हैं और किसी बड़े आविष्कार की बात सोचते तक नहीं, पर कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो सभी बाधाओं के बावजूद कुछ करने की ठान लेते हैं और उसे कर दिखाते हैं। अक्सर यह भी माना जाता है कि आविष्कार करने के लिए पहले मन में कोई विचार आना चाहिए, उसके लिए किसी नए अभिनव और इन्नोवेटिव आइडिया की आवश्यकता होती है। वास्तव में यह पूर्ण सत्य नहीं है। सच तो यह है कि कुछ कर दिखाने के लिए पहले सपना होना चाहिए, इरादा होना चाहिए, दृढ़ निश्चय होना चाहिए, रास्ता खुद-ब-खुद निकल आता है। कठिनाइयां आती हैं, रुकावटें आती हैं, पर दृढ़ निश्चयी व्यक्ति उनका सामना करते हुए राह बनाता चलता है। दुनिया के ज्यादातर आविष्कारों की कहानी कुछ ऐसी ही है। और सच यह है कि ऐसे लोगों की भारत में भी कमी नहीं है, सिर्फ हमारा मीडिया और समाज उन तक पहुंचता नहीं है, उन्हें पहचानता नहीं है। पश्चिम में एक छोटा सा आविष्कार हो जाए तो सारा भारतीय मीडिया उसके गाने गाने लगता है और भारत के कई बड़े-बड़े आविष्कारों के बारे में भी खुद भारतीयों को भी जानकारी नहीं है।

आंध्र प्रदेश के निवासी श्री वाराप्रसाद रेड्डी ने हैपेटाइटस-बी के निवारण के लिए वैक्सीन तैयार की जो पहले एक बहुराष्ट्रीय कंपनी सप्लाई करती थी और उसकी हर डोज की कीमत 750 रुपए थी। श्री वाराप्रसाद रेड्डी की वैक्सीन बाजार में आने पर बहुराष्ट्रीय कंपनी को अपनी वैक्सीन की कीमत इस हद तक घटानी पड़ी कि वह 750 रुपए के बजाय महज 50 रुपए में बिकने लगी और एक समय तो उसकी कीमत 15 रुपए पर आ गई थी। यह कोई अकेला उदाहरण नहीं है कि एक आम हिंदुस्तानी ने अपने दृढ़ निश्चय के बल पर एक शक्तिशाली बहुराष्ट्रीय कंपनी को घुटने टेकने पर विवश कर दिया।

बहुत सालों पहले निरमा वाशिंग पाउडर ने ऐसी ही कहानी लिखी थी, केविनकेयर के श्री सीके रंगनाथन ने भी यही किया था जिन्होंने हिंदुस्तान लीवर को बगलें झांकने पर विवश कर दिया। जहां निरमा ने सर्फ को टक्कर दी और अपने लिए एक बड़ा बाजार निर्मित किया, वहीं केविनकेयर ने बहुराष्ट्रीय कंपनियों हिंदुस्तान लीवर (अब हिंदुस्तान युनिलीवर) तथा प्रॉक्टर एंड गैंबल के उत्पादों से बाजार छीना। श्री रंगनाथन ने सैशे में शैंपू देना शुरू किया ताकि वह उन लोगों के बजट में भी आ सके जो महंगा होने के कारण शैंपू का प्रयोग नहीं कर पाते। उनकी यह जीत इतनी बड़ी थी कि अंततः हर प्रतियोगी कंपनी को उनकी रणनीति की नकल करनी पड़ी। घड़ियों के मामले में दुनिया भर में स्विटजरलैंड का सिक्का चलता है। यह माना जाता है कि स्विटजरलैंड की घड़ियां दुनिया में सबसे बढ़िया होती हैं और घड़ियों के निर्माण में नये आविष्कार स्विटजरलैंड में ही होंगे। लेकिन भारतीय कंपनी टाटा ने विश्व की सबसे पतली वाटरप्रूफ घड़ी टाइटैन एज्ज बनाकर दुनिया भर को चमत्कृत कर दिया।

ऐसे अनेकोंनेक उदाहरण हैं जहां भारतीयों ने बेहतरीन आविष्कार किये हैं, बहुराष्ट्रीय प्रतियोगियों को पीछे छोड़ा है लेकिन उनकी यशोगाथा कम ही गाई गई है। इन असाधारण आविष्कारकों का यशगान ही काफी नहीं है, वस्तुतः हमें यह समझना होगा कि दृढ़ निश्चय से सब कुछ संभव है, बड़े-बड़े आविष्कार संभव हैं। टाटा ने विश्व की सबसे सस्ती कार बनाकर दिखा दी, टाइटैन ने सबसे स्लिम वाटरप्रूफ घड़ी बनाकर दिखा दी, लेकिन यह तर्क दिया जा सकता है कि टाटा समूह के पास प्रतिभा, साधन और धन की कमी नहीं है।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रातः 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

रिकॉर्ड 29 लाख करोड़ रुपए नई परियोजनाओं में खर्च करेगी सरकार

बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट: सेवा क्षेत्र में पहले से दोगुना खर्च की घोषणा

नई ल्ली। सरकार वित्तीय वर्ष 2022-23 में रिकॉर्ड 29 लाख करोड़ रुपए की नई परियोजनाओं की घोषणा की हैं। 2021-22 में 22 लाख करोड़ रुपए की घोषणाएं हुई थीं। सबसे ज्यादा 12.4 लाख करोड़ रुपए की विनिर्माण क्षेत्र में घोषणाएं हुई हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, 2021-22 में विनिर्माण क्षेत्र में 10.6 लाख करोड़ रुपए की घोषणाएं हुई थीं। सेवा क्षेत्र में वित्त को छोड़कर 10.3 लाख करोड़ रुपए की घोषणाएं हुई हैं, जो दोगुना बढ़त है। इलेक्ट्रिसिटी में 6.1 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाएं घोषित हुई हैं, जो 2021-22 में 4.9 लाख करोड़ रुपए की थी। सेवा क्षेत्र में केवल परिवहन और सूचना एवं प्रौद्योगिकी परियोजनाओं में बढ़त आई है। परिवहन में घोषित परियोजनाओं का निवेश 3.9 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 8.8 लाख करोड़ रुपए हो गया है। आईटी में 0.5 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 1.1 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। विनिर्माण क्षेत्र में केमिकल एवं इसके उत्पादों की परियोजनाओं में निवेश तीन लाख करोड़ से बढ़कर 7.3 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। रुकी परियोजनाओं के अमल में सुधार की दर में भारी गिरावट है। वित्त वर्ष 2019 में दर 19.7 फीसदी थी जो 2020 में 6.5 फीसदी व 2021 में 76.4 फीसदी पर पहुंच गई थी। 2022 में यह दर 13.9 फीसदी और 2023 में यह घटकर 4.1 फीसदी पर पहुंच गई।

नई परियोजना की घोषणा

वित्तवर्ष	राशि
2016	24 लाख करोड़ रु.
2017	20 लाख करोड़ रु.
2018	17 लाख करोड़ रु.
2019	18 लाख करोड़ रु.
2020	20 लाख करोड़ रु.
2021	10 लाख करोड़ रु.

एसबीआई कार्ड का शुद्ध लाभ बढ़ा

एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड एसबीआई कार्ड का शुद्ध लाभ मार्चए 2023 को समाप्त तिमाही में मामूली वृद्धि के साथ 596 करोड़ रुपए रहा। क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली इस कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 581 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। एसबीआई कार्ड ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वर्ष 2022-23 की जनवरी-मार्च अवधि के दौरान कंपनी की कुल आय एक साल पहले की अवधि के 3016 करोड़ रुपए के मुकाबले बढ़कर 3917 करोड़ रुपए हो गई। समीक्षाधीन तिमाही में इसकी ब्याज आय बढ़कर 1672 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले 1266 करोड़ रुपए थी। पूरे वित्त वर्ष 2022-23 में, एसबीआई प्रवर्तित इस कार्ड कंपनी का शुद्ध मुनाफा वित्त वर्ष 2021-22 के 1616 करोड़ रुपए के मुकाबले 40 प्रतिशत बढ़कर 2258 करोड़ रुपए हो गया। आलोच्य वित्त वर्ष के दौरान कुल आय वित्त वर्ष 2021-22 में 11302 करोड़ रुपए से बढ़कर 14286 करोड़ रुपए हो गई। एसबीआई कार्ड ने कहा कि 31 मार्च, 2023 को कंपनी का सकल एनपीए गैर निष्पादक आस्तियां और शुद्ध एनपीए क्रमशः 2.35 प्रतिशत और 0.87 प्रतिशत रहा, जो एक साल पहले क्रमशः 2.22 प्रतिशत और 0.78 प्रतिशत था।

उच्च ब्याज दर बढ़ने के बावजूद घर खरीदार बढ़े

आरबीआई की रिपोर्ट: 15 फीसदी बढ़ी होम लोन की मांग

नई दिल्ली। भले ही साल 2022 में होम लोन लेना महंगा हो गया है मगर इसका असर घर खरीदने वालों पर नहीं दिख रहा है। आरबीआई की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि होम लोन लेने वालों की संख्या में साल दर साल 15 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है और 31 मार्च तक होम लोन बकाया राशि बढ़कर 19.36 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। मार्च 2022 में बकाया होम लोन राशि 16.84 लाख रुपए थी, वहीं मार्च 2021 में होम लोन की बकाया राशि 14.92 लाख करोड़ रुपए की थी। ऐसे में मार्च 2022 की तुलना में इस साल ज्यादा लोगों ने होम लोन लिया है। यह आकड़ों चौकाने इसलिए है क्योंकि पिछले साल देश में महंगाई के कारण रिजर्व बैंक ने लगातार रेपो रेट में बढ़ोतरी की है। ऐसे में रेपो रेट कुल 2.50 फीसदी तक बढ़ चुका है। रेपो रेट में बढ़ोतरी की सीधा असर बैंक से लोन लेने वाले ग्राहकों पर पड़ता है और मंथली ईएमआई के लिए पहले से बहुत ज्यादा जेब ढीली करनी पड़ती है। आरबीआई की रिपोर्ट से यह भी खुलासा हुआ है कि इस साल पर्सनल लोन लेने वालों की भी संख्या में बढ़ोतरी हुई है। 2023 में कुल रजिस्टर्ड पर्सनल लोन की वृद्धि दर 20.6 फीसदी की है। वहीं पिछले साल यह आंकड़ा केवल 12.60 फीसदी का था।

इंडस्ट्री लोन में 5.7 फीसदी बढ़त : वहीं इंडस्ट्री लोन की बात करें तो इसमें साल दर साल 5.7 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है। वहीं पिछले साल यह वृद्धि दर 7.5 फीसदी की थी। ऐसे में इस साल बिजनेस लोन की वृद्धि दर में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। बड़े उद्योगों को इस बार तीन फीसदी ज्यादा लोन दिया गया है। वहीं पिछले साल यह केवल 2 फीसदी था। वहीं पिछले साल मध्यम उद्योग को 54.4 फीसदी ज्यादा लोन बांटा गया था जो इस साल गिरकर 19.6 फीसदी पर पहुंच गया। वहीं सूक्ष्म और लघु उद्योगों को दिए गए लोन की वृद्धि दर 12.3 फीसदी रहा है।

आल इंडिया टॉप-5 में एलन के तीन स्टूडेंट्स

एलन इंदौर के आदित्य शुक्ला की ऑल इंडिया 153 रैंक

इंदौर। नेशनलटेस्टिंग एजेंसी ने शनिवार को जेईईमेन 2023 अप्रैल सेशन के परिणामों की घोषणा कर दी है। हर बार की तरह इस बार भी एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों ने परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। एलन इंदौर के सेंटर हैड कमल शर्मा ने बताया कि जेईईमेन अप्रैल सेशन के रिजल्ट में संस्थान के रेगुलर क्लासरूम स्टूडेंट आदित्य शुक्ला ने 99.9921357 परसेन्टाइल स्कोर ऑल इंडिया रैंक 153 हासिल की है। शर्मा ने बताया कि संस्थान के विद्यार्थी सत्यम सिनोलिया ने 99.9653919 परसेन्टाइल स्कोरकर ऑल इंडिया रैंक 486, देवांश गुप्ता ने 99.9590916 परसेन्टाइल स्कोरकर ऑल इंडिया रैंक 570, मृदुल कौशल ने 99.9511841 परसेन्टाइल स्कोरकर ऑल इंडिया रैंक 656, सौमिल मल्होत्रा ने 99.9491403 परसेन्टाइल स्कोरकर ऑल इंडिया रैंक 688, सम्यक अजमेरा ने 99.9340187 परसेन्टाइल स्कोरकर ऑल इंडिया रैंक 850, तेजस्व सिंह मेहरा ने 99.9217496 परसेन्टाइल स्कोरकर ऑल इंडिया रैंक 994, वगीशा श्रीवास्तव ने 99.9011062 एवं जयांश जैन ने 99.8868342 परसेन्टाइल स्कोर किए हैं। साथ ही पर्सेंटाईल के आधार पर सफलता अर्जित करनेवाले विद्यार्थियों की सूची में 99 पर्सेंटाइल में 107, 98 पर्सेंटाईल में 195, 97 पर्सेंटाईल में 275, 96 पर्सेंटाईल में 345, 95 पर्सेंटाईल में 428 एवं 90.7788642 पर्सेंटाईल में 705 विद्यार्थी शामिल हैं, वहीं ऑल इंडिया रैंक 1000 में 7, ऑल इंडिया रैंक 2000 में 12, ऑल इंडिया रैंक 3000 में 22, ऑल इंडिया रैंक 5000 में 49, ऑल इंडिया रैंक 10000 में 103, ऑल इंडिया रैंक 15000 में 134, ऑल इंडिया रैंक 20000 में 172 विद्यार्थी शामिल हैं। संस्था के चेयरमैन डॉ. बृजेश माहेश्वरी ने बताया कि एलन के क्लासरूम स्टूडेंट मृणाल श्रीकांत वैरागड़े ने परफेक्ट स्कोर 300 में से 300 स्कोर अंक प्राप्त करते हुए आल इंडिया रैंक 3 हासिल की है। इसी तरह क्लासरूम स्टूडेंट मलय केडिया ने भी 300 में से 300 अंक प्राप्त करते हुए आल इंडिया रैंक-4 तथा कौशल विजयवर्गीय ने भी पूरे में से पूरे अंक प्राप्त करते हुए आल इंडिया रैंक-5 प्राप्त की है। इसके अलावा बड़ी संख्या में टॉप-50 और टॉप-100 में एलन स्टूडेंट्स ने स्थान प्राप्त किए हैं।

हमने नियमों का अनुपालन किया, बायजू सबसे ज्यादा एफडीआई लाने वाली स्टार्टअप : सीईओ

नई दिल्ली, एजेंसी। शिक्षा प्रौद्योगिकी मंच बायजू के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बायजू रवींद्रन ने कर्मचारियों को पत्र लिखकर कहा कि कंपनी किसी भी दूसरे स्टार्टअप की तुलना में भारत में ज्यादा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) लेकर आई है। साथ ही उन्होंने जोड़ा कि फर्म बायजू विदेशी मुद्रा विनिमय कानून का पूरी तरह से अनुपालन करती है। वित्तीय अपराध पर शिकंजा कसने वाली एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को बायजू के परिसरों की तलाशी ली थी। भारत के इस सबसे मूल्यवान स्टार्टअप का मूल्यांकन कभी 22 अरब डॉलर था और इसने जनरल अटलांटिक, ब्लैकरॉक और सिकोया कैपिटल जैसे वैश्विक निवेशकों को आकर्षित किया है।

रवींद्रन ने कहा, चूंकि हमें 70 से अधिक प्रभावशाली निवेशक वित्त पोषित करते हैं, जिन्होंने संतोषजनक तरीके से फेमा (विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम) नियमों का अनुपालन किया है। हमें विश्वास है कि प्राधिकरण भी इस निष्कर्ष पर आएगा। उन्होंने शनिवार देर रात भेजे पत्र में यह बात कही, जिसे पीटीआई-भाषा ने देखा है।

आंतरिक पत्र में रवींद्रन ने कहा कि कंपनी ने अपने अंतरराष्ट्रीय अधिग्रहण के लिए कुछ पैसे विदेश में भेजे थे। उन्होंने लिखा, ईडी का हालिया छापा फेमा के तहत एक जांच है। बायजू द्वारा एफडीआई, विदेशी निवेश और विपणन तथा ब्रांडिंग गतिविधियों से संबंधित सीमा पार लेनदेन के संबंध में अधिकारियों द्वारा मांगी गई जानकारी पहले ही हमारे अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा दी जा चुकी है।

फर्जी बिल लगाने वालों पर सरकार कसेगी शिकंजा

वित्त मंत्री ने सीबीआईसी को दिए ये निर्देश

नई दिल्ली। नई अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था यानी जीएसटी के लागू होने के बाद इसमें लगातार बदलाव किए जाते रहे हैं। ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें कंपनियों या अन्य निकायों ने फर्जी बिल लगाकर इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाया हो। जीएसटी प्राधिकरण की ओर से इसे दुरुस्त करने के कई प्रयास किए गए हैं, हालांकि इसके बाद भी जीएसटी चोरी के मामले सामने आते रहते हैं। अब इस दिशा में और सख्ती की तैयारी चल रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने इस संबंध में कर अधिकारियों को साफ निर्देश दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने शनिवार को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर बोर्ड यानी सीबीआईसी के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के बाद जारी आधिकारिक बयान में बताया गया कि वित्त मंत्री ने फेक बिलिंग और इनपुट टैक्स क्रेडिट के खिलाफचलाई जा रही मुहिम को तेज करने के लिए कहाण् उन्होंने कहा कि पहले से जो ऐसे मामले सामने आए हैंए सीबीआईसी उनका अध्ययन करे और उसके आधार पर मूल कारण का पता लगाएण् उन्होंने सीबीआईसी अधिकारियों को कहा कि विस्तार से अध्ययन करने के बाद वे इस ट्रेंड पर लगाम लगाने के लिए तकनीक पर आधारित समाधानों का सुझाव दें। वित्त मंत्री सीतारामन ने करदाताओं का आधार बढ़ाने में भी तकनीक की मदद लेने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तकनीक का इस्तेमाल कर टैक्सपेयर्स बेस को बढ़ाने के प्रयास करने चाहिए

चीनी निर्यात पर रोक की लगने लगीं अटकलें

नई दिल्ली । चीनी का उत्पादन कम होने और मांग में बढ़ने की वजह से वैश्विक और घरेलू बाजार में चीनी के दाम तेजी से बढ़े हैं। वैश्विक बाजार में चीनी के दाम बढ़ने की वजह से उद्योग अधिक चीनी निर्यात करने की मांग कर रहा है लेकिन घरेलू बाजार में भी चीनी महंगी होने और उत्पादन में कमी को देखते हुए आशंका जताई जाने लगी है कि भारत सरकार चीनी के निर्यात पर रोक लगा सकती है। वैश्विक बाजार के साथ घरेलू बाजार में चीनी के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। मुंबई थोक बाजार में चीनी 30 की कीमत बढ़कर 3630 रुपए, दिल्ली में 3800 रुपए, कानपुर में 3900 रुपए, रांची में 4000 रुपए, कोलकत्ता में 4000 रुपए और चेन्नई में 3800 रुपए प्रति क्विंटल पहुंच गई। जबकि इसी महीने 14 अप्रैल को मुंबई में चीनी का थोक भाव 3500 रुपए क्विंटल था।

कर्ज चुकाने में नहीं कोई दिक्कत: अनिल अग्रवाल

नई दिल्ली। वेदांता के प्रमुख अनिल अग्रवाल का दावा है कि ग्रुप के पास इतना कैश फ्लो है कि यह अपने सभी देनदारियों को चुका सकता है और इसका लक्ष्य अगले दो से तीन साल में नेट जीरो डेट वाली कंपनी बनने की है। उन्होंने ये बातें वेदांता की कर्ज चुकाने की क्षमता पर उठे सवालों को लेकर कही। उनका कहना है कि इन सवालों का कोई मतलब नहीं है क्योंकि अगले साल यह तीन हजार करोड़ डॉलर के रेवेन्यू के साथ 900 करोड़ डॉलर का मुनाफा बनाने वाली है जो सभी देनदारियों को लेकर पर्याप्त है। वेदांता रिसोर्सेज के फाउंडर और चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा कि इसके साइज के बराबर ग्रुप में वेदांता दुनिया में सबसे कम कर्ज वाला ग्रुप है। उन्होंने कहा कि इस समय कंपनी पर करीब 1300 करोड़ डॉलर का कर्ज है और इस साल इसे 700 करोड़ डॉलर का मुनाफा हुआ है और अगले साल ग्रुप को 900 करोड़ डॉलर का मुनाफा होगा। उनका दावा है कि इसका कैश फ्लो इतना पर्याप्त है कि सभी कर्जों को निपटाया जा सके। वेदांता के मुताबिक कारोबार में अरबों डॉलर के निवेश के चलते ही इस पर कर्ज है। वेदांता ग्रुप ने देश में अब तक 3500 करोड़ डॉलर का निवेश किया हुआ है और अब 2030 तक इसका लक्ष्य 10 हजार करोड़ डॉलर की की कंपनी बनने की है। वेदांता के मालिक का कहना है कि कंपनी किसी भी पेमेंट को लेकर कभी डिफॉल्ट नहीं हुआ है।

तेजी से बढ़ीं जरूरी चीजों की कीमतें

नई दिल्ली। मौजूदा वित्त वर्ष में भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। हालांकि उच्च महंगाई दर और उच्च बेरोजगारी दर के बीच लग्जरी वस्तुओ और आवश्यक चीजों की कीमतों के बीच असमानता देखी जा रही है। भोजन, कपड़े और रहने की मूलभूत आवश्यकताओं की कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में आय असमानता देखी जा रही है। वर्ल्ड इक्वालिटी 2022 के डाटा के मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र वैज्ञानिक भा?गीदार के साथ विकास मे था। वहीं बढ़ती गरीबी के साथ भारत दुनिया के सबसे असमान देशों में से एक था। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में शीर्ष 10 फीसदी और एक फीसदी कुल राष्ट्रीय आय का 57 फीसदी और 22 फीसदी हिस्सा रखते हैं। लोगों की मूलभूत आवश्यकता को लेकर ज्यादातर भारतीय संघर्ष कर रहे है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एफएमसीजी वस्तुओं में बढ़ोतरी के कारण ज्यादातर चीजों के दाम में इजाफा देखा जा रहा है। इस कारण कम आय वाले परिवारों को आवश्यक समानों को खरीदने में भी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। पिछले दो महीनों में शहरी बाजारों में 5 रुपए, 10 रुपए और 20 रुपए के छोटे पैक का कुल बिक्री में योगदान लगभग पाच फीसदी बढ़ा है। वहीं पाम तेल, गेहूं, चीनी और कॉफी जैसी चीजों के दाम ज्यादा बढ़ चुके हैं। मार्च के आंकड़ों की बात करें तो अनाज और उत्पादों की महंगाई दर 15.3 फीसदी थी।

फेड रिजर्व के निर्णय का बाजार पर रहेगा असर

मुंबई, एजेंसी। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर हुई दमदार लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह करीब ढाई प्रतिशत की छलांग लगा चुके घरेलू शेयर बाजार पर अगले सप्ताह अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के निर्णय के साथ ही कंपनियों के तिमाही परिणाम का असर रहेगा।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1457.38 अंक अर्थात 2.44 प्रतिशत की उड़ान भरकर सप्ताहांत पर ढाई माह के उच्चतम स्तर और 61 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 61112.44 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 440.95 अंक यानी 2.5 प्रतिशत की छलांग लगाकर 18 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर 18065 अंक पर रहा।

समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों में भी जमकर लिवाली हुई। इससे सप्ताहांत पर मिडकैप 647.46 अंक की तेजी लेकर 25492.43 अंक और स्मॉलकैप 682.81 अंक मजबूत होकर 28917.07 अंक पर पहुंच गया। अगले सप्ताह 01 मई को महाराष्ट्र दिवस के उपलक्ष्य में अवकाश के कारण शेयर बाजार में कारोबार स्थगित रहेगा। मंगलवार से कारोबार नियमित रूप से चलेगा।

विश्लेषकों के अनुसार, अगले सप्ताह 02 और 03 मई को अमेरिकी फेड रिजर्व की ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक होने वाली है। अमेरिका में मार्च में बढ़ी महंगाई को नियंत्रित करने के लिए फेड रिजर्व के ब्याज दरों में एक बार फिर बढ़ोतरी करने की संभावना जताई जा रही है। यदि ऐसा हुआ तो अगले सप्ताह इसका असर विदेशी और घरेलू दोनों बाजारों पर देखा जा सकेगा।

इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर अगले सप्ताह टाटा स्टील, टाइटन, टाटा पावर, रिलायंस पावर, एचडीएफसी, हीरो मोटोकॉर्प, टीवीएस मोटर, यूको बैंक, अंबूजा सीमेंट और अडानी ग्रीन जैसी दिग्गज कंपनियों के 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही के परिणाम जारी होने वाले हैं। इसका असर भी बाजार पर रहेगा।

इसके अलावा कच्चे तेल की कीमत, डॉलर सूचकांक एवं विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश प्रवाह पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। एफआईआई अप्रैल में अबतक 5,711.80 करोड़ रुपये के शुद्ध लिवाल रहे हैं। इसी तरह इस अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) का शुद्ध निवेश भी 2,216.57 करोड़ रुपये रहा।

वैश्विक बाजार के मिलजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर रिलायंस और आईसीआईसीआई बैंक जैसी दिग्गज कंपनियों के मजबूत तिमाही परिणाम से उत्साहित निवेशकों की चौतरफा लिवाली की बदौलत सोमवार को सेंसेक्स 401.04 अंक की छलांग लगाकर 60056.10 अंक और निफ्टी 119.35 अंक की तेजी लेकर 17743.40 अंक पर पहुंच गया। विदेशी बाजार की गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर ऊर्जा, यूटिलिटीज, तेल एवं गैस और पावर समेत चौदह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत मंगलवार को सेंसेक्स 74.61 अंक की बढ़त लेकर 60130.71 अंक और निफ्टी 25.85 अंक बढ़कर 17769.25 अंक पर रहा। वैश्विक स्तर से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू स्तर पर हेल्थकेयर, रियलटी, एफएमसीजी, पावर और यूटिलिटी जैसे समूहों में हुयी लिवाली के बल पर बुधवार को सेंसेक्स 169.87 अंक चढ़कर 60300.58 अंक और निफ्टी 44.35 अंक बढ़कर 17813.60 अंक पर रहा।

निसान ने अपने नेटवर्क का विस्तार किया

गुरुग्राम। निसान मोटर इंडिया ने देश के उत्तर एवं दक्षिणी राज्यों में दो नए शोरूमों और सर्विस वर्कशॉप्स को शामिल किया है है। करनाल हरियाणा तथा खम्मोम तेलंगाना में खोले नए टचप्वाइंट्स ग्राहकों को शानदार सेल्स एवं सर्विस अनुभव दिलाने की निसान की प्रतिबद्धता का हिस्सा हैं। इन नए शोरूमों और सर्विस वर्कशॉप्स के साथ ही निसान मोटर इंडिया के नेटवर्क में अब देशभर में 267 टचप्वाइंट्स हो गए हैं जिनमें 14 हरियाणा और 9 तेलंगाना में हैं। निसान अपने ग्राहकों को निर्बाध, वन स्टॉप सॉल्यूशन प्रदान करती है। डॉ राकेश श्रीवास्तॉव, प्रबंध निदेशक निसान मोटर्स इंडिया ने कहा, कस्टमर सर्विस निसान के बुनियादी मूल्यों का अभिन्न हिस्सा है और इसी के मद्देनजर हम अपने वितरण नेटवर्क में विस्तार कर नए कस्टमर टचप्वाइंट्स जोड़ रहे हैं।

सर्किल रेट बढ़ने से नोएडा में प्रॉपर्टी की कीमतों में आया भारी उछाल

नोएडा, एजेंसी। नोएडा में अब आशियाना खरीदने और बनाने का सपना भी महंगा हो गया है। 23 अप्रैल को हुई नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में आवासीय भूखंड, ग्रुप हाउसिंग और संस्थागत उपयोग की संपत्तियों की आवंटन दरों में छह से दस प्रतिशत की बढोत्तरी की है। इससे उद्योग लगाने के साथ मकान बनाने में लोगों को अधिक पैसा खर्च करना पड़ेगा। वर्ष 2022 में भी आवंटन दरों में 10 से 15 प्रतिशत तक प्राधिकरण ने इजाफा किया था। इस साल भी 10 फीसदी तक रेट बढ़े हैं।

नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम में 23 अप्रैल को अवस्थापना और औद्योगिक विकास आयुक्त और नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक हुई। इस दौरान 19 प्रस्ताव रखे गए। बोर्ड बैठक के दौरान ई-श्रेणी के आवासीय सेक्टरों के सबसे अधिक दस प्रतिशत का इजाफा किया गया है। ए-प्लस श्रेणी की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। जबकि ए, बी, सी और डी श्रेणी के सेक्टरों में भूखंड की दरों में छह प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। आवासीय भवन यानी फ्लैट और व्यावसायिक संपत्ति की दरों में कोई इजाफा नहीं हुआ है। बीते महीनों में औद्योगिक भूखंडों की नीलामी में अधिक रेट प्राधिकरण को प्राप्त हुए थे।

ऐसे में औद्योगिक क्षेत्र की फेज वन, फेज टू और फेज तीन की दरों में छह प्रतिशत इजाफा किया गया है। संस्थागत संपत्ति क्षेत्र में भी फेज वन, फेज टू और फेज तीन में स्थित आईटी-आईटीईएस और डाटा सेंटर उपयोग की संपत्तियों में भी छह प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है।

11 अगस्त 2022 से पहले सेक्टर 102, 115, 158 और 162 आदि सेक्टरों में आवासीय प्लॉट की कीमत 36200 वर्ग मीटर थी। ई श्रेणी वाले इन सेक्टरों में अब प्लॉट खरीदने का बेस प्राइस ही 45,380 रुपए वर्गमीटर हो गया है। उस पर भी ईऑक्शन के दौरान नीलामी होगी और इस बेस्ट प्राइस से ऊपर जो बढ़-चढ़कर बोली लगाएगा, उसे ही वह प्लॉट दिया जाएगा।

इसका मतलब यह हुआ कि 1 वर्ग मीटर जमीन महज 8 महीने में 9180 रूपए महंगी हो गई। प्रतिशत में अगर इस बढ़ोतरी को देखा जाए तो तकरीबन 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। 11 अगस्त 2022 को करीब 14 फीसद दाम बढ़ाए गए थे और 23 अप्रैल 2023 को हुई बैठक में 10 प्रतिशत दाम बढ़ाने के प्रस्ताव पर मुहर लग गई है।

इसके साथ-साथ अगर इंडस्ट्रियल सेक्टर में उपलब्ध भूखंडों की बात करें तो उन पर करीब 40 फीसद की महज 8 महीनों में वृद्धि हुई है।

बैंकिंग संकट की चिंताओं के बीच वैश्विक बाजार फिर सतर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंक ऑफ बड़ौदा की अर्थशास्त्र ज्ञाता जाह्नवी प्रभाकर के एक शोध नोट में कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था एक बार फिर से आर्थिक मंदी की ओर जा रही है। एक और बैंकिंग संकट के कारण अमेरिका में आर्थिक मंदी की आशंका फिर से उभर आई है।

अमेरिकी अधिकारी पहले से ही फर्स्ट रिपब्लिक बैंक को संभावित एफडीआईसी रिसीवरशिप प्रदान करने की बातचीत कर रहे हैं। नोट में कहा गया है कि अभी फेड के लिए बहुत कुछ दांव पर है। उच्च मुद्रास्फीति, उच्च मजदूरी वृद्धि, क्रेडिट संकट और वैश्विक विकास में अनिश्चितता को देखते हुए फेड को अगली दर पर विचार करना है।

रुपया ने एशिया की दूसरी मुद्राओं की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया है और अगले पखवाड़े में डॉलर के मुकाबले 81.5-82.25 की सीमा में कारोबार करने की उम्मीद है। बाजार अब अगले हफ्ते फेड और ईसीबी के रेट फैसले का इंतजार करेंगे।

अमेरिका में ऋण सीमा गतिरोध के साथ-साथ पिछले दो महीनों में दूसरी बार उभर रहे बैंकिंग संकट की नई चिंताओं के बीच वैश्विक बाजार एक बार फिर सतर्क हो गए हैं। इसके अलावा, यूएस जीडीपी, पीसीई, बेरोजगारी दावों और रोजगार लागत सूचकांक सहित अन्य प्रमुख डेटा रिलीज से फेड के दर वृद्धि को मजबूत करने की उम्मीद है क्योंकि मुद्रास्फीति का दबाव बहुत अधिक बना हुआ है।

चोपड़ा और बिंद्रा की अगुवाई में खेल बिरादरी ने प्रर्शनकारी पहलवानों का किया समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा और अभिनव बिंद्रा सहित भारतीय खेल बिरादरी ने यहां विरोध प्रदर्शन कर रहे पहलवानों का शुक्रवार को समर्थन करते हुए न्याय सुनिश्चित करने के साथ 'त्वरित कार्रवाई' की मांग की।

चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी चोपड़ा, पूर्व निशानेबाज बिंद्रा के अलावा, मुक्केबाज निकहत जरीन, टेनिस स्टार सानिया मिर्जा, हॉकी खिलाड़ी रानी रामपाल, पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग, हरभजन सिंह, इरफान पठान, मदन लाल और नवजोत सिंह सिद्धू ने पहलवानों का समर्थन किया।

इन खिलाड़ियों की प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जबकि भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत ह्यएथलेटिक्स आयोगह्ल से दर्ज कराने के बजाय अपने विरोध प्रदर्शन को फिर से शुरू करने के लिए सड़कों पर उतरने के लिए पहलवानों की कड़ी आलोचना की थी।

एथलेटिक्स में भारत के लिए पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचने वाले भाला फेंक के एथलीट चोपड़ा ने कहा कि पहलवानों को न्याय के लिए सड़क पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा जो कि आहत करने वाला है।

उन्होंने ट्वीट किया, हमारे खिलाड़ियों को न्याय की मांग करते हुए सड़कों पर देखकर मुझे दुख होता है। उन्होंने हमारे महान राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने और हमें गौरवान्वित करने के लिए कड़ी मेहनत की है। एक राष्ट्र के रूप में, हम प्रत्येक व्यक्ति, चाहे वह खिलाड़ी हो या कोई और, की अखंडता और सम्मान की रक्षा के लिए जिम्मेदार हैं। जो हो रहा है वह कभी नहीं होना चाहिए।

चोपड़ा ने कहा, यह एक संवेदनशील मुद्दा है, और इससे निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से निपटा जाना चाहिए। संबंधित अधिकारियों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए।

इस तरह से पहलवानों को अब देश के दोनों व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों का समर्थन मिल गया है। बीजिंग ओलंपिक 2008 में निशानेबाजी में स्वर्ण पदक जीतने वाले अभिनव बिंद्रा ने हाल में पहलवानों के प्रति अपना समर्थन जताया था।

बिंद्रा ने ट्वीट किया था, एक खिलाड़ी के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए हम हर दिन कड़ी मेहनत करते हैं। यह देखना बेहद दुखद है कि भारतीय कुश्ती प्रशासन में उत्पीड़न के आरोपों के खिलाफ हमारे खिलाड़ियों को सड़कों पर विरोध करना जरूरी लग रहा है।

विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक सहित कई पहलवान बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न और पहलवानों को धमकाने के आरोपों के साथ जंतर मंतर पर धरने पर बैठे हैं।

विश्व चैंपियनशिप की दो बार स्वर्ण पदक विजेता जरीन ने कहा, हमारे ओलंपिक और विश्व पदक विजेताओं को इस हाल में देखकर मेरा दिल टूट गया है। खेल से जुड़े लोग भी गौरव और सम्मान लाकर देश की सेवा करते हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि कानून अपना काम करेगा और इस मामले में जल्द से जल्द न्याय मिले। जय हिन्द।

सानिया ने ट्वीट किया, एक एथलीट और उससे भी अधिक एक महिला के तौर पर यह देखना बहुत मुश्किल है.. उन्होंने हमारे देश का नाम रोशन किया है और हम सभी ने उनके साथ उनका जश्न मनाया है.. अगर उन्होंने ऐसा (देश का नाम रोशन) किया है तो अब इस मुश्किल समय में उनके साथ खड़े होने का समय आ गया है.. यह बेहद संवेदनशील मामला है और गंभीर आरोप हैं। मुझे उम्मीद है कि जो भी सच्चाई है उसे न्याय मिलेगा।

इस मामले पर हालांकि भारत के किसी भी सक्रिय क्रिकेटर ने अपनी राय नहीं रखी है, लेकिन कुछ पूर्व खिलाड़ियों ने अपने विचार साझा किये।

सहवाग ने ट्वीट किया, यह बेहद दुख की बात है कि देश का नाम रोशन करने वाले, झंडा ऊंचा रखने वाले और हम सबके लिए इतनी खुशियां लाने वाले हमारे चैंपियन को आज सड़क पर उतरना पड़ रहा है। यह बेहद संवेदनशील मामला है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

महिला पहलवानो के समर्थन में आये क्रिकेटर

भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरने पर बैठी महिला पहलवानो के समर्थन में अब क्रिकेट जगत की महान हस्तियां भी सामने आने लगी हैं। पूर्व सलामी बल्लेबाजी नवजोत सिंह सिद्धू और धुरंधर वीरेन्द्र सहवाग ने महिला पहलवानो का समर्थन करते हुये घटना की जांच की मांग की है। सहवाग ने ट्वीट किया बहुत दुःख की बात है कि हमारे चैंपियंस जिन्होंने देश का बड़ा नाम किया है , झंडा लहराया है , हम सबको इतनी खुशियाँ दी हैं, उन्हें आज सड़क पर आना पड़ा है। बड़ा संवेदनशील मामला है और इसकी निष्पक्ष जाँच होनी चाहिए। उम्मीद है खिलाड़ियों को न्याय मिलेगा। सिद्धू ने कहा चौंकाने वाली बात यह है कि नौ महिलाओं ने शिकायत की और कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई। यह भारतीय इतिहास में समय के गाल पर एक आंसू होगा...... कोई भी देश जो अपनी महिला आइकन का अपमान करता है, वह अपने ही गौरव को ठेस पहुँचाता है, इन महिलाओं ने देश का नाम रोशन किया है।

मेरा ध्यान सिर्फ गुजरात टाइटंस के लिए अपनी भूमिका पर : साहा

कोलकाता, एजेंसी। जिंक्य रहाणे की भारतीय टेस्ट टीम में वापसी अनुभवी खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा हो सकती है, लेकिन रिद्धिमान साहा ने शुक्रवार को कहा कि उनका ध्यान केवल मौजूदा काम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस के लिए अच्छा करने पर है। साहा विकेटकीपिंग के साथ गुजरात टाइटंस के लिए पारी का आगाज करते है और वह टीम के अहम सदस्य है।

साहा से जब पूछा गया कि रहाणे को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के लिए टीम में चुने जाने के बाद क्या वह राष्ट्रीय टीम में वापसी पर भी नजरें गड़ाए हुए हैं, उन्होंने कहा, ह्यह्यउनके(रहाणे) नाम पर विचार किया जा सकता है क्योंकि उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन अभी मेरा ध्यान केवल गुजरात टाइटंस के लिए अच्छा प्रदर्शन करने पर है।

इस 38 साल के विकेटकीपर बल्लेबाज ने भारत के लिए अपना पिछला टेस्ट मैच दिसंबर 2021 में खेला था। टीम प्रबंधन ने इसके बाद उन्हें बता दिया था कि अब उनके नाम पर विचार नहीं किया जायेगा। साहा ने इसके बाद मीडिया में अपनी नाराजगी जताई थी जिससे तत्कालीन भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली से उनके रिश्ते खराब हो गये।

घरेलू स्तर पर भी उन्होंने 15 साल से अधिक समय तक बंगाल का प्रतिनिधित्व करने के बाद त्रिपुरा का रुख कर लिया। वह खिलाड़ी के साथ टीम के मेंटोर भी है। साहा कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा कहा, ह्यह्यकोलकाता मेरा घर है। मैंने यहां कई मैच खेले है। अभी मैं यहां दूसरी टीम का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं।

लखनऊ के नवाबों ने किया पंजाब में भागड़ा

मोहाली, एजेंसी। कप्तान के एल राहुल के नेतृत्व वाली लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने शुक्रवार को पंजाब के मोहाली में पंजाब सुपर किंग्स के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुये 56 रन से बड़ी जीत दर्ज की।

मोहाली के मैदान में लखनऊ के बल्लेबाजों ने पहले रनो की बरसात की जबकि बाद में गेंदबाजों ने कातिलाना गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुये विकेटों का पतझड़ लगा दिया,नतीजन नवाबों की टीम ने शान के साथ एक बार फिर से अंक तालिका में अपनी स्थिति में सुधार करते हुये दूसरा स्थान हासिल किया।

टास हार कर एलएसजी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये पांच विकेट पर 257 रन बनाये जो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास में अब तक का दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। रनों के पहाड़ के दवाब में आये पंजाब के शेर एक के बाद एक अपने विकेट गंवाते चले गये और पूरी टीम 19.5 ओवर के खेल में 201 रन बना कर पवेलियन लौट गयी। लखनऊ ने खेल के हर विभाग में पंजाब की तुलना में उम्दा प्रदर्शन किया।

पहले काइल मेयर्स (54),आयुष बडोनी (43), मार्कस स्टोइनिस (72) और निकोलस पूरन (45) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने 257 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा कर लिया। बाद में यश ठाकुर (37 रन पर चार विकेट) और नवीन उल हक (30 रन पर तीन विकेट) के अलावा रवि विश्नोई (41 रन पर दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी की मदद से पंजाब को उसके घर में रौंद दिया।

अथर्व ताडे (66) और सिकंदर रजा (36) ने हालांकि बीच के ओवरों में रनो की रफ्तार बढाने की पुरजोर कोशिश की जबकि बाद में जितेश शर्मा (24) और सैम कुर्रन (24) ने उसको बरकरार रखने का प्रयास किया मगर लखनऊ के गेंदबाजों की सधी हुयी गेंदबाजी और बड़े लक्ष्य ने उनके अरमानों पर पानी फेर दिया। इस जीत के साथ लखनऊ की टीम राजस्थान के बाद अंकतालिका में फिर से दूसरे स्थान पर काबिज हो चुकी है जिसका अगला मुकाबला लखनऊ में विराट की सेना रायल चैलेजर्स बेंगलुरू से एक मई को होगा।

टास हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुये लखनऊ ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाया। कप्तान केएल राहुल (12) और मेयर्स ने 3.2 ओवर में 41 रन जोड़े। राहुल के आउट होने के बाद बडोनी ने मेयर्स के साथ स्कोरबोर्ड को तेजी से चलाया और पारी के छठे ओवर में ही स्कोर को 72 रन पर पहुंचा दिया। मेयर्स ने रबाडा की गेंद पर आउट होने से पहले अपनी अर्धशतकीय पारी में मात्र 24 गेंद खेलकर सात चौके और दो छक्के जड़े। मेयर्स के आउट होने के बाद क्रीज पर आये स्टोइनिस ने रनों की रफ्तार को कम नहीं होने दिया और बडोनी के साथ मिल कर चौके छक्कों की बरसात जारी रखी। दोनो बल्लेबाजों ने करीब 11 के रन रेट से 89 रन जोड़े।

लिविंगस्टोन की गेंद पर डीप स्कावयर लेग पर खडे दीपक चाहर के हाथों आउट होने बडोनी अपने काम को बखूबी अंजाम दे चुके थे। पंजाब की मुसीबत बडोनी के आउट होने के बाद भी कम नहीं हुयी। नये बल्लेबाज निकोलस पूरन ने स्टोइनिस के साथ स्कोर बोर्ड को तेजी से चलाये रखा। स्टोइनिस को कुर्रन और पूरन को अर्शदीप सिंह ने आउट किया।

चेन्नई को हराकर तालिका में शीर्ष पर पहुंची रॉयल्स

जयपुर, एजेंसी। होनहार सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (43 गेंद, 77 रन) के विस्फोटक अर्द्धशतक के बाद रविचंद्रन अश्विन (35/2) और ऐडम जैम्पा (22/3) की स्पिन जोड़ी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में गुरुवार को चेन्नई सुपर किंग्स पर 32 रन की दमदार जीत दर्ज की। जायसवाल ने 43 गेंद पर आठ चौकों और चार छक्कों के साथ 77 रन बनाकर रॉयल्स को 202 रन तक पहुंचाया, जो सवाई मानसिंह स्टेडियम पर सबसे बड़ा आईपीएल स्कोर है। इसके जवाब में चेन्नई शिवम दूबे (33 गेंद, 52 रन) के आतिशी अर्द्धशतक के बावजूद 170 रन तक ही पहुंच सकी।

दूबे ने 33 गेंद पर दो चौकों और चार छक्कों के साथ 52 रन बनाकर अंत तक चेन्नई के लिये संघर्ष किया। चेन्नई को 12 गेंद में 46 रन की जरूरत थी। जेसन होल्डर ने 19वें ओवर में मात्र नौ रन देकर चेन्नई को मैच से बाहर कर दिया। रॉयल्स आठ मैचों में पांच जीत और तीन हार के साथ 10 अंक अर्जित करके तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है, जबकि चेन्नई इतने ही मैचों में 10 अंकों के साथ शीर्ष से फिसलकर तीसरे पायदान पर आ गयी है। गुजरात टाइटन्स सात मैचों में 10 अंकों के साथ दूसरे पायदान पर है।

रॉयल्स ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया और जायसवाल ने मेजबान टीम को धुआंधार शुरूआत दिलाई। जायसवाल ने पहले ही ओवर में आकाश सिंह को तीन चौके जड़कर अपना खाता खोला, जबकि बटलर ने अगले ओवर में उनका साथ देते हुए तुषार देशपांडे को दो चौके जड़े। जायसवाल ने तीसरे ओवर में आकाश के खिलाफ 18 रन जोड़े और रॉयल्स ने इस तरह पावरप्ले में 64 रन बना लिये। जायसवाल-बटलर ने पहले विकेट के लिये 82 रन की साझेदारी करके रॉयल्स को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। रवींद्र जडेजा ने बटलर (21 गेंद, चार चौके, 27 रन) को आउट करके यह साझेदारी तोड़ी, लेकिन जायसवाल ने दूसरे छोर से रन बटोरना जारी रखा।

युवा वामहस्त बल्लेबाज ने कप्तान संजू सैमसन के साथ दूसरे विकेट के लिये 39 रन की साझेदारी की, हालांकि देशपांडे ने 14वें ओवर में दोनों बल्लेबाजों को आउट करके रॉयल्स की रनगति पर कुछ देर के लिये लगाम लगा दी। सैमसन 17 गेंद पर एक चौके की मदद से 17 रन ही बना सके, जबकि उनके बाद शिमरन हेटमायर भी 10 गेंद पर आठ रन बनाकर पवेलियन लौट गये। रॉयल्स 15 ओवर में 139 रन तक ही बना सकी थी, लेकिन ध्रुव जुरेल और देवदत्त पडिक्कल की आक्रामक बल्लेबाजी ने मेजबान टीम को 200 रन के पार पहुंचा दिया।

जुरेल और पडिक्कल ने पांचवें विकेट के लिये 20 गेंद पर 48 रन की साझेदारी की। जुरेल 15 गेंद पर तीन चौकों और दो छक्कों के साथ 34 रन बनाकर आउट हो गये, जबकि पडिक्कल 13 गेंद पर चार चौकों की मदद से 23 रन बनाकर नाबाद रहे। चेन्नई के सबसे किफायती गेंदबाज महीष तीक्षणा ने चार ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि जडेजा ने चार ओवर में 32 रन देकर एक विकेट चटकाया। देशपांडे ने सर्वाधिक दो सफलताएं हासिल कीं लेकिन उनके चार ओवर में रॉयल्स ने 42 रन बटोरे। मथीशा पथिराना चार ओवर में 44 रन देकर चेन्नई के सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई ने धीमी शुरूआत की। रुतुराज गायकवाड़ ने पावरप्ले में कुछ अच्छे शॉट लगाये, लेकिन रॉयल्स ने उनके जोड़ीदार डेवन कॉनवे को हाथ खोलने का मौका नहीं दिया। कॉनवे 16 गेंद पर सिर्फ आठ रन बना सके और ऐडम जैम्पा ने पावरप्ले की आखिरी गेंद पर उनका संघर्ष खत्म किया। गायकवाड़ ने 29 गेंद पर पांच चौके और एक छक्का लगाकर 47 रन की तेज पारी खेली लेकिन स्पिनरों ने नियमित अंतराल पर विकेट चटकाकर रॉयल्स को मुकाबले में बरकरार रखा।

टोटेनहैम ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-2 से ड्रॉ पर रोका

लंदन, एजेंसी। टोटेनहैम ने अपने इतिहास की सबसे बड़ी हार झेलने और दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-2 से ड्रॉ पर रोका।

चार दिन पहले न्यूकासल के हाथों 6-1 से करारी हार झेलने के बाद यूनाइटेड के खिलाफ भी टोटेनहैम पहले हाफ में दो गोल से पीछे चल रहा था। दूसरे हाफ में उसने हालांकि अच्छी वापसी की। पेड्रो पोरो ने 56वें मिनट में टोटेनहैम के लिए पहला गोल किया जबकि सोन ह्युंग-मिन ने 79 वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। यूनाइटेड की तरफ से इससे पहले जादोन सांचो और मार्कस रैशफोर्ड गोल किए थे।

यूनाइटेड इस मैच में अंक बांटने के कारण चौथे स्थान पर खिसक गया है क्योंकि न्यूकासल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एवर्टन को 4-1 से पराजित करके तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। न्यूकासल के 32 मैचों में 62 अंक हो गए हैं जबकि यूनाइटेड के 31 मैचों में 60 अंक हैं। टोटेनहैम 33 मैचों में 54 अंक लेकर पांचवें स्थान पर है।

एक नजर

केकेआर के विकेटकीपर लिटन दास स्वदेश लौटे

कोलकाता, एजेंसी। बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास पारिवारिक आपात स्थिति के कारण स्वदेश लौट गए हैं और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की तरफ से इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। केकेआर की टीम के एक अधिकारी ने कहां, उनके परिवार में कोई आपात चिकित्सा स्थिति आ गई है जिसके कारण वह ढाका रवाना हो गए। वह कब तक वापसी करेंगे इसको लेकर कोई जानकारी नहीं है। इस 28 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज को केकेआर ने पिछले साल नीलामी में उनके आधार मूल्य 50 लाख रुपए में खरीदा था। उन्होंने आईपीएल में केवल एक मैच दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेला था। जेसन रॉय के साथ पारी का आगाज करते हुए दास ने उस मैच में केवल चार रन बनाए और विकेटकीपर के तौर पर उन्होंने स्टंपिंग के दो मौके गंवाए। दिल्ली ने यह मैच चार विकेट से जीत कर लगातार पांच मैचों में हारने का सिलसिला तोड़ा था।

अबुधाबी चैलेंज गोल्फ : चौहान संयुक्त 61वें स्थान पर

अबुधाबी, एजेंसी। भारत के ओम प्रकाश चौहान ने अबू धाबी चैलेंज गोल्फ के शुरूआती दौर के आखिरी होल में बर्डी लगाकर इवन पार 72 का स्कोर किया। पहली बार विदेशी धरती पर यूरोपियन चैलेंज टूर स्पर्धा में खेल रहे चौहान संयुक्त रूप से 61 वें स्थान पर है। उन्होंने दो बोगी और दो बर्डी लगाये। शुरूआती दिन के खेल के बाद इंग्लैंड के टॉम लुईस आठ अंडर के स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर है। यूरोपियन चैलेंज टूर पर पिछले महीने 'डंकन टेलर ब्लैक बुल चैलेंज' के विजेता चौहान 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए अबुधाबी में लगातार दो स्पधाओं में खेलेंगे। चैलेंज स्तर की इस प्रतियोगिता के शीर्ष 20 खिलाड़ियों को डीपी विश्व टूर में कार्ड मिलेगे। चौहान इस समय समग्र तालिका में नौवें स्थान पर हैं।

अर्जुन अटवाल मैक्सिको ओपन में संयुक्त 65वें स्थान पर

वालार्टा (मैक्सिको), एजेंसी। भारत के गोल्फर अर्जुन अटवाल ने मैक्सिको ओपन गोल्फ चैंपियनशिप के पहले दौर में सहज शुरूआत करते हुए एक अंडर 70 का स्कोर बनाया जिससे वह संयुक्त 65वें स्थान पर हैं। पिछले महीने अपना 50 वां जन्मदिन मनाने वाले अटवाल ने दो बर्डी बनाई और इस बीच एक बोगी भी की। अटवाल अभी पीजीए टूर के अलावा 50 वर्ष से अधिक खिलाड़ियों के लिए होने वाले पीजीए चैंपियनशिप टूर में भी खेल रहे हैं। भारतीय मूल के अमेरिकी खिलाड़ी अक्षय भाटिया ने 68 का कार्ड खेला और वह संयुक्त 31वें स्थान पर हैं। भारतीय मूल के एक अन्य खिलाड़ी आरोन राय ने 71 का स्कोर बनाया और वह पहले दौर के बाद संयुक्त 81वें स्थान पर हैं।

सिंधू और प्रणय आगे बढ़े, श्रीकांत एशिया चैंपियनशिप से बाहर

दुबई, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने गुरुवार को यहां चीन की हेन युई पर सीधे गेम में जीत के साथ एशिया बैडमिंटन चैंपियनशिप के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय भी पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे लेकिन उनके हमवतन किदांबी श्रीकांत का टूनार्मेंट में सफर समाप्त हो गया। आठवीं वरीयता प्राप्त प्रणय ने प्री क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशियाई के चिको ऑरा ड्वी वाडोयो को एक घंटा और दो मिनट में 16-21 21-5 18-21 से हराया जबकि श्रीकांत को चौथी वरीयता प्राप्त जापान के कोडाई नारोका के खिलाफ 14-21 22-20 9-21 से हार का सामना करना पड़ा। प्रणय अगले दौर में जापान के केंटा सुनेयामा से भिड़ेंगे। सिंधू ने इसके बाद एकतरफा प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हेन युई को सिर्फ 33 मिनट में 21-12 21-15 से हराया। आठवीं वरीय सिंधू क्वार्टर फाइनल में कोरिया की दूसरी वरीय आन सी यंग से भिड़ेंगी। मिश्रित युगल में रोहन कपूर और एन सिक्की रेड्डी की जोड़ी ने भी क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। भारतीय जोड़ी को सियो सेउंग जेइ और चाई यू जुंग की चौथी वरीयता प्राप्त कोरियाई जोड़ी ने वाकओवर दिया। भारतीय जोड़ी अगले दौर में देजान फर्डिनानसिया और ग्लोरिया इमानुएल विदजाजा की इंडोनेशियाई जोड़ी से भिड़ेगी। बी सुमित रेड्डी और अश्विनी पोनप्पा की मिश्रित युगल जोड़ी हालांकि हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गई।

भारत के अंडर-17 ने अभ्यास मैच में एटलेटिको मैड्रिलिनो अंडर-16 को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अंडर-17 पुरुष फुटबॉल टीम ने अपने स्पेन दौरे में मेड्रिड में खेले गए एक अभ्यास मैच में एटलेटिको मैड्रिलिनो अंडर-16 टीम को 2-1 से हराया। भारत की अंडर 17 फुटबॉल टीम थाईलैंड में जून में होने वाले एएफसी अंडर 17 एशियाई कप की तैयारियों के लिए इस समय स्पेन में है और वहां अभ्यास मैचों के जरिए अपनी तैयारी कर रही है। गुरुवार को खेले गए इस मैच में थंगलसौन गंगटे और लालपेख्लुआ ने भारत के लिए दूसरे हाफ की शुरूआत में गोल किए। स्थानीय टीम की तरफ से एकमात्र गोल टालोन ने किया। पहला हाफ गोल रहित छूटने के बाद स्पेन की टीम ने दूसरे हाफ के शुरू में आक्रामक रवैया अपनाया लेकिन वह भारत था जिसने पहले बढ़त हासिल की। गंगटे ने कोरोउ के पास पर भारत के लिए पहला गोल किया। इन दोनों खिलाड़ियों ने इसके बाद फिर से अच्छा मूव बनाया और लालपेख्लुआ को पास दिया जिन्होंने उस पर गोल करने में कोई गलती नहीं की।

सेतु एफसी ने चर्चिल ब्रदर्स को 6-0 से करारी शिकस्त दी

अहमदाबाद, एजेंसी। काजोल डिसूजा के चार गोल की मदद से सेतु एफसी ने इंडियन वूमेंस लीग (आईडब्ल्यूएल) फुटबॉल प्रतियोगिता के पहले चरण के अंतिम मैच में शुक्रवार को यहां चर्चिल ब्रदर्स को 6-0 से करारी शिकस्त दी। भारत की युवा टीम की सदस्य कोमल ने अपने चारों गोल पहले हाफ में किए। उनके अलावा विजेता टीम की तरफ से सुनीता मुंडा और कीनिया की फॉरवर्ड इवी फेथ एटिनो ने एक एक गोल किया। इस जीत से सेतु एफसी ग्रुप सी में ओडिशा एससी के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहा। ओडिशा ने गुरुवार को सीआरपीएफ की टीम को 6-0 से पराजित किया था।

उन चीजों से छेड़छाड़ करने की जरूरत नहीं जो सही चल रही है: फ्लेमिंग

जयपुर, एजेंसी। चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम भले ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करने में विफल रही हो लेकिन उसके मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग का मानना है की बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने की जरूरत नहीं है क्योंकि जो चीजें सही चल रही हैं उनसे छेड़छाड़ करना अच्छा नहीं होगा। चेन्नई की टीम 203 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 6 विकेट पर 170 रन ही बना पाई और उसे 32 रन की हार का सामना करना पड़ा।

बच्चों की लंबाई बढ़ाने के लिए समान्य टिप्स

बचपन किसी व्यक्ति के जीवन का सबसे अच्छा समय होता है। इस समय न कोई चिंता कोई ना फिक्र, बस घंटों तक दोस्तों के साथ खेलना, जो चाहो खाना और ढेर सारी मौज मस्ती करना। बचपन वो समय है जिसमें बच्चे को बड़ों का लाड़-प्यार मिलता है। हर पेरेंट्स की जिम्मेदारी है कि उनके बच्चे को आगे बढ़ने और विकास के लिए पूरा पोषण मिले। आम तौर पर, बच्चे का शारीरिक विकास दो साल की उम्र में शुरू हो जाता है जब बच्चे की हड्डियां और मांसपेशियां मजबूत होना शुरू हो जाती है और वह बढ़ना शुरू होता है।

यह देखा गया है कि एक समान्य बच्चा हर साल 2.5 इंच बढ़ता है। एक उम्र के बाद लंबाई बढ़ना बंद हो जाता है। लड़कों की 20 साल बाद और लड़कियों की लगभग 14 साल की उम्र के बाद लंबाई बढ़ना बंद हो जाती है। किसी बच्चे की लंबाई आनुवंशिकता, हार्मोन, पोषण, व्यायाम और उसके सम्पूर्ण स्वास्थ्य पर निर्भर करती है। इसलिए, यदि आप चाहते हैं कि आपके बच्चे की लंबाई अच्छी तरह बढ़े तो इसके लिए हम आपको कुछ घरेलू टिप्स बता रहे हैं। इन्हें आजमाये। इनमें से बहुत सी टिप्स में बच्चे को सही खाना खिलाने पर जोर दिया गया है ताकि उसकी लंबाई बढ़े और उसके शरीर का सही तरह विकास हो।

डेयरी उत्पाद

अपने बच्चे को डेयरी उत्पाद जैसे कि दूध, मक्खन, चीज, दही आदि जरूर दें, क्यों कि इनमें जरूरी प्रोटीन और कैल्शियम होते हैं। ये प्रोटीन और कैल्शियम बच्चे की हड्डियों और मांसपेशियों के विकास में आवश्यक है, जो कि लंबाई बढ़ाने में सहायक हैं।

अंडे

अंडों में प्रोटीन, विटामिन दी, विटामिन बी2, रिबोफ्लाविन आदि जरूरी तत्व होते हैं, जिनसे बच्चों की हड्डियों का विकास होता है।

चिकन

चिकन में भी प्रोटीन भरपूर होता है जिससे हड्डियां और मसल्स मजबूत होते हैं। चिकन के नियमित सेवन से युवावस्था के बाद भी लंबाई बढ़ती है।

केला

केला भी प्राकृतिक रूप से लंबाई बढ़ाने में सहायक है क्यों कि इसमें मैंगनीज, पोटेशियम और कैल्शियम जैसे पोषक तत्व होते हैं।

ओटमील

ओटमील खाने से भी बच्चे की लंबाई बढ़ती है, इसमें प्रोटीन की अधिकता होती है और इससे नए टिशू तेजी से विकसित होते हैं।

कॉपोर्रेट कम्युनिकेशन में खूब हैं संभावनाए

आज के कॉपोर्रेट वर्ल्ड में आपकी कम्युनिकेशन स्किल अच्छी है, तो आप न सिर्फ इस फील्ड बेहतर करियर की उम्मीद कर सकते हैं, बल्लि अच्छी कम्युनिकेशन स्किल एक प्रोफेशनल के व्यक्तित्व को आकर्षक बनाती है। कॉपोर्रेट कम्युनिकेशन के अंतर्गत ऑर्गनाइजेशन के अंदर और इससे जुड़े बाहरी लोगों के बीच सभी प्रकार का कम्युनिकेशन शामिल है। इसकी ऑडियंस में कंपनी के एम्प्लॉइज, पार्टनर, कस्टमर, डीलर और मीडियाकर्मी आदि होते हैं।

कॉपोर्रेट कम्युनिकेशन टीम का मुख्य कार्य कंपनी के प्रति ब्रैंड अवेयरनेस पैदा करना और इसके प्रॉडक्ट्स की ग्लोबल मार्केट में उपस्थिति का एहसास कराना होता है। इसका काम मीडिया के साथ अच्छा तालमेल बनाकर रखना भी होता है, जिससे कंपनी की ब्रैंड इमेज बेहतर रखने में सहायता मिलती है। **क्या है इनका काम**

कॉरपोरेट कम्युनिकेशन से जुड़े प्रोफेशनल्स कंपनी की प्रवक्ता के तरह भी काम करते हैं। सीएमडी की उपलब्धता और कंपनी के कार्यक्षेत्र संबंधी किसी मुद्दे पर उनकी प्रतिक्रिया उपलब्ध कराने का काम भी कॉपोर्रेट कम्युनिकेशन प्रोफेशनल्स का ही होता है। इसके अलावा, कंपनी के इन-हाउस न्यूजलेटर्स, मैग्जींस आदि का प्रकाशन भी यही टीम करती है। कंपनी की वेबसाइट को अपग्रेड करना, इसके ले-आउट व कंटेंट इत्यादि को मैनेज करना भी कॉपोर्रेट कम्युनिकेशन के अंतर्गत आता है। उल्लेखनीय है कि कॉरपोरेट कम्युनिकेशन के करियर को पब्लिक रिलेशंस का करियर नहीं समझना चाहिए। दोनों की प्रकृति एक जैसी होने के बावजूद ये दोनों अलग-अलग करियर हैं। कह सकते हैं कि पब्लिक रिलेशंस कॉपोर्रेट कम्युनिकेशन का सिर्फ एक हिस्सा है।

स्किल्स की डिमांड

कॉपोर्रेट कम्युनिकेशन में अच्छे करियर के लिए किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से मास कम्युनिकेशन में डिग्री या डिप्लोमा हासिल करना चाहिए। वैसे, कॉपोर्रेट कम्युनिकेशन में करियर बनाने के इच्छुक युवा ग्रेजुएशन लेवल पर साइकॉलजी, इकोनॉमिक्स, सोशॉलजी और इंग्लिश जैसे विषय लेकर बाद में मास कम्युनिकेशन में डिग्री या डिप्लोमा कर सकते हैं। इसके अलावा, वे एमबीए मार्केटिंग या मार्केटिंग कम्युनिकेशन या ऐडवरटाइजिंग में पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं। कॉपोर्रेट कम्युनिकेशन के फील्ड में सफल होने के लिए नेटवर्किंग का गुण भी होना चाहिए। ब्रैंड मैनेजमेंट के लिए कंपनी के अंदर और बाहर अच्छे नेटवर्क की आवश्यकता होती है। इस फील्ड के व्यक्ति को अपना विश्वास भी बनाकर रखना चाहिए।

शैक्षिक योग्यता

इस फील्ड में एंट्री 12वीं के बाद भी कर सकते हैं, लेकिन ग्रेजुएशन के बाद एंट्री करते हैं, तो करियर के बेहतर विकल्प हैं। अंग्रेजी भाषा के स्नातकों, कम्युनिकेशन के जानकारों एवं एमबीए कर चुके लोगों को एंट्री मिलने में सहूलियत होती है। मास कम्युनिकेशन की डिग्री या डिप्लोमा इस काम में काफी मददगार साबित होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस काम के लिए डिग्री इतनी आवश्यक नहीं है, जितनी व्यक्तिगत गुण।

सुनहरा भविष्य

कॉपोर्रेट कम्युनिकेशन का फील्ड असीम संभावनाओं से भरपूर है। इसके पीछे कई कारण हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है बिजनस वर्ल्ड में लगातार बढ़ती प्रतियोगिता। हर कंपनी अपने ब्रैंड को सबसे आगे देखना चाहती है और इसमें अहम भूमिका निभाते हैं कॉपोर्रेट कम्युनिकेशन टीम के लोग।

यदि आंकड़ों की बात करें, तो विशेषज्ञों के अनुसार, वर्ष 2025 तक विश्व जीडीपी में भारत का योगदान 6 प्रतिशत से बढकर 11 प्रतिशत हो जाएगा। सन 2009-10 की अवधि में भारत से कुल 4, 65, 484.92 मिलियन यूएस डॉलर का व्यापार किया गया है।

अब स्मार्टफोन में एप्स की मदद से बचाए हजारों रुपए

आज के समय में हर किसी को शिकायत रहती है कि ही महीने की शुरूआत में ही पूरी सैलरी ऐसे उड़ जाती है जैसे कुछ आया ही न हो और फिर आखिरी में कुछ भी नहीं बचता। ऐसे में, अब आप चिंता करना बंद कर दें, हम आपकी मदद करेंगे। चूंकि आज हम आपके लिए 5 ऐसी मोबाइल एप्लीकेशन लाए है जो न सिर्फ आपके रोजमर्रा खर्चों पर नजर रखेगी बल्किर पैसे बचानें में मद्द भी करेगी।

स्मार्ट स्पेन्ड

अपने सभी व्यक्तिगत वित्त प्रबंधन के लिए स्मार्ट स्पेन्ड एक शानदार विकल्प है। वास्तव में, यह एक व्यय प्रबंधक की तरह काम करते हुए ऑटोमेटिक सभी लेनदेन की कुल राशि को श्रेणियों में दर्ज करता रहता है। इसके दूसरे टूल्स में शामिल हैं-पहला इनवेस्टमेंट ट्रेकर एवं बिल। साथ ही साथ, यह ऐप आपको प्रत्येक खरीदारी पर व्यक्तिगत ऑफर और छूट के बारे में भी जानकारी देता है।

चिल्लर

चिल्लर आपके मोबाइल बैंकिंग और यूटिलिटी पेमेंट की जरूरतों का ख्याल रखने वाला एक ईजी ऐप है। यह एप्लिकेशन मनी ट्रांसफर, रिचार्ज एकाउंट और खर्चों को ट्रैक करने की सुविधा देता। यह आपके मित्रों को याद भी दिलाता है कि तुम्हें पैसे का भुगतान करना है। इस ऐप को ग्रुप में विभाजित बिलों, मासिक लेनदेन की समरी और स्टेटमैंस के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। तत्काल भुगतान विकल्प आपको क्यूआर कोड स्कैनिंग से स्टोर कर भुगतान करने की सुविधा देता है।

मनी मैनेजर

एक्स्पेन्स एवं बजट मनी मैनेजर एक्स्पेन्स एवं बजट ऐप आपके निजी वित्त की दोहरी एंटी एकांउट्स प्रणाली के आधार पर करता हैं। यह ऑटोमैटिकली आपके खाते में जैसे ही आय इनपुट आती है उस पैसे को डिपाजिट करता है ऐसे ही जब खर्च इनपुट होता है तो उसे एक्स्पेन्स में दिखात है। यह खर्च की रिपोर्ट और समीक्षा को दैनिक, साप्ताहिक और मासिक वित्तीय डेटा में जनरेट करता हैं ताकि आप अपनी परिसंपत्तियों का बेहतर प्रबंधन कर सकें।

फाइनेंशियल मॉनिटर

बुककिपिंग

अगर आप परिवार के सदस्यों के साथ एक संयुक्त बजट का प्रबंधन और उपकरणों के बीच डेटा सिंक्रनाइज करना चाहते हैं, तो फाइनेंशियल मॉनिटर बुककिपिंग ऐप वास्तव में आपके बहुत काम आ आ सकता है। यह आपको ऐप को नियंत्रित करने के लिए पिन कोड से डेटा के उपयोग को प्रतिबंधित करने या पैटर्न अनलॉक करने का विकल्प देता है। यह ऐप एक साधारण इंटरफेस के साथ आता है जोकि आपको भविष्य के अभियानों की योजना बनाने की सुविधा देता है।

इजी करेन्सी कन्वर्टर

यदि आप बहुत सारा ट्रैवल करते हैं, तो इजी करेन्सी कन्वर्टर ऐप आपके लिए जरूरी हो जाता है। इजी करेन्सी कन्वर्टर ऐसा ही एक ऐप है जिससे आप विभिन्न करेन्सीज को आसपास में कनवर्ट कर सकते हैं यहां तक कि ऑफलाइन मोड में भी। यह ऐप लाइव एक्सचेंज रेट प्रदान करता है और एक बार में अनेक करेन्सीज को परिवर्तित करने में सक्षम है।

एसिडिटी दूर भगाने के 10 हर्बल उपचार

लाजबाव, स्वादिष्ट भोजन करने के बाद अक्सर आपको गैस और एसिडिटी की समस्या हो जाती है। पेट में गुड़गुड़ होती रहती है, हल्का सा दर्द होता है और गैस बनती है जिसकी वजह से किसी भी काम को करने में मन नहीं लगता है। दुनिया भर के लोगों को इस समस्या से कभी न कभी दो चार होना पड़ता है। अगर आपका भी चटपटे और तला भोजन को खाने के बाद यही हाल होता है तो इस आर्टिकल में हम आपको कुछेक आयुर्वेदिक टिप्स बता रहे हैं जो पेट की जलन को शांत करके, एसिडिटी को भी दूर भगा देते हैं।

आजवाइनः दो चम्मभच आजवाइन लें और उसे एक कप पानी में उबाल लें। इस पानी को आधा होने तक उबालें और बाद में छानकर पी जाएं। पेट में होने वाली गड़बड़ सही हो जाएगी।

आंवलाः सूखा हुआ आंवला, यूं ही चबा लें। इससे पेट दर्द में आराम मिलता है। सूखा हुआ आवंला, बाजार में उपलब्ध होता है। आप चाहें तो इसे आंवलें के सीजन में घर पर भी उबालकर धूप में सुखाकर इस्तेमिाल कर सकती है।

लौंगः लौंग से पाचनक्रिया दुरूस्त बनी रहती है। लौंग का सेवन करके पानी पी लें। इससे राहत मिलेगी।

काली मिर्चः काली मिर्च, पेट में होने वाली ऐंठन व गैस की समस्या को दूर कर देती है। छाछ के साथ काली मिर्च का सेवन करने पर फायदा होता है। काली मिर्च के पाउडर को छाछ में डालकर पी जाएं।

अदरकः अदरक में पाचन क्रिया दुरूस्त करने के गुण होते हैं। अदरक को कच्चा खाने या चाय में डालकर पीने से पेट की जलन में आराम मिलती है। आप चाहें तो अदरक की जगह सोंठ का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

तुलसीः तुलसी में बहुत सारे हर्बल गुण होते हैं। इसकी चार पत्तियां खाने से पेट में एसिडिटी की समस्याछ नहीं रहती है।

जीराः जीरा, पेट दर्द और गैस का तुंरत उपचार करने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। काले नमक के साथ इसका सेवन लाभकारी होता है।

आर्टिचोक का पत्तोः आर्टिचोक के पत्ते को कच्चा ही चबा जाने से पेट में एसिडिटी की समस्या दूर हो जाती है। साथ ही कब्ज भी नहीं होता है।

कैमोमाइलः कैमोमाइल टी, पाचन क्रिया के लिए अच्छी मानी जाती है। इसे बनाकर पीने से जलन, पेट दर्द और एसिडिटी की समस्यां दूर हो जाती है।

हल्दी : हल्दी को दही में मिलाकर सेवन करें, इससे पेट दर्द और ऐंठन व एसिडिटी में

प्राकृतिक तरीको से करे गर्भावस्था टेस्ट

कई बार ऐसा होता है कि मासिक धर्म न आने पर भी महिलायें यह निश्चित नहीं कर पाती कि वे गर्भवती हैं या नहीं क्योंकि मासिक धर्म न आने के अन्य कई कारण भी हो सकते हैं जैसे तनाव, हार्मोंस में असंतुलन, उचित आहार न लेना आदि।

तो यदि कोई स्त्री पूर्ण रूप से अपनी गर्भावस्था के बारे में निश्चित होना चाहती है तो उसे टेस्ट अवश्य करवाना चाहिए। गर्भावस्था के लिए कई प्रकार के टेस्ट उपलब्ध हैं जैसे यूरिन टेस्ट, ब्लाड टेस्ट आदि जो यह बात निश्चित करने में सहायक होते हैं कि स्त्री गर्भवती है या नहीं।

टेस्टः ये टेस्ट बहुत सटीक हैं तथा ब्लड में एचसीजी हार्मोन स्तर का पता लगाने में सहायक होते हैं, ताकि गर्भावस्था की पुष्टि हो सके। हालांकि कुछ ऐसे प्राकृतिक तरीके हैं जिससे आप घर पर ही पता लगा सकती हैं कि आप गर्भवती हैं अथवा नहीं। यदि आप इंतजार नहीं कर सकती तथा खुशखबरी जानने के लिए उत्सुक हैं तो आगे पढ़ें।

डंडेलिओन (सिंहपर्णी) की पत्तियांः एक बर्तन में सिंहपर्णी की पत्तियां लें। उस पर पेशाब करें तथा उसे 10 मिनिट के लिए छोड़ दें। यदि आपके पेशाब करने के बाद पत्तियों पर लाल रंग के दाने आते हैं तो इसका अर्थ है कि आप गर्भवती हैं।

टूथपेस्टः एक बर्तन में टूथपेस्ट और यूरिन मिलाएं। यदि कुछ मिनिट बाद टूथपेस्ट झागदार और नीले रंग की हो जाती है तो इसका अर्थ है कि आप गर्भवती है।

विनेगरः एक बर्तन में यूरिन और विनेगर मिलाएं। यदि कुछ मिनिट बाद विनेगर का रंग बदल जाता है तो इसका अर्थ है कि आप मां बनने वाली हैं।

गेहूं और जौ का मिश्रणः एक बर्तन में गेहूं और जौ मिलाएं तथा उसमें यूरिन मिलाएं। यदि एक दिन बाद ये अंकुरित हो जाते हैं तो इसका अर्थ है कि आप गर्भवती हैं।

शुगर टेस्टः एक कटोरे में कुछ चीनी लें। इसमें सुबह की पहली यूरिन मिलाएं क्योंकि सुबह के समय आपकी यूरिन अधिक सांद्र होती है। यदि शक्कर घुलने के बजाय गुच्छों के रूप में जम जाती है तो इसका अर्थ है कि आप गर्भवती है।

यूरिन कलेक्शन टेस्टः चपटी सतह वाले कांच के एक गिलास में यूरिन लें। इसे कुछ समय के लिए ऐसे ही छोड़ दें। यदि एकत्रित की गयी यूरिन पर एक सफेद परत बन जाती है तो इसका अर्थ है कि आप गर्भवती हैं।

साबुनः एक बर्तन में अपनी यूरिन (पेशाब) और साबुन मिलाएं। यदि साबुन में झाग और बुलबुले आते हैं तो इसका अर्थ है कि आप गर्भवती है।

(सलाहः कृपया ध्यान दें कि ऊपर बताए गए प्राकृतिक गर्भावस्था टेस्ट में से कोई भी टेस्ट 100ः सही नहीं है। गर्भावस्था की सही पुष्टि के लिए किसी डॉक्टर की सलाह लें।)

हिंदू धर्म में महिलाएं क्यों नहीं फोड़ती नारियल?

पूजा के कार्य में नारियल का अपना महत्वीपूर्ण स्था न है। किसी भी देवी देवता की पूजा नारियल के बिना अधूरी मानी जाती है। यदि भगवान को नारियल चढ़ाया जाए तो, धन संबंधी समस्याएं दूर हो जाती हैं। आपने अक्स र मंदिरों में देखा होगा कि नारियल को या तो पंडित जी या फिर कोई पुरुष ही फोड़ता है। महिलाओं को नारियल फोड़ने का अधिकार हिंदू धर्म में नहीं दिया गया है।

क्याध आपके मन में कभी ऐसा प्रशन्नः उठा है कि जब हम महिलाओं को लक्ष्मी् का दर्जा देते हैं, तो उनका नारियल फोड़ने से अधिकार क्यों छीन लेते हैं? इसके पीछे भी राज है, आइये जानते हैं इसके बारे में...

नारियल के पीछे भी एक कथा छुपी हुई है। वह यह है कि ब्रम्हाा ऋषि विश्वामित्र ने विश्वओ का निर्माण करने से पहले नारियल का निर्माण किया था। यह मानव का प्रतिरूप माना गया था। नारियल को बीज रूप माना गया है, जो प्रजनन क्षमता से जुड़ा है। स्त्रियों बीज रूप से ही शिशु को जन्म देती है और इसलिए नारी के लिए बीज रूपी नारियल को फोड़ना अशुभ माना गया है। देवी-देवताओं को श्रीफल चढ़ाने के बाद पुरुष ही इसे फोड़ते हैं। हांलाकि इसके बारे में ना तो कहीं लिखा गया है और ना ही देवी-देवताओं ने इससे जुड़े निर्देश कभी दिये हैं।

यह सब सामाजिक मान्याताओं और विश्वानस के चलते बरसों से हमारे रीति-रिवाज का हिस्साद बना हुआ है।

मेरा

यह दिमाग मेरा ही है
जो सोच रहा है
इस पेन को पकड़े हुए मेरी ही उंगलियां हैं
यह कागज कुर्सी बनने से बच गये पेड़ का है
अब मेरी हथेलियों के तले है
मैं कह सकता हूं मेरा ही है अब
किसी को क्या गर्ज है कि
मेरे कहे को कविता कहे
मुझे क्या पड़ी है ऐसा बनने की
कि मेरा जीना न सही
कविता लगे मेरी मृत्यु
कहीं से भी देखो कविता भर है?जीवन
मेर पास शब्द हैं
भरपूर लिखने के बाद भी
प्रेमपत्रों में काटकर नहीं फेंकी
मैंने अपनी जीभ
किसके डराये से डर गया हूं कि
कहता फिर रहा हूं यह है कविता
मेरी है ये मैं हूं यह
मुझे अन्य पुरुष के
अप्रत्यक्ष कथन की क्यों पड़ रही है जरूरत
अभी तक तो मैं अपनी नींद सोता आया हूं।।

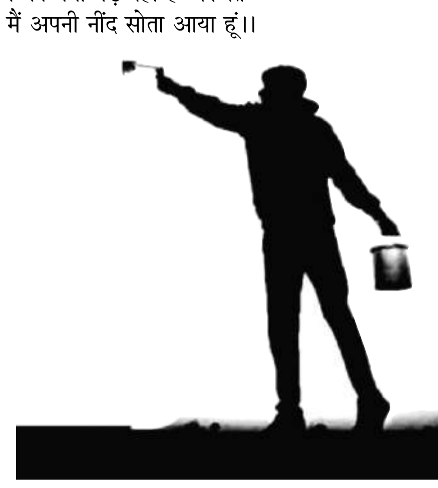

आलिया ने बताया अपनी फिटनेस का राज

शेयर की अपनी वेटलॉस जर्नी

बॉलीवुड की मोस्ट पॉपुलर एक्ट्रेस आलिया भट्ट अपनी फिटनेस के लिए जानी-जाती हैं. आलिया भट्ट ने पिछले साल नवंबर के महीने में अपनी बेटी राहा कपूर को जन्म दिया था, जिसके बाद एक्ट्रेस ने काफी जल्दी अपने प्रेगनेंसी वेट को कम कर लिया है. आलिया एक नई माँ होने के साथ-साथ एक सेलिब्रिटी भी हैं और उनपर दोनों मोर्चों को लेकर काफी दबाव है. एक्ट्रेस को अपनी प्रेगनेंसी के बाद इतनी जल्दी बैक इन शेप में आता देख फैंस काफी इंप्रेसल हुए. साथ ही अब आखिरकार आलिया ने अपने फिटनेस के राज का खुलासा किया है.

आपको बता दें कि, हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान, आलिया ने कहा, "मेरा काम एक सीन माध्यम है इसलिए मुझे खुद को एक निश्चित तरीके से पेश करने की जरूरत है. फिर भी, मैं अपने आप पर सख्त नहीं थी क्योंकि जब मैंने राहा को जन्म दिया तो मेरे शरीर ने जो किया था उस पर मुझे बहुत गर्व था. मुझे पता है कि हर कोई मानता है कि मैंने अस्वाभाविक रूप से वजन कम किया है लेकिन सच्चाई यह है कि मैं इस समय अपनी अकल दाढ़ भी नहीं निकलवा सकती क्योंकि मैं ब्रेस्टफीड करा रही हूं और मुझे एनेस्थीसिया नहीं दिया जा सकता है. बहुत से लोग इस धारणा के तहत हैं कि फिल्मों में काम करने वाले लोग डिलीवरी के बाद शेप में वापस आने के लिए अपने शरीर के लिए अनैचुरल चीजें करते हैं. इसलिए मुझे ऐसा लगा कि इंस्टाग्राम पर अपनी फिटनेस सफर के कुछ हिस्सों को शेयर करना जरूरी है. मैंने खुद पर कोई दबाव नहीं बनाया. डॉक्टरों ने मुझे सलाह दी कि केवल 12 सप्ताह के बाद ही अपने वर्कआउट में मेहनत करें और मैंने ऐसा ही किया."

इसके बाद आलिया ने कहा, "मैं अभी भी अपने प्रेगनेंसी से पहले के वजन पर वापस नहीं आई हूं. मैं लगभग अपने पुराने वजन तक पहुंचने वाली हूं. सिर्फ एक किलोग्राम दूर. लेकिन मैंने प्रेगनेंसी के दौरान और बाद में सब कुछ नैचुरली से किया. मैने 15 मिनट टहलना और सांस लेने की एक्सरसाइज करना शुरू कर दिया क्योंकि इससे बल्ड फ्लो में सुधार होता है. मैं हर दिन अपना वजन जाँचने से बचती थी, जैसा कि बहुत से लोग करते हैं. मैं दो हफ्ते में शायद एक बार वजन नापती थी. मेरी सास ने मेरे लिए गोंद के लड्डू भी बनाए जो मैंने छह सप्ताह तक खाए. लोगों को यह समझने की जरूरत है कि प्रेगनेंसी के दौरान वजन बढ़ना बहुत अधिक खाने का परिणाम नहीं है; ऐसा इसलिए है क्योंकि आप अपने अंदर जीवन बना रहे हैं और जीवन को उस अतिरिक्त वजन की जरूरत है." इस बीच एक्टर के वर्क फ्रंट की बात करें तो, आलिया जल्द ही फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में अभिनेता रणवीर सिंह से अपोजिट दिखाई देने वाली हैं. इस फिल्म का निर्देशन डायरेक्टर करण जोहर कर रहे हैं.

सबको हंसाना चुनौतीपूर्ण है: चारुल मलिक

हप्पू की उलटन पलटन और भाबीजी घर पर है जैसे कॉमिक शो का हिस्सा रहीं एक्ट्रेस चारुल मलिक ने इस शैली में अपनी रुचि साझा की और बताया कि यह सबसे चुनौतीपूर्ण क्यों है।

उन्होंने कहा, कोई भी सबको हंसा नहीं सकता। एक कॉमेडियन सीरियस रोल कर सकता है लेकिन एक एक्टर के लिए, जो पहली बार कॉमेडी कर रहा है, यह थोड़ा मुश्किल हो जाता है क्योंकि यह आपके असली व्यक्तित्व को दिखाता है। जब भी मैं अपने सेट पर अभिनेताओं को देखती हूं तो वे हमेशा हंसते रहते हैं या सभी को हंसाते हैं। यह मुश्किल है। वह द कपिल शर्मा शो का हिस्सा बनने की अपनी इच्छा भी साझा करती हैं। उन्होंने कहा, फिलहाल मैं कॉमेडी करके बहुत खुश हूं। अगर मुझे कोई और मौका मिलता है, तो मैं द कपिल शर्मा शो में जाना चाहूंगी। उनकी पसंदीदा फिल्मों में हेरा फेरी और 3 इडियट्स शामिल हैं।

एक्ट्रेस ने कहा, मैं इन फिल्मों को जितनी बार संभव हो रीप्ले पर देखती हूं। हेरा फेरी की टाइमिंग, एनर्जी और स्टार कास्ट कमाल की है। मैं हेरा फेरी 3 के लिए और 3 इडियट्स के लिए एक हल्की-फुल्की और अद्भुत फिल्म का इंतजार नहीं कर सकती। कभी-कभी कॉमेडी कुछ लोगों को परेशान कर देती है और इसका परिणाम सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग और बुलिंग होता है। वह कहती हैं, कई बार कॉमेडी करते हुए लोग प्रभावित हो जाते हैं, कुछ लोगों की भावनाएं आहत हो जाती है और फिर सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग शुरू हो जाती है। मैं लोगों की मानसिकता को समझ नहीं पा रही हूं, क्योंकि सोशल मीडिया पर उन्हें बस किसी को धमकाने का मौका चाहिए। लेकिन बोलने की आजादी कभी-कभी एक मुद्दा बन सकती है क्योंकि लोग किसी भी चीज और हर चीज के बारे में बात नहीं कर सकते। वह कहती हैं कि किसी भी व्यक्ति की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली बात कहने से बचना चाहिए। चारुल मलिक ने कहा, हमें ऐसी बातें कहने से बचना चाहिए जिससे किसी को ठेस पहुंचे। मुझे लगता है कि कुछ शो इसका पालन नहीं करते हैं और इसलिए उन्हें ट्रोल किया जाता है। हमें सबका नजरिया देखना चाहिए और कुछ भी कहने से पहले सोचना चाहिए। वेब सीरीज ने बोलने की काफी आजादी ले ली है। मुझे लगता है कि इसे बहुत सोच-समझकरबनाया जाना चाहिए। आजकल तनाव कोई नहीं चाहता। लोग ऐसे शो देखना पसंद करते हैं जहां आपको अपने दिमाग का इस्तेमाल न करना पड़े। इसलिए कॉमेडी सबसे अच्छा माध्यम है।

बिना मेकअप के कैटरीना ने पोस्ट की फोटोज

मिनी माथुर ने किया चौंकाने वाला कमेंट

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ को लेकर इन दिनों प्रेग्नेंसी की अफवाहें उड़ रही हैं. इसी बीच एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक फोटो पोस्ट की है. फोटो को देखकर फैंस ने कमेंट्स की बौछार कर दी है. वहीं फैंस के कमेंट्स देखकर ऐसा अंदाजा लगाया जा सकता है कि कैटरीना की प्रेग्नेंसी को लेकर उनका शक यकीन में बदल गया है. कैटरीना ने खुद की कुछ खूबसूरत सनकिस्ड फोटो पोस्ट की हैं. अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर, कैट ने अपने फैंस के साथ अपनी बालकनी में धूप के दिन का आनंद लेते हुए खुद की कुछ सुंदर फोटो पोस्ट की हैं." उसने पोस्ट को कैप्शन दिया, गुड मॉर्निंग, एक सूरजमुखी इमोटिकॉन ड्रॉप किया.

फोटो में, कैटरीना को हवा में लहराते बालों के साथ देखा जा सकता है, फूलों के बैकग्राउंड के बीच उन्होंने एक बेज टॉप के ऊपर एक सफेद स्वेटर पहन रखा है. वहीं फैंस ने कमेंट सेक्शन में कमेंट्स की बाढ़ ला दी. एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने कमेंट किया, "हाय गॉर्जियस."श्वेता बच्चन ने दिल को छू लेने वाला इमोटिकॉन ड्रॉप किए. वहीं बीएफएफ मिनी माथुर ने लिखा, "ओह हाय.. इतना खुश क्यों?"वहीं मिनी माथुर के इस कमेंट ने कई अटकलों को जन्म दे दिया. एक ने लिखा, "क्योंकि वह अब प्रेग्नेंट है." दूसरे ने कहा, "बेबी की खबर होगी हो सकती है. इस बीच कैटरीना के वर्कफ्रंट की अगर बात करें तो उन्हें आखिरी बार सिद्धांत चतुर्वेदी और ईशान खट्टर के साथ हॉरर कॉमेडी फिल्म 'फोन भूत' में देखा गया था. वह अगली बार अभिनेता सलमान खान के साथ आगामी एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'टाइगर 3' में दिखाई देंगी. फिल्म दिवाली 2023 के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है. वहीं दूसरी तरफ विक्की के पास प्रोजेक्ट्स की भरमार है. हंक महाराष्ट्र टूरिज्म के साथ हुंडई फिल्मफेयर अवाड्र्स 2023 में लाइव परफॉर्म करने के लिए तैयार है.

दुबई में सानिया मिर्जा के बेटे और बहन के साथ दिखे सलमान खान

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को दुबई में टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा के बेटे इजान और बहन अनम के साथ पोज देते देखा गया। अनम ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की, जिसमें सलमान खान के साथ दो तस्वीरें भी थीं।

सानिया की बहन अनम ने इंस्टाग्राम पर अपनी दुबई डायरी से एक वीडियो साझा किया और इसे कैप्शन दियाः दुबई में 24 घंटे। अगले सप्ताहभर कठिन काम के लिए ऊर्जा मिल गई है। क्लिप में, अनम और इजान दबंग अभिनेता के साथ पोज देते नजर आ रहे है। सलमान ने ब्लैक टी-शर्ट और जीन्स के साथ बेसबॉल कैप पहनी हुई है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो, सलमान की लेटेस्ट फिल्म किसी का भाई किसी की जान हाल ही में रिलीज हुई, जिसमें भूमिका चावला, पूजा हेगड़े, शहनाज गिल, पलक तिवारी, राघव जुयाल, वेंकटेश दग्गुबत्ती और कई अन्य कलाकार हैं। वह अगली बार टाइगर 3 में दिखाई देंगे, जिसमें कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी भी हैं। फिल्म में पठान के रूप में शाहरुख खान का कैमियो भी होगा। दोनों खान फिल्म में कुछ हाई ऑक्टेन एक्शन करते नजर आएंगे।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक एवं RNI No. DLHIN/2010/37009 संपादक मो हनीफ द्वारा अरावली प्रिंटर्स-डब्लूए 30, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली से मुद्रित करवाकर, जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा।